हिन्दी व्याकरण

कक्षा 5

हिंदी व्याकरण विषय - सूची कक्षा - 5

क्र.सं.	पाठ		पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, लिपि और व्याकरण	---------------------------	(2 - 7)
2.	वर्ण - विचार	---------------------------	(8 -13)
3.	मात्रा अभ्यास और शुद्ध वर्तनी	---------------------------	(14-18)
4.	शब्द और वाक्य	---------------------------	(19 – 28)
5.	संज्ञा	---------------------------	(29 – 35)
6.	लिंग	---------------------------	(36- 42)
7.	वचन	---------------------------	(43 – 47)
8.	कारक	---------------------------	(48 – 53)
9.	सर्वनाम	---------------------------	(54 -60)
10.	विशेषण	---------------------------	(61 -67)
11.	क्रिया	---------------------------	(68 -72)
12.	काल	---------------------------	(73 -76)
13.	अविकारी शब्द	---------------------------	(77 -84)
14.	पर्यायवाची शब्द	---------------------------	(85 -89)
15.	विलोम शब्द	---------------------------	(90 -93)
16.	श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द	---------------------------	(94-97)
17.	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	---------------------------	(98 -103)
18.	अनेकार्थी शब्द	---------------------------	(104 -107)
19.	विराम चिन्ह	---------------------------	(108 - 113)
20.	मुहावरे और लोकोक्तियाँ	---------------------------	(114 -123)
21.	संवाद लेखन	---------------------------	(124 -127)
22.	अपठित गद्यांश	---------------------------	(128 -131)
23.	कहानी लेखन	---------------------------	(132 -138)
24.	पत्र लेखन	---------------------------	(139 -142)
25.	अनुच्छेद लेखन	---------------------------	(143 -145)

1. भाषा, लिपि और व्याकरण

निम्न चित्रों को ध्यान पूर्वक देखिए –

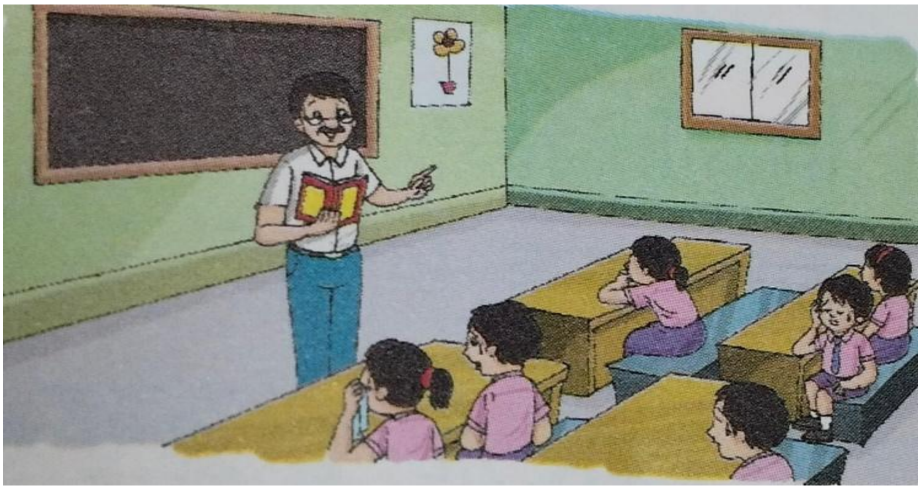

शिक्षक बोलकर पढ़ा रहे हैं , विद्यार्थी सुन कर समझ रहे हैं ।

शिक्षिका लिखकर पढ़ा रही हैं, विद्यार्थी पढ़ कर समझ रहे हैं।

उपर्युक्त दोनों ही चित्रों में विचारों का आदान-प्रदान किया जा रहा है। पहले चित्र में शिक्षक बोलकर और विद्यार्थी सुनकर विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।
दूसरे चित्र में शिक्षिका लिखकर और विद्यार्थी पढ़कर विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं।

यही भाषा है।

<u>भाषा</u>

बोलकर या लिखकर अपने विचार व्यक्त करने का माध्यम भाषा कहलाता है।

हमारी तरह पशु -पक्षी भी तरह-तरह की ध्वनियाँ निकालते हैं पर उन ध्वनियों को हम भाषा नहीं कहते । वह सार्थक ध्वनि जिनका प्रयोग मनुष्य द्वारा किया जाता है केवल वही भाषा कहलाती है।

कभी-कभी हम संकेतों के माध्यम से भी अपनी बात कहते हैं अथवा दूसरों की बात समझते हैं संकेतों के माध्यम से समझाई गई बात **सांकेतिक भाषा** कहलाती है ।

जैसे - सड़क के सभी नियम सांकेतिक भाषा पर ही आधारित होते हैं।

भाषा के दो मुख्य रूप है –

1.मौखिक भाषा 2.लिखित भाषा

<u>मौखिक भाषा</u>

बचपन में हम अपने परिवार तथा आसपास के परिवेश से सुनकर और बोलकर ही मौखिक भाषा सीखते हैं ।

भाषा का वह रूप जिसे मुँह से बोलकर व्यक्त किया जाता है तथा कानों से सुनकर समझा जाता है उसे **मौखिक भाषा** कहते हैं। मौखिक भाषा का प्रयोग बातचीत ,भाषण , वाद-विवाद ,चर्चा, रेडियो तथा टेलीविजन में किया जाता है।

<u>लिखित भाषा</u>

भाषा का वह रूप जिसे लिखकर व्यक्त किया जाता है तथा पढ़कर उसे समझा जाता है उसे लिखित भाषा कहते हैं।

भाषा के इस रूप का प्रयोग उत्तर - पुस्तिका , पत्र ,समाचार- पत्र ,पत्रिकाओं अथवा हिसाब - किताब लिखने आदि में किया जाता है ।

संसार में विभिन्न भाषाएँ बोली जाती है जैसे अंग्रेजी, जर्मन, रूसी ,उर्दू ,फारसी ,चीनी ,जापानी आदि ।

इसी तरह भारत में भी अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं भारत के कई राज्यों की मुख्य भाषा हिंदी है । हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में 14 सितंबर 1949 को **राजभाषा** घोषित किया गया है। भारत में प्रतिवर्ष 14 सितंबर को **हिंदी दिवस** मनाया जाता है ।

हिंदी के अलावा भारत में उर्दू ,तेलुगु ,तमिल , पंजाबी आदि अनेक अन्य भाषाएँ भी बोली जाती है। भारत में **22** भाषाओं को भारतीय संविधान में मान्यता प्राप्त है।

हिंदी	असमिया	नेपाली	गुजराती	मलयालम
मराठी	सिन्धी	मणिपुरी	तमिल	उड़िया
तेलुगू	पंजाबी	उर्दू	मैथिली	संस्कृत

बोली

बोली भाषा का क्षेत्रीय रूप होती है। बोली किसी विशेष क्षेत्र में बोली जाती है । यह मुख्य रूप से बोलचाल की भाषा होती है। बोली का रूप थोड़ी-थोड़ी दूरी पर बदल जाता है इसमें साहित्य लिखने का कार्य नहीं किया जाता है ।

राजस्थानी ,भोजपुरी, मैथिली ,छत्तीसगढ़ी आदि बोलियों के उदाहरण है ।

लिपि

भाषा को सुरक्षित रखने के लिए भाषा को लिखने की आवश्यकता महसूस की गई। भाषा को लिखने के लिए कुछ चिन्ह निश्चित किए गए यही चिन्ह लिपि कहलाए इस प्रकार लिपि का जन्म हुआ ।

भाषा को लिखने का तरीका या ढंग ही लिपि कहलाता है।

कुछ प्रमुख लिपियाँ इस प्रकार है –

भाषा	लिपि
पंजाबी	गुरुमुखी
हिंदी	देवनागरी
अरबी	फारसी
अंग्रेजी	रोमन
संस्कृत	देवनागरी
उर्दू	फारसी

व्याकरण

जब हम भाषा बोलते हैं तो ध्वनियों का प्रयोग करते हैं जब लिखते हैं तो वर्णों शब्दों और वाक्य का प्रयोग करते हैं प्रत्येक भाषा के कुछ नियम होते हैं व्याकरण हमें उन नियमों की जानकारी देता है तथा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान प्रदान करता है ।

व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा के नियमों की जानकारी देकर भाषा को शुद्ध रूप में बोलना तथा लिखना सिखाता है।

अब तक हमने सीखा

* विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम भाषा है।

*भाषा के दो रूप होते हैं मौखिक व लिखित।

*भाषा के लिखने के ढंग को लिपि कहते हैं।

*हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है।

*सीमित क्षेत्र में बोलने वाली भाषा बोली कहलाती है।

*व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध रूप से बोलना ,पढ़ना और लिखना सिखाता है।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

क. भाषा से आप क्या समझते हैं?

ख. भाषा के कितने रूप होते हैं?

ग. लिपि किसे कहते हैं?

घ. बोली किसे कहते हैं?

ड. व्याकरण किसे कहते हैं?

2 .सही (✓) या गलत (×) का निशान लगाइए -

क. भाषा के चार रूप होते हैं। ( )

ख. संसार में भाषाएँ अनेक है पर लिपि एक है। ( )

ग. हिंदी दिवस 14 अगस्त को मनाया जाता है। ( )

घ. भारत की राजभाषा हिंदी है। ( )

ड. हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। ( )

3. खाली स्थान भरिए -

क. कहानी वाचन भाषा का ------------------------- रूप होता है।

ख. पत्र लेखन भाषा का ------------------------- रूप है।

ग. संस्कृत की लिपि ------------------------- है।

घ. भाषा के लिखने के ढंग को ------------------------- कहते हैं।

ड. सीमित क्षेत्र में बोली जाने वाली भाषा------------------------- कहलाती है।

4. नीचे दी गई भाषाओं को उनकी लिपि से मिलाइए -

अंग्रेजी	देवनागरी
पंजाबी	देवनागरी
हिंदी	रोमन
अरबी	गुरुमुखी
संस्कृत	फारसी

5. **चित्र पहचान कर भाषा का रूप लिखिए -**

------------------------------   ------------------------------

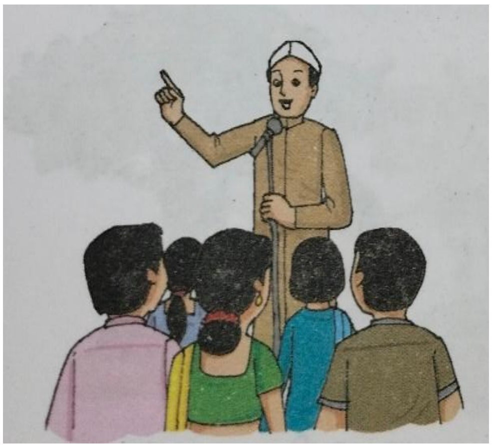

------------------------------   ------------------------------

****

2. वर्ण – विचार

बोलते समय मुख से तरह-तरह की ध्वनियाँ निकलती हैं। जैसे -

'घर' शब्द बोलने पर हमारे मुँह से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं। इन्हीं ध्वनियों का लिखित रूप **वर्ण** कहलाता है। अब, इस शब्द के टुकड़े करके देखते हैं-
घर - घ् + अ + र् + अ (चार ध्वनियाँ) इन ध्वनियों के और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते हैं।

जिस ध्वनि के टुकड़े न हो सकें, उसे वर्ण कहते हैं।

वर्णमाला

वर्णों का व्यवस्थित समूह वर्णमाला कहलाता है। इसमें स्वर और व्यंजन दोनों सम्मिलित होते हैं।

वर्ण के दो भेद होते हैं-

1. स्वर
2. व्यंजन

स्वर - प्रत्येक वर्ण के उच्चारण में हमारे मुख से हवा निकलती है। जिन वर्णों के उच्चारण में किसी अन्य ध्वनि की सहायता नहीं ली जाती, उन्हें 'स्वर' कहते हैं।

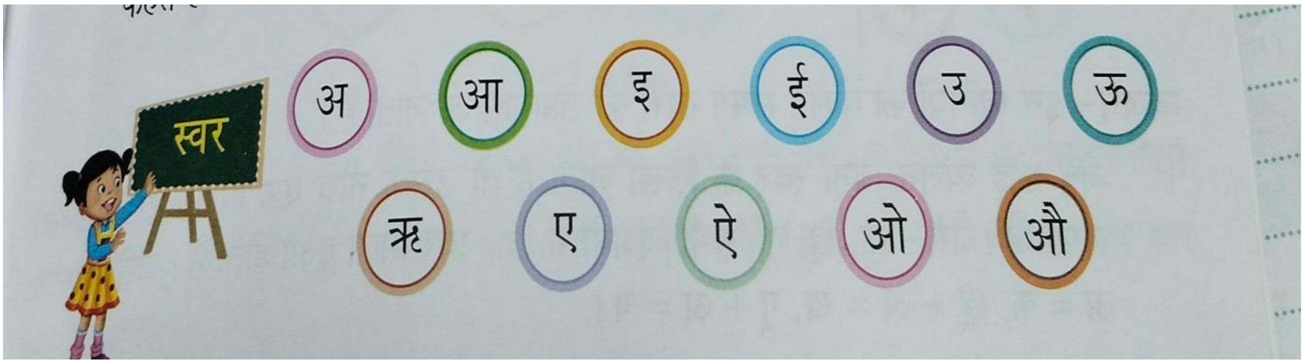

स्वरों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है। इन्हें बोलते समय मुख से बिना किसी रुकावट के हवा निकलती है। हिंदी में इनकी संख्या 11 मानी गई है-

इन्हें इनके मूल रूप में अ, आ, इ, ई इस तरह से लिखा जाता है तथा व्यंजन के साथ लिखते समय मात्रा के रूप में इनका प्रयोग होता है,
जैसे – अनार = अ +न् +आ + र् + अ

स्वर के भेद

स्वर के तीन भेद होते हैं-

1. **ह्रस्व स्वर**-जिन स्वरों के उच्चारण में सबसे कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ह्रस्व स्वर चार होते हैं- अ, इ, उ, ऋ।

2. **दीर्घ स्वर**-जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। दीर्घ स्वर सात होते हैं- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

3. **प्लुत स्वर**-जिन स्वरों के उच्चारण में दीर्घ स्वर से दुगुना समय लगता है, उन्हें प्लुत स्वर कहते हैं। प्रायः किसी को पुकारते समय इसका प्रयोग किया जाता है; जैसे ओऽम, राऽम।

इन्हें भी जानें-

अनुस्वार

इसका उच्चारण नाक से होता है; जैसे-घंटी, चंचल, मंगल , कंगन, पंखा, चंचल आदि।

अनुनासिक

इसका उच्चारण नाक और मुँह दोनों से होता है; जैसे-आँख, छाँव, गाँव, पाँव ,पाँच आदि।

विसर्ग

इसका उच्चारण 'ह' की तरह किया जाता है; जैसे प्रातः, अतः आदि।

स्वरों की मात्राएँ

व्यंजन के साथ स्वर को मिलाने के लिए जो चिह्न जोड़ा जाता है, वह 'मात्रा' कहलाता है।

'अ' स्वर की कोई मात्रा नहीं होती। यह सभी व्यंजनों में जुड़ा रहता है। अन्य स्वरों की मात्राएँ अग्रलिखित तालिका में दी गई हैं।

स्वर	मात्रा	मात्राओं के साथ मेल	शब्द निर्माण
अ	–	क् + अ = क	कल, कर
आ	ा	क + ा = का	काम, काल
इ	ि	क + ि = कि	किला, किया
ई	ी	क + ी = की	कील, कीमत
उ	ु	क + ु = कु	कुल, कुशल
ऊ	ू	क + ू = कू	कूप, कुरूप
ऋ	ृ	क + ृ = कृ	कृषक, कृपा
ए	े	क + े = के	केला, केशव
ऐ	ै	क + ै = कै	कैलाश, कैसा
ओ	ो	क + ो = को	कोयल, कोमल
औ	ौ	क + ौ = कौ	कौआ, कौन
अं	ं	क + ं = कं	कंघा, कंगाल
अः	ः	क + ः = कः	बालकः, शुकः

व्यंजन

व्यंजन स्वतंत्र ध्वनियाँ नहीं है। इन्हें बोलने के लिए स्वरों की सहायता ली जाती है।

व्यंजन

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ

संयुक्त व्यंजन - दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन को 'संयुक्त व्यंजन' कहते हैं। जैसे-

1. क्ष = क् + ष
2. त्र = त् + र
3. ज्ञ = ज् + ञ
4. श्र = श् + र

द्वित्व व्यंजन

जब एक ही व्यंजन दो बार एक साथ प्रयोग किया जाता है, तो वह द्वित्व व्यंजन कहलाता है। द्वित्व व्यंजन में पहली बार व्यंजन स्वर के बिना प्रयोग किया जाता है और दूसरी बार स्वर के साथ।

उदाहरण- कच्चा, दिल्ली, पक्का, मिट्टी, लज्जा आदि।

संयुक्ताक्षर व्यंजन

दो अलग-अलग व्यंजनों के एक साथ प्रयोग से बने अक्षर संयुक्ताक्षर कहलाते हैं।

जैसे- त् + य = त्य - त्याग

क् + य =क्य -क्यारी

'र' का प्रयोग - 'रेफ़' और 'पदेन' के रूप में

1. **रेफ**-जब 'र' स्वर के बिना किसी व्यंजन से पहले आता है, तो 'र' उस व्यंजन के ऊपर लिखा जाता है; जैसे दर्पण, गर्व, बर्फ़ आदि।

2. **पदेन**-बिना स्वर वाले व्यंजनों के साथ 'र' उस व्यंजन के नीचे लिखा जाता है; जैसे-ग्रंथ, क्रम, प्रश्न, भ्रमण आदि।

3. **'ट' वर्ग वाले व्यंजनों के साथ 'र' का प्रयोग** -'ट' और 'ड' व्यंजनों के साथ 'र' विशेष रूप में लिखा जाता है; जैसे ट्रक, ड्रम आदि।

वर्ण-विच्छेद

किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।जैसे-

बंदर	-	ब् + अं + द् + अ + र् + अ
बाज़ार	-	ब् + आ + ज़् + आ + र् + अ
श्रवण	-	श् + र् + अ + व् + अ + ण् + अ
चिह्न	-	च् + इ + ह् + न् + अ
ज़रूर	-	ज़् + अ + र् + ऊ + र् + अ
विकसित	-	व् + इ + क् + अ + स् + इ + त् + अ
समक्ष	-	स् + अ + म् + अ + क् + ष् + अ
श्रमिक	-	श् + र् + अ + म् + इ + क् + अ
स्त्री	-	स् + त् + र् + ई
विज्ञान	-	व् + इ + ज़् + ञ् + आ + न् + अ
विद्वान	-	व् + इ + द् + व् + आ + न् + अ

अब तक हमने सीखा

*भाषा की सबसे छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है।
*वर्णों के दो भेद होते हैं- 1. स्वर 2. व्यंजन।
*स्वर स्वतंत्र होते हैं। इन्हें बोलने के लिए किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती।
*व्यंजन को बोलने के लिए स्वर की सहायता की आवश्यकता पड़ती है।
* जब दो भिन्न व्यंजन पहला स्वर रहित और दूसरा स्वर युक्त मिलें तो संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
* दो समान व्यंजन पहली बार स्वर के बिना, दूसरी बार स्वर के साथ प्रयुक्त होने पर द्वित्व व्यंजन कहलाते हैं ।
* दो व्यंजनों के मिलने पर बना शब्द संयुक्ताक्षर कहलाता है।
* स्वर रहित और स्वर युक्त 'र' का प्रयोग अलग-अलग ढंग से होता है।
*शब्द के वर्णों को अलग करना वर्ण - विच्छेद कहलाता है।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई को क्या कहते हैं ?

(ख)स्वर किसे कहते हैं ?

(ग) वर्ण विच्छेद क्या कहलाता है ?

2.नीचे दिए गए वाक्यों में सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (X) का चिह्न लगाइए -

क. भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण कहलाती है। ( )
ख. वर्णों के व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं। ( )
ग. स्वरों के उच्चारण में व्यंजन वर्णों की सहायता लेनी पड़ती है। ( )
घ. जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ( )
ङ. व्यंजन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता ली जाती है। ( )

3.निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए -

(क) स्वर के भेद होते हैं-

i) तीन ii) चार iii) दो

(ग) ह्रस्व स्वर होते हैं-

i)चार ii) पाँच iii) छह

(घ) इनमें से दीर्घ स्वर है-

i) आ ii) ए iii) दोनों

(ङ) 'ड' के बाद कौन-सा वर्ण आता है -

i) त ii) द iii) ढ

4.अनुस्वार या अनुनासिक चिह्न लगाकर सही शब्द लिखिए-

(क) आख ---------------------

(ख) कगन --------------------

(ग) पखा --------------------

(घ) चचल --------------------

(ङ) गाव --------------------

5. वर्ण विच्छेद कीजिए –

(क) प्रेम --

(ख) बादल ---

(ग) कक्षा --

(घ) किताब ---

(ङ) सत्य --

****

3. मात्रा अभ्यास और शुद्ध वर्तनी

हिंदी एक वैज्ञानिक भाषा है। अभिप्राय यह है कि जैसे इसका उच्चारण होता है ,वैसे ही इसे लिखा जाता है। अर्थात-

शुद्ध उच्चारण - शुद्ध लेखन
अशुद्ध उच्चारण - अशुद्ध लेखन

छात्र हिंदी भाषा में अधिकतर गलतियाँ मात्राओं की करते हैं। अतः छात्रों को ध्वनियों का सही उच्चारण बताना आवश्यक है, ताकि वे समझ सकें कि कहाँ पर कौन-सी मात्रा का प्रयोग होगा। छात्रों को यह बताना भी आवश्यक है कि, सही मात्रा का प्रयोग न करने से अशुद्धि हो जाती है तथा कभी-कभी शब्द का अर्थ ही बदल जाता है। यहाँ हमने मिलते-जुलते शब्दों का विभिन्न मात्राओं के साथ अभ्यास कराने का प्रयास किया है।

'अ' व 'आ' का उच्चारण व लेखन अभ्यास -

अ ('अ' के उच्चारण में कम समय लगता है।)
आ ('आ' के उच्चारण में अधिक समय लगता है।)

प्रण ----------- प्राण ----------- भला ----------- भाला -----------
गाय ----------- गाया ----------- बजा ----------- बाज़ -----------

'इ' व 'ई' का उच्चारण व लेखन अभ्यास -

इ ('इ' के उच्चारण में कम समय लगता है।)
ई ('ई' के उच्चारण में अधिक समय लगता है।)

गिरा ----------- गीता ----------- चिता ----------- चीता -----------
क्रिया ----------- क्रीड़ा ----------- मालिन ----------- माली -----------

'उ' व 'ऊ' का उच्चारण व लेखन अभ्यास -

उ ('उ' के उच्चारण में कम समय लगता है।)
ऊ ('ऊ' के उच्चारण में अधिक समय लगता है।)

पुल ----------- फूल ----------- सुता ----------- सूखा -----------
बुझाना ----------- बूझना ----------- बाबुल ----------- बबूल -----------

'ए' व 'ऐ' का उच्चारण व लेखन अभ्यास -

ए ('ए' के उच्चारण में कम समय लगता है।)
ऐ ('ऐ' के उच्चारण में अधिक समय लगता है।)

मेघ ----------- मैच ----------- खेत ----------- खैर -----------
केला ----------- कैसा ----------- भेद ----------- भैंस -----------

'ओ' व 'औ' का उच्चारण व लेखन अभ्यास -

ओ ('ओ' के उच्चारण में कम समय लगता है।)
औ ('औ' के उच्चारण में अधिक समय लगता है।)

मोच -----------	चौक -----------	मोटा -----------	मौका -----------
बोल -----------	शौक -----------	थोड़ा -----------	चौड़ा -----------

'अं' व 'आँ' का उच्चारण व लेखन अभ्यास

अं ('अं' के उच्चारण में कम समय लगता है।)
आँ ('आँ' के उच्चारण में अधिक समय लगता है।)

गंगा -----------	गाँव -----------	नंद -----------	नाँद -----------
पंजा -----------	पाँच -----------	संत -----------	साँस -----------

पढ़िए और समझिए -

माँ मुझे **भूक** लगी है।

तुम मुझसे **नराज़** हो क्या?

बच्चो! आपने क्या समझा? उपर्युक्त उदाहरणों में 'ख' के स्थान पर 'क' और 'नाराज' के स्थान 'नराज' का प्रयोग होने से ये शब्द अशुद्ध हो गए हैं। ऐसा होने से उच्चारण तो गलत हुआ ही, वर्तनी भी गलत हो गई।

हिंदी भाषा में जैसा बोला जाता है, वैसा ही लिखा भी जाता है और कई बार एक ही शब्द अलग- अलग रूप में बोलकर लिखने के कारण अपना मूल रूप खो बैठता है।

मूल रूप से अशुद्धियों के दो प्रकार होते हैं—

शब्द संबंधी अशुद्धियाँ
वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ

शब्द संबंधी अशुद्धियाँ -

शब्दों को बोलते व लिखते समय जो अशुद्धियाँ होती हैं, उन्हें **शब्द संबंधी अशुद्धियाँ** कहते हैं। जैसे नराज, असान, बजार (अशुद्ध) आदि।

वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ

वाक्यों को लिखते समय जो पद-क्रम संबंधी गलतियाँ होती हैं, वे वाक्य की 'अशुद्धियाँ' कहलाती हैं।

जैसे - मेरी माता जी आ रहे हैं। (अशुद्ध)

अपनी बात को समझाने के लिए वाक्य का शुद्ध होना बहुत आवश्यक है।

अशुद्धि-शोधन

शब्दों को लिखते समय जो वर्तनी संबंधी , पद - क्रम संबंधी गलतियाँ होती हैं, वे ही '**अशुद्धियाँ**' कहलाती हैं। इन गलतियों को सुधारना **अशुद्धि-शोधन** कहलाता है।

शब्द संबंधी अशुद्धि-शोधन

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
श्रीमति	श्रीमती	वायू	वायु
क्योंकी	क्योंकि	अध्यन	अध्ययन
लिखायी	लिखाई	दुसरा	दूसरा
मिठाईयाँ	मिठाइयाँ	क्यूँ	क्यों
आधीन	अधीन	जादु	जादू
बरात	बारात	आर्शीवाद	आशीर्वाद
क्षत्रीय	क्षत्रिय	परीश्रम	परिश्रम
पत्नि	पत्नी	क्रपा	कृपा
तिथी	तिथि	नीती	नीति
प्रसंशा	प्रशंसा	झूट	झूठ
अतिथी	अतिथि	हिंदु	हिंदू
बिमारी	बीमारी	इसलीए	इसलिए
लड़ायी	लड़ाई	असोक	अशोक

वाक्य संबंधी अशुद्धि-शोधन

अशुद्ध	शुद्ध
1. मैं और तुम साथ घर चलेगे।	1. हम दोनों साथ घर चलेंगे।
2. मैं स्कूल जा रहा है।	2. मैं स्कूल जा रहा हूँ।
3. क्या आप भोजन किया?	3. क्या आपने भोजन किया?
4. ये मेरा पुस्तक है।	4. यह मेरी पुस्तक है।

5. मुझे पुस्तक दिया।	5. मुझे पुस्तक दी।
6. उसे पास दो फूल हैं।	6. उसके पास दो फूल हैं।
7. मैं दाना गिन रहा हूँ।	7. मैं दाने गिन रहा हूँ।
8. तुम तुम्हारे घर जाओ।	8. तुम अपने घर जाओ।
9. गुनगुने गर्म पानी में पैर रखो।	9. गुनगुने पानी में पैर रखो।
10. आप खाना खा लिए हैं क्या?	10.क्या आपने खाना खा लिया है?

अब तक हमने सीखा

अशुद्धियाँ दो प्रकार की होती हैं-

(क) वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ

(ख) वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ

प्रश्न अभ्यास

1.दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. अशुद्धि-शोधन से आप क्या समझते हैं?

ख. वाक्य संबंधी अशुद्धियाँ क्या होती हैं?

2.दिए गए अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए-

क. सैना ----------------	ख. बंसत -------------------
ग. प्रशाद ----------------	घ. फषल -------------------
ङ. कीसान ---------------	च. पियासी -------------------
छ. दुसरा ----------------	ज. आर्शीवाद -------------------
झ. पूरती ----------------	ञ. बिमारी --------------------

3. दिए गए अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए -

(क) मेरी माता जी आ रहे हैं।

(ख) बाहर लड़की खड़ा है।

(ग) हम अभी खाना खाए हैं।

(घ) ये तुम लोग क्या कर रहा है।

(ङ) राहुल को काटकर सेब खिलाओ।

----

4. दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्दों को रेखांकित करें-

क. परीक्षा	परिक्षा	पिरक्षा
ख. बगीचा	बगिचा	बिगचा
ग. वपसी	वापस	वापीस
घ. त्योहार	त्योहारा	त्यौहर
ङ. आशीर्वाद	आशीर्वद	अशीर्वाद

5. दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्द को शुद्ध करके लिखिए-

क. अंग्रेजों ने क्या कानून बताया था?

ख. गायों के संग श्री कृष्ण वन में जाया थे।

ग. मंत्री के विरुद्ध जनता ने आंदोलन करना।

घ. मैं समय पर पाठशाला पहुँच गए थी।

ङ. मैं कल मैच देखने जाएगा।

****

4 . शब्द और वाक्य

देखिए, पढ़िए और समझिए –

बच्चो! नीचे कुछ वर्ण दिए गए हैं-

ख	**ग**	**ब**	**त**	**द**	**न**	**स**	**र**

अब इन का अलग-अलग समूह बनाकर देखते हैं-

बस	**बतख**	**बरगद**	**बरतन**

ऊपर दिए गए सभी समूहों का कोई-न-कोई अर्थ अवश्य है। अतः

वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।

आइए, कुछ अन्य शब्दों को पढ़ते हैं-

घर	शिव	पीला
मटर	पिन	खीरा
पलक	सिल	जीरा
अदरक	हिल	हीरा

शब्द भेद

हिंदी भाषा में शब्दों को तीन आधारों पर बाँटा गया है-

1. उत्पत्ति के आधार पर 2. रचना के आधार पर 3. प्रयोग के आधार पर

1. उत्पत्ति के आधार पर

उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं-

(क) तत्सम शब्द

संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिंदी में भी अपने मूल रूप में प्रयोग किए जाते हैं, 'तत्सम शब्द' कहलाते हैं; जैसे अग्नि, सूर्य, दुग्ध, कर्ण, सर्प आदि।

(ख) तद्भव शब्द

संस्कृत के वे शब्द जो कुछ बदले हुए रूप के साथ हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं, 'तद्भव शब्द' कहलाते हैं; जैसे-आम, सूरज, दूध, कान, साँप आदि।

कुछ शब्दों के निम्नलिखित तत्सम और तद्भव शब्द देखिए-

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
आग	अग्नि	आज	अद्य
आँसू	अश्रु	आसरा	आश्रय
नाक	नासिका	काठ	काष्ठ
आठ	अष्ट	आँख	अक्षि
आम	आम्र	छेद	छिद्र
पत्थर	प्रस्तर	बहू	वधू
ऊँट	उष्ट्र	धुआँ	धूम
कौआ	काक	दाँत	दंत
कछुआ	कच्छप	कान	कर्ण
किसान	कृषक	नौ	नव
खेत	क्षेत्र	तेरह	त्रयोदश
गवैया	गायक	धान	धान्य
बन्दर	वानर	भाप	वाष्प
मीत	मित्र	रात	रात्रि
जेठ	ज्येष्ठ	हाथ	हस्त
तिनका	तृष्ण	लाज	लज्जा

(ग) देशज शब्द

'देशज शब्द' उन्हें कहते हैं जिन्हें देश में बोली जाने वाली अन्य बोलियों अथवा भाषाओं से हिंदी भाषा में लिया गया है। ये साधारण बोलचाल में प्रयुक्त होते हैं; जैसे- सड़क, थैला, बिल्ली, जूता, पैसा, रोटी, गाड़ी आदि।

(घ) विदेशी शब्द

हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाने वाले वे शब्द जो दूसरे देश की भाषाओं से लिए गए हैं, **'विदेशी शब्द'** कहलाते हैं; जैसे- चाकू, कार्टून, गमला, कॉलेज, पादरी, ज़मीन, औलाद, जन्नत, पटाखा, चाय, लीची आदि।

2. रचना के आधार पर

रचना के आधार पर शब्दों के तीन भेद होते हैं –

रुढ़ शब्द

जो शब्द किसी व्यक्ति, स्थान या प्राणी के लिए विशिष्ट रूप से प्रचलन में आ जाते उन्हें **रूढ़ शब्द** कहते हैं।

जैसे - पक्षी, नदी, हवा, पेड़, कवि, घोड़ा, दीवार आदि।

यौगिक शब्द

जो शब्द दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से बनते हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। जैसे- पुस्तकालय = पुस्तक + आलय, देवदूत= देव +दूत।

इन शब्दों के खंड किए जा सकते हैं और उन खंडों के अर्थ भी होते हैं।

योगरूढ़

वे यौगिक शब्द जो किसी विशेष अर्थ को स्पष्ट करते हैं, उन्हें **योगरूढ़ शब्द** कहते हैं।

नीलकंठ = नील (नीला) + कंठ (गला) - शिवजी

दशानन = दश (दस) +आनन (मुख) - रावण

3. प्रयोग के आधार पर

प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं-

(क) विकारी शब्द:

जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक और काल के कारण परिवर्तन हो जाता है, उन्हें **विकारी शब्द** कहते है। विकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया।

संज्ञा शब्द : लड़का, लड़की, लड़के, घोड़ा, घोड़ी आदि।
सर्वनाम शब्द : मैं, मेरा, मेरी, हम, हमारे, हमारी, तुम आदि।
विशेषण शब्द : काला, काले, काली, ऊँचा, ऊँचे,लम्बा,आदि।
क्रिया शब्द : पढ़ता, पढ़ती, पढ़ते, गाता, गाती, गाते आदि।

(ख) अविकारी शब्द

जिन शब्दों के रूप में लिंग, वचन, कारक और काल के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता उन्हें **अविकारी शब्द** कहते हैं इन्हें **अव्यय** भी कहा जाता है।

अव्यय शब्द भी चार प्रकार के होते हैं -

1.क्रिया विशेषण
2.समुच्चयबोधक
3.संबंधबोधक
4.विस्मयादिबोधक

क्रियाविशेषण : धीरे-धीरे, तेज, अधिक, थोड़ा, काल आदि।
संबंधबोधक : ऊपर ,नीचे, बीच में, सामने, साथ आदि।
समुच्चयबोधक : और, किंतु, या, अथवा, परंतु, लेकिन आदि।
विस्मयादिबोधक : अरे!, वाह!, शाबाश!, छिः!, हाय! आदि।

वाक्य

आप पढ़ चुके हैं कि वर्णों के मेल से शब्द बनते हैं। इसी तरह जब हम शब्दों को व्यवस्थित क्रम में रखते हैं तो वह वाक्य कहलाता है। जैसे -

*मोर वन में नाच रहा है।
*घोड़ा घास खा रहा है।

ऊपर के वाक्यों को हम किसी और तरह से लिखते हैं -

*नाच मोर रहा में है वन।
*खा है घोड़ा घास रहा।

क्या ये वाक्य हैं ? नहीं, ये वाक्य नहीं हैं क्योंकि इनमें शब्दों को सही क्रम में नहीं रखा गया है।

शब्दों का वह समूह जिसका पूरा-पूरा अर्थ हो, वाक्य कहलाता है।

वाक्य के दो अंग होते हैं -

1. उद्देश्य
2. विधेय

1.उद्देश्य

वाक्य में जिसके बारे में कोई बात कही जाए, उसे उद्देश्य कहते हैं। जैसे –

1. चिड़िया पेड़ पर बैठी है। यहाँ 'चिड़िया' उद्देश्य है।
2. अध्यापक पढ़ा रहे हैं। यहाँ 'अध्यापक' उद्देश्य है
3. शीला नाच रही है। यहाँ 'शीला' उद्देश्य है।
4. बच्चे खेल रहे हैं। यहाँ 'बच्चे' उद्देश्य है।

वाक्य में उद्देश्य कर्ता के रूप में आता है।

2.विधेय

वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कहा जाए,उसे विधेय कहते हैं।

जैसे - 1. कबूतर गुटर गूँ करता है।
यहाँ 'गुटर गूँ करता है' विधेय है।
2. अजय गाता है।
यहाँ 'गाता है' विधेय है।

वाक्य	**उद्देश्य**	**विधेय**
मीना खाना खा रही है।	मीना	खाना खा रही है।
बंदर कूद रहा है।	बंदर	कूद रहा है।
बच्चे चिड़ियाघर जा रहे हैं।	बच्चे	चिड़ियाघर जा रहे हैं।
मुझे कंप्यूटर खरीदना है।	मुझे	कंप्यूटर खरीदना है।
माली फूल तोड़ रहा है।	माली	फूल तोड़ रहा है।

वाक्य के भेद

वाक्य को दो आधारों पर विभाजित किया गया है -

1.रचना के आधार पर

2.अर्थ के आधार पर

रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते हैं -

1. सरल वाक्य
2. संयुक्त वाक्य
3. मिश्रित वाक्य

1.सरल वाक्य : जिन वाक्यों में केवल एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय होता है। उन्हें 'सरल वाक्य' कहते हैं।

इन वाक्यों में क्रिया भी केवल एक ही होती है; जैसे-

सुधा घर जा रही है।

(उद्देश्य) (विधेय)

2. **संयुक्त वाक्य** : ऐसा वाक्य जो दो या दो से अधिक सरल वाक्यों को योजकों की सहायता से जोड़कर बनाया जाता है, संयुक्त वाक्य कहलाता है। इसमें दोनों वाक्य स्वतंत्र होते हैं।

जैसे-

मैं कानपुर जाऊँगा पर मेरे भैया कानपुर से यहाँ आएँगे।

(पहला वाक्य) (योजक) (दूसरा वाक्य)

3.**मिश्रित वाक्य:** जिन वाक्यों में एक प्रधान तथा अन्य आश्रित उपवाक्य हों, और दोनों 'जितना-उतना', 'यदि-तो' , जैसा-वैसा, ज्यों-त्यों, जब-तब, जो-सो आदि योजको द्वारा जुड़े हों, तो उन्हें 'मिश्रित वाक्य' कहते हैं।

जैसे- यदि परिश्रम करोगे, तो सफलता प्राप्त करोगे।

(प्रधान उपवाक्य) (आश्रित उपवाक्य)

अर्थ के आधार पर वाक्य आठ प्रकार के होते हैं-

1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक
3. प्रश्नवाचक 4 .संकेतवाचक
5. संदेहवाचक 6. इच्छावाचक
7. आज्ञावाचक 8.विस्मयादिबोधक

1. **विधानवाचक** - विधानवाचक वाक्य में क्रिया के करने या होने की बात सामान्य रूप से कही जाती है।

जैसे - गाय एक उपयोगी पशु है।

धरती के चारों ओर वायु का घेरा है।

2. **निषेधवाचक** - इन वाक्यों में क्रिया के नहीं करने या नहीं होने का बोध होता है।

जैसे- मैं बाजार नहीं जाऊँगी।

उसे किताब नहीं चाहिए।

3. **प्रश्नवाचक** - प्रश्नवाचक वाक्य में कोई प्रश्न पूछा जाता है।

जैसे- तुम घर कब जाओगे ?

शहर यहाँ से कितनी दूर है ?

4. **संकेतवाचक** - ऐसे वाक्यों में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया पर निर्भर होता है।

जैसे - तूफ़ान शांत होगा तो मछुआरे समुद्र में जाएँगे।

अगर तुम न आते, तो मेरी मदद कौन करता।

5. **संदेहवाचक** - ऐसे वाक्यों में काम के होने के बारे में संदेह प्रकट किया जाता है।

जैसे- शायद आज शाम तक वर्षा हो।

अब तक मीरा घर पहुँच चुकी होगी।

6. इच्छावाचक - इन वाक्यों से वक्ता की इच्छा, आशा, शुभकामना, आशीर्वाद आदि का बोध होता है।

जैसे - ईश्वर तुम्हें स्वस्थ रखें।

तुम्हारा भविष्य उज्ज्वल हो।

7. आज्ञावाचक - इन वाक्यों से आज्ञा, आदेश या अनुरोध का बोध होता है

जैसे - एक कप चाय ले आओ।

अब आप जा सकते हैं।

8. विस्मयादिबोधक - इन वाक्यों से विस्मय, हर्ष, शोक, घृणा आदि के भाव प्रकट होते हैं।

जैसे - राम-राम! यहाँ रहना भी पाप है।

अरे! वे चले गए ?

अब तक हमने सीखा

* वर्णों के सार्थक समूह को शब्द कहते हैं।
* उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं-

1. तत्सम 2. तद्भव 3. देशज 4. विदेशी।

* प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं-

1. विकारी शब्द 2. अविकारी शब्द

* रचना के आधार पर शब्द तीन प्रकार के होते हैं -

1. रूढ़ 2. यौगिक 3. योगरूढ़

* शब्दों के सार्थक समूह को वाक्य कहते हैं।
* वाक्य के दो अंग होते हैं-

1. उद्देश्य 2. विधेय

* जिसके बारे में कुछ कहा जाए, वह उद्देश्य कहलाता है।
* उद्देश्य के बारे में वाक्य में जो कहा जाता है, उसे विधेय कहते हैं।

*वाक्य के भेद रचना के आधार पर - सरल, संयुक्त , मिश्रित।

*वाक्य के भेद अर्थ के आधार पर-

विधानवाचक , प्रश्नवाचक , संदेहवाचक , आज्ञावाचक ,
विस्मयादिबोधक , निषेधवाचक , संकेतवाचक , इच्छावाचक

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) वर्णों के सार्थक समूह को क्या कहते हैं ?

(ख)उत्पत्ति के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं ?

(ग)वाक्य किसे कहते हैं ?

(घ) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदो के नाम लिखिए ?

2.निम्नलिखित कथनों के सामने सही (✓) या गलत (X) का चिह्न लगाइए-

क. प्रत्येक शब्द का एक निश्चित अर्थ होता है। ( )
ख. उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं। ( )
ग. विकारी शब्द में किसी भी प्रकार का बदलाव नहीं आता है। ( )
घ. वाक्य में शब्दों को किसी भी क्रम से लिखा जा सकता है। ( )
ङ. वाक्य के दो अंग होते हैं। ( )
च. प्रश्नवाचक वाक्य में कोई प्रश्न पूछा जाता है। ( )

3.उचित मिलान कीजिए-

(क) योगरूढ़ शब्द	(i) पुस्तकालय
(ख) देशज शब्द	(ii) नीलकंठ
(ग) रूढ़ शब्द	(iii) कार्टून
(घ) विदेशी शब्द	(iv) पैसा
(ङ) यौगिक शब्द	(v) दीवार

4. सही शब्द पर सही का निशान (✓) लगाइए -

(क)	मिठाई	मीठाई	मिठाइ
(ख)	नाशपाती	नासपाती	नाशपती
(ग)	त्रिशुल	त्रिशूल	त्रिसूल
(घ)	किताब	कीताब	कितब
(ङ)	कलम	लकम	मकल

5.निम्नलिखित वाक्यों में से उद्देश्य और विधेय अलग-अलग कीजिए-

	उद्देश्य	विधेय
(क) मोहित बाजार जाता है।	-----------------------	-----------------------
(ख) जिया किताब पढ़ रही है।	-----------------------	-----------------------
(ग) मोर नाच रहा था।	-----------------------	-----------------------
(घ) मुझे एक नई पत्रिका चाहिए।	-----------------------	-----------------------
(ङ) मुकुल पतंग उड़ा रहा है।	-----------------------	-----------------------

6.शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य बनाइए-

क. गीत नीलू सुनाया ने।

ख. कहाँ रहे हैं जा आप?

ग. काले लंबे बाल हैं और के मधु।

घ. कार साहिल घूमने गया से।

ङ. पूरा था राखी बाजार सजा के दिन।

****

5. संज्ञा

संज्ञा का अर्थ है नाम। संसार में जितनी भी वस्तुएँ, प्राणी, स्थान या भाव होते हैं, उन सभी का एक नाम होता है।

इस चित्र में भी बादल, आसमान, पहाड़, पेड़, नदी तथा नाव किसी वस्तु के नाम हैं। ये सभी संज्ञा शब्द हैं।

किसी भी वस्तु, व्यक्ति, प्राणी, स्थान या भाव आदि का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

संज्ञा के भेद

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा

व्यक्तिवाचक संज्ञा

किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध कराने वाले शब्द **व्यक्तिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

जैसे- ◦ प्रेमचंद एक महान उपन्यासकार थे।
◦ हिमालय सबसे ऊँचा पर्वत है।
◦ सचिन तेंदुलकर को मास्टर ब्लास्टर के नाम से भी जाना जाता है।

उपर्युक्त वाक्यों में **प्रेमचंद, हिमालय** एवं **सचिन तेंदुलकर** के नाम व्यक्तिवाचक संज्ञा के अंतर्गत आते हैं।

जातिवाचक संज्ञा

जो शब्द एक ही प्रकार के सभी प्राणियों व वस्तुओं के समूह की जानकारी देते हैं, वे **जातिवाचक संज्ञा** कहलाते हैं।

जैसे-

फल

देखो, टोकरी में फल रखे हैं। यहाँ आम, सेब, केला, संतरा, पपीता सबके नाम अलग है परंतु सभी फल हैं।

फूल

बगीचे में रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। बाग में गेंदे, गुलाब, चमेली ,कमल, सूरजमुखी के फूल सबके नाम अलग हैं परंतु सभी फूल हैं।

भाववाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से गुण, दोष, दशा, अवस्था ,भाव आदि की जानकारी मिले उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे -

मोटापा आलस्य की जड़ है

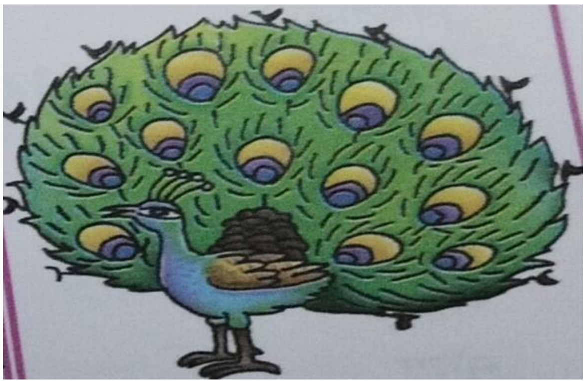

मोर की सुंदरता मनमोहक होती है

'आलस्य' और ' सुंदरता' दशाओ के नाम हैं, अतः ये भाववाचक संज्ञा शब्द हैं। कुछ शब्द मूल रूप से भाववाचक संज्ञा होते हैं, कुछ का निर्माण संज्ञा ,सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया शब्दों से किया जाता है।

भाववाचक संज्ञा की रचना

1. जातिवाचक संज्ञा द्वारा

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
पुरुष	पुरुषत्व
नारी	नारीत्व
देव	देवत्व
माता	मातृत्व
अभिनेता	अभिनय
स्त्री	स्त्रीत्व
बच्चा	बचपन
लड़का	लड़कपन
शत्रु	शत्रुता
मनुष्य	मनुष्यता
मानव	मानवता

2.सर्वनाम द्वारा

सर्वनाम	भाववाचक संज्ञा
अपना	अपनत्व/अपनापन
सम	समता
पराया	परायापन
मम	ममता

3. विशेषण द्वारा

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
चौड़ा	चौड़ाई
लंबा	लंबाई
गोल	गोलाई
गहरा	गहराई
मीठा	मिठास
प्यासा	प्यास
ठंडा	ठंडक
भूखा	भूख
महान	महानता

4. क्रिया द्वारा

क्रिया	भाववाचक संज्ञा
हँसना	हँसी
लिखना	लिखावट
रोना	रुलाई
बनाना	बनावट
पढ़ना	पढ़ाई
गिरना	गिरावट
चढ़ना	चढ़ाई

भाववाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण-
उदासी, ठंडक, बुढ़ापा, खुशी, दुख, जीत, हार, आनंद, प्रेम, शांति, दया, क्रोध, वीरता व अहिंसा आदि।
कुछ विद्वानों के अनुसार संज्ञा के दो भेद और हैं -

1. समूहवाचक संज्ञा –

भीड़

जो शब्द संज्ञा शब्दों के समूह या समुदाय का बोध कराते हैं, उन्हें **समूहवाचक संज्ञा** कहते हैं। जैसे भीड़, दल, झुंड आदि।

4. द्रव्यवाचक संज्ञा –

जिन संज्ञा शब्दों से किसी द्रव्य, धातु या पदार्थ का बोध हो, उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे घी, तेल, सोना, चाँदी आदि।

तेल

सोना

अब तक हमने सीखा

*नाम को संज्ञा कहते हैं।

*संज्ञा के मुख्य तीन भेद होते हैं-

व्यक्तिवाचक संज्ञा जातिवाचक संज्ञा भाववाचक संज्ञा

*संज्ञा के दो अन्य भेद भी होते हैं-

समूहवाचक संज्ञा , द्रव्यवाचक संज्ञा।

*भाववाचक संज्ञा शब्द जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण व क्रिया शब्दों से बनाए जाते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1.निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) संज्ञा किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ख) संज्ञा के भेद स्पष्ट करते हुए प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

2. सही कथन के आगे (√) का और गलत कथन के आगे (X) का चिह्न लगाओ –

क. सभी नाम संज्ञा कहलाते हैं। ( )

ख. संज्ञा के चार भेद होते हैं। ( )

ग. 'हाथी' व्यक्तिवाचक संज्ञा है। ( )

घ. 'पर्वत' जातिवाचक संज्ञा है। ( )

ङ. भाववाचक शब्दों से गुण ,दोष ,दशा ,अवस्था ,भाव आदि की जानकारी मिलती है। ( )

च. 'दोस्ती' भाववाचक संज्ञा शब्द है। ( )

3.सही विकल्प पर सही का निशान (√) लगाइए-

(क) जातिवाचक संज्ञा बोध करवाती है-

(अ) किसी विशेष व्यक्ति का (ब) संपूर्ण जाति या समूह का

(ख) भाववाचक संज्ञा शब्द बनाए जाते हैं-

(अ) लिपि से (ब) क्रिया शब्दों से

(ग) संज्ञा के मुख्य भेद हैं -

(अ) तीन (ब) चार

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों को भाववाचक संज्ञा शब्दों में बदलकर रिक्त स्थान भरिए-

(क) गन्ने में बहुत-------------------- है। (मीठा)

(ख) सदैव -------------------की जीत होती है। (सच)

(ग) --------------------में बल है। (एक)

(घ) कुतुबमीनार की------------------देखो। (ऊंचा)

(ङ) राकेश ----------------में बहुत शरारती था। (बच्चा)

5. नीचे दिए गए चित्रों को पहचान कर संज्ञा के भेद लिखिए -

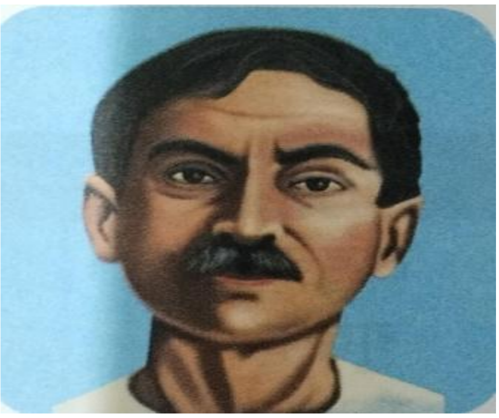

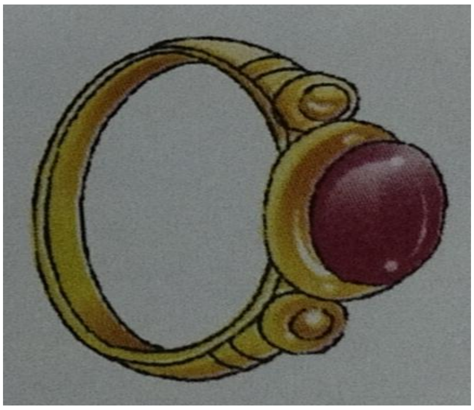

------------------------------ ----------------------------

****

6. लिंग

देखकर नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए-

महिला खाना बना रही है।

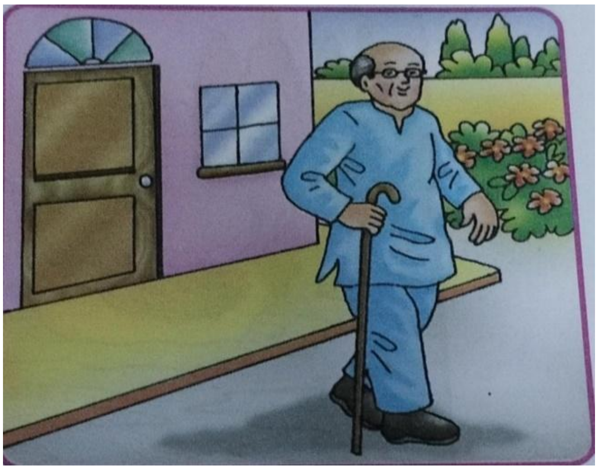

दादाजी टहल रहे हैं।

लड़का लिख रहा है।

लड़की पानी पी रही है।

ऊपर वाक्यों में दादाजी, लड़का शब्दों से पुरुष जाति का और महिला , लड़की शब्दों से स्त्री जाति का बोध हो रहा है।

संज्ञा शब्दों के जिस रूप से पुरुष अथवा स्त्री जाति होने का बोध हो, उसे 'लिंग' कहते हैं।

लिंग के भेद

लिंग के दो भेद हैं-
पुल्लिंग
स्त्रीलिंग

पुल्लिंग - जिन संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं।

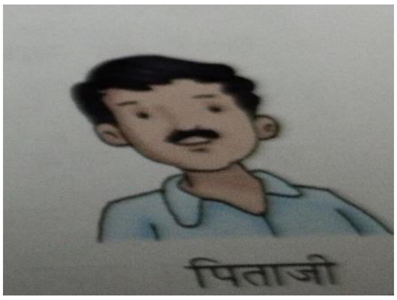

स्त्रीलिंग - जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का बोध होता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

कुछ शब्द सदा पुल्लिंग होते हैं-

*महीनों के नाम - जनवरी, सावन, मार्च, कार्तिक आदि।
*दिनों के नाम - सोमवार, रविवार, शुक्रवार आदि।
*पहाड़ों के नाम - हिमालय, अरावली आदि।
*ग्रहों के नाम - सूर्य, बुध, शुक्र आदि। (पृथ्वी को छोड़कर)
*धातुओं के नाम - सोना, ताँबा आदि। (चाँदी को छोड़कर)
*देश तथा राज्यों के नाम - भारत, जापान, इंडोनेशिया, मध्य प्रदेश, मेघालय आदि।

कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग होते हैं -

*भाषाओं के नाम - हिंदी, गुजराती, अंग्रेजी आदि।
*लिपियों के नाम - देवनागरी, रोमन, ब्रेल आदि।
*तिथियों के नाम - पूर्णिमा, अमावस्या, एकादशी, पंचमी आदि।
*नदियों के नाम - गंगा, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी आदि।

कुछ शब्दों का पुल्लिंग रूप नहीं होता -

मेज, कुरसी, अलमारी, बाल्टी, मूँछ आदि।

कुछ शब्दों का स्त्रीलिंग रूप नहीं होता -

पलंग, खिलौना, फूलदान, मंदिर आदि।

कुछ शब्दों के प्रयोग से उनके लिंग का पता चलता है -

गैस, कंप्यूटर, दाल, रेडियो, चीनी आदि।

कुछ शब्दों से पूर्व 'नर' तथा 'मादा' लगाकर उनका रूप जाना जाता है -

नर मगरमच्छ, मादा मगरमच्छ, नर कछुआ, मादा कछुआ आदि।

लिंग बदलने के नियम :

लिंग बदलने के कुछ प्रमुख नियम नीचे दिए जा रहे हैं-

1. 'आ' लगाकर

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
छात्र	छात्रा	प्रिय	प्रिया
सुत	सुता	आचार्य	आचार्या
अनुज	अनुजा	अध्यक्ष	अध्यक्षा

2.**' ई ' लगाकर** –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
लड़का	लड़की	दादा	दादी
चाचा	चाची	घोड़ा	घोड़ी
पुत्र	पुत्री	बकरा	बकरी

3.'इन' लगाकर –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नाग	नागिन	बाघ	बाघिन
धोबी	धोबिन	माली	मालिन
पुजारी	पुजारिन	भिखारी	भिखारिन

4. **'नी' लगाकर -**

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
मोर	मोरनी	सिंह	सिंहनी
ऊँट	ऊँटनी	शेर	शेरनी
भील	भीलनी	चोर	चोरनी

5. **'इया' लगाकर** –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
चूहा	चुहिया	बंदर	बंदरिया
गुड्डा	गुड़िया	डिब्बा	डिबिया
बूढ़ा	बुढ़िया	कुत्ता	कुतिया

6. **'आनी' लगाकर** –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नौकर	नौकरानी	सेठ	सेठानी
देवर	देवरानी	जेठ	जेठानी

7. **'इका' लगाकर** –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
गायक	गायिका	लेखक	लेखिका
सेवक	सेविका	अध्यापक	अध्यापिका

8.**'आइन' लगाकर** –

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
पंडित	पंडिताइन	हलवाई	हलवाइन
ठाकुर	ठकुराइन	लाला	ललाइन

9. **'वती' लगाकर-**

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
गुणवान	गुणवती	बलवान	बलवती
रूपवान	रूपवती	भगवान	भगवती

10. **'मती' लगाकर-**

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
श्रीमान्	श्रीमती	बुद्धिमान	बुद्धिमती
आयुष्मान्	आयुष्मती	शक्तिमान्	शक्तिमती

11. **'ता' को 'त्री' में बदलकर** –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग	पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
नेता	नेत्री	अभिनेता	अभिनेत्री

12. **भिन्न रूप वाले पुल्लिंग और स्त्रीलिंग शब्द** –

पुल्लिंग	**स्त्रीलिंग**	**पुल्लिंग**	**स्त्रीलिंग**
बैल	गाय	पिता	माता

भाई	बहन	वर	वधु
राजा	रानी	कवि	कवयित्री
सम्राट	सम्राज्ञी	पुरुष	स्त्री
ससुर	सास	फूफा	बुआ
वीर	वीरांगना	आदमी	औरत

अब तक हमने सीखा

*शब्द के जिस रूप से उसके स्त्री जाति या पुरुष जाति के होने की जानकारी मिले उसे लिंग कहते हैं।

* लिंग दो प्रकार के होते हैं –

पुल्लिंग

स्त्रीलिंग

* जो शब्द पुरुष जाति का बोध कराएँ, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं।

* जो शब्द स्त्री जाति का बोध कराएँ, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

* कुछ शब्दों के पुल्लिंग और स्त्रीलिंग रूप बिलकुल भिन्न होते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) लिंग किसे कहते हैं ?

(ख) लिंग के कितने भेद होते हैं?

(ग) पुल्लिंग किसे कहते हैं?

(घ) स्त्रीलिंग किसे कहते हैं?

2. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलो -

लड़की	------------------	सेवक	------------------
धोबी	------------------	पंडित	------------------
शेरनी	------------------	रूपवती	------------------
चूहा	------------------	श्रीमान	------------------

बेटा	----------------	अभिनेता	------------------
नौकरानी	----------------	सम्राट	------------------
अध्यापक	-----------------	कवि	-----------------

3. सही कथनों के सामने (✓) चिह्न तथा गलत कथनों के सामने (X) चिह्न लगाओ -

क. 'सम्राज्ञी' एक स्त्रीलिंग शब्द है। ( )

ख. तिथियों के नाम पुल्लिंग होते हैं। ( )

ग. लिंग दो प्रकार के होते हैं। ( )

घ. 'पृथ्वी' पुल्लिंग शब्द है। ( )

ङ. भाषाओ के नाम स्त्रीलिंग होते हैं। ( )

च. देशों के नाम पुल्लिंग होते हैं। ( )

4.नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से चुनकर लिखिए -

(क) लिंग के भेद होते हैं-

(1) एक (2) दो (3) तीन

(ख) 'माली' शब्द का स्त्रीलिंग होगा-

(1) काली (2) मालिन (3) ललाइन

(ग) रूपवान' शब्द का स्त्रीलिंग है -

(1) रूपमती (2) रूपवती (3) रुपमान

5.कोष्ठक में दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

क. ------------------ बारिश में नाचता है। (मोर / मोरनी)

ख. ---------------- मिठाइयाँ बना रहा है। (हलवाई / हलवाइन)

ग. ---------------- जी बाहर घूमने जा रही हैं। (नाना / नानी)

घ.---------------- सेवा कर रहा है। (सेवक/सेविका)

ङ. ------------------ गाना गा रही है। (गायक / गायिका)

****

7. वचन

देखो,पढ़ो और समझो-

राधा ने खिलौना खरीदा।

दुकानदार खिलौने बेच रहा था।

रमेश ने एक केला खाया।

पिता जी ने आधा दर्जन केले खरीदे।

ऊपर के वाक्यों में आए शब्दों 'खिलौना' और 'केला' से एक वस्तु का तथा 'खिलौने' और 'केले' से एक से अधिक वस्तु का बोध होता है।

संज्ञा शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने की जानकारी मिलती है, उसे वचन कहते हैं।

वचन के दो प्रकार होते हैं-

एकवचन

बहुवचन

1. **एकवचन** - शब्दों के जिस रूप से किसी भी व्यक्ति या वस्तु के एक होने का बोध होता हो, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे- लड़का, खिलौना, पुस्तक आदि।

2. **बहुवचन** - शब्दों के जिस रूप से किसी भी व्यक्ति या वस्तु के एक से अधिक होने का बोध होता हो, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे लड़के, खिलौने, पुस्तकें आदि।

यह भी जानिए-

*आदर देने के लिए बहुवचन का प्रयोग होता है।
जैसे- आप खाना खाइए। चाचा जी कल आएँगे।

*कुछ शब्दों का प्रयोग सदैव एकवचन में होता है।
जैसे- पानी, दूध आदि।

*कुछ शब्दों का प्रयोग सदैव बहुवचन में होता है।
जैसे-हस्ताक्षर, प्राण आदि।

*संज्ञा या सर्वनाम का रूप बदलने से उनकी क्रियाओं का रूप भी बदल जाता है ।
जैसे- मेज पर पुस्तक रखी है।

एकवचन से बहुवचन बनाना –

1. 'आ' को 'ए' बनाकर –

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
पंखा	पंखे	लड़का	लड़के
बच्चा	बच्चे	कपड़ा	कपड़े
कमरा	कमरे	घोड़ा	घोड़े

2. 'अ' को 'ए' बनाकर –

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
रात	रातें	बहन	बहनें
सड़क	सड़कें	पुस्तक	पुस्तकें
किताब	किताबें	याद	यादें

3. 'उ' या 'ऊ' का 'एँ' करके -

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
वस्तु	वस्तुएँ	बहू	बहुएँ
ऋतु	ऋतुएँ	वधू	वधुएँ

4.'आ' का 'एँ' बनाकर –

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
माला	मालाएँ	कविता	कविताएँ
कन्या	कन्याएँ	महिला	महिलाएँ
शाखा	शाखाएँ	कथा	कथाएँ
लेखिका	लेखिकाएँ	लता	लताएँ

कन्या

कन्याएँ

5. 'इ' या 'ई' का 'इयाँ' करके –

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
तिथि	तिथियाँ	निधि	निधियाँ
साड़ी	साड़ियाँ	नदी	नदियाँ
झाड़ी	झाड़ियाँ	गाड़ी	गाड़ियाँ
स्त्री	स्त्रियाँ	मक्खी	मक्खियाँ

6. 'या' का 'याँ' करके -

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
चिड़िया	चिड़ियाँ	गुड़िया	गुड़ियाँ
चुहिया	चुहियाँ	गुझिया	गुझियाँ
नदी	नदियाँ	अमिया	अमियाँ

***नीचे कुछ एकवचन तथा बहुवचन शब्द दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए तथा समझिए-**

एकवचन	**बहुवचन**	**एकवचन**	**बहुवचन**
मक्खी	मक्खियाँ	दर्शक	दर्शकगण
युवा	युवावर्ग	छात्र	छात्रगण
श्रोता	श्रोतागण	बुढ़िया	बुढ़ियाँ
तू	तुम लोग	गुड़िया	गुड़ियाँ
मैं	हम	जाति	जातियाँ
कविता	कविताएँ	माता	माताएँ
नारी	नारियाँ	लेखिका	लेखिकाएँ

अब तक हमने सीखा

* वचन से वस्तुओं की संख्या का पता चलता है।

* वचन दो प्रकार के होते हैं-

1. एकवचन 2. बहुवचन

*कुछ शब्द सदैव एकवचन में तो कुछ सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं।

* आदर देने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग होता है।

प्रश्न अभ्यास

1.दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) वचन किसे कहते हैं?

(ख) वचन कितने होते हैं?

(ग) आदर देने के लिए कौन से वचन का प्रयोग होता है?

2.दिए गए शब्दों के वचन बदलकर लिखिए –

लड़का --------------- छाते -------------------

सड़क --------------- शाखाएँ -------------------

चुहिया --------------- लता -------------------

कमरा --------------- वस्तु -------------------

शिक्षक --------------- छात्र -------------------

3. दिए गए शब्दों के सही बहुवचन पर गोला लगाओ -

क.	रीति	-	रीतियों	रीतियाँ	रीतिएँ
ख.	दवाई	-	दवाईयाँ	दवाईयों	दवाइयाँ
ग.	धातु	-	धातुएँ	धातुयाँ	धातुओं
घ.	वस्तु	-	वस्तुएँ	वस्तूएँ	वस्तुओं
ङ.	कन्या	-	कन्याँ	कन्याओं	कन्याएँ
च.	तिथि	-	तिथीयाँ	तिथियाँ	तिथिएँ

4.शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए -

(बिल्ली ,खिड़कियाँ ,कवियों ,डालियाँ कठिनाई)

(क) सारी ----------------- बंद कर दो ।

(ख) ----------------- आकर सारा दूध पी गई ।

(ग) तेज़ आँधी में पेड़ की -------------- टूट गई।

(घ) सभा में सभी ----------------- ने कविता पाठ किया।

(ङ) ------------------- के समय सच्चे मित्र सहायता करते हैं।

5.नीचे दिए गए शब्दों में एकवचन या बहुवचन छाँटकर अलग-अलग लिखिए-

(गुरुजन , बूढ़ा , अध्यापिका , पाठशाला , मजदूर वर्ग , सेनादल , छात्रगण , युवावर्ग , कहानी , गाय)

एकवचन	**बहुवचन**
------------------------	-------------------------
------------------------	-------------------------
------------------------	-------------------------
------------------------	-------------------------
------------------------	-------------------------

****

8. कारक

नीचे दिए दोनों वाक्यों को ध्यान से पढ़िए-

छत बंदर है।   संजना फूलों घर सजाया।

आपने देखा कि ये वाक्य होते हुए भी स्पष्ट नहीं हैं। क्योंकि वाक्य में प्रयुक्त इन शब्दों का आपस में कोई संबंध नहीं है।

यदि इन्हीं वाक्यों को हम इस प्रकार लिखे -

छत पर बंदर है।   चित्रा ने फूलों से घर सजाया।

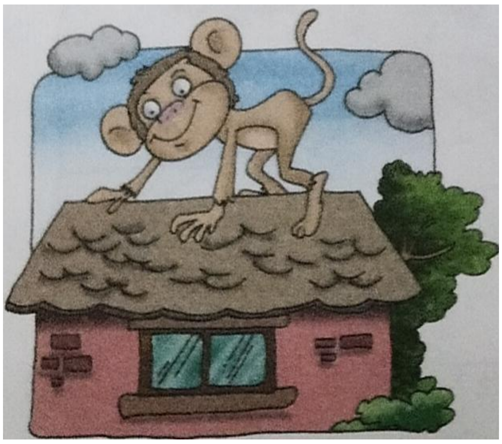

इन वाक्यों में छत और बंदर का संबंध **पर** द्वारा स्पष्ट हो रहा है। इसी प्रकार चित्रा और फूलों का संबंध **ने** और **से** द्वारा स्पष्ट हो रहा है।

जो शब्द वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों का संबंध आपस में जोड़ते हैं, उन्हें कारक कहते हैं। ये कारक चिह्न परसर्ग या विभक्ति कहलाते हैं।

कारक के भेद-

कारक के आठ भेद होते हैं –

1. कर्ता
2. कर्म
3. करण
4. संप्रदान
5. अपादान
6. संबंध
7. अधिकरण
8. संबोधन

नीचे तालिका में कारक एवं उनके चिह्नों को ध्यान से देखिए-

क्रम	**कारक का नाम**	**अर्थ**	**कारक चिन्ह**
1	कर्ता कारक	कार्य करने वाला	ने
2	कर्म कारक	जिस पर क्रिया का फल पड़े	को
3	करण कारक	जिस साधन से कार्य किया जाये	से , के द्वारा
4	संप्रदान कारक	जिसके लिए कुछ किया जाये	को , के लिए
5	अपादान कारक	जिससे कुछ अलग हो रहा हो	से (अलग होना)
6	संबंध कारक	जो संबंध प्रकट करें	का, की,के, रा ,री, रे, ना, नी, ने,
7	अधिकरण कारक	जो क्रिया का आधार हो	में, पर
8	संबोधन कारक	जिन शब्दों से संबोधित किया जाये	हे!, अरे!

कारक के भेद

कारक के आठ भेद होते हैं -

1. **कर्ता कारक (विभक्ति – ने)**

तुलसीदास जी ने रामचरित मानस लिखी।

शिकारी ने शिकार किया।

रामचरित मानस किसने लिखी? (तुलसीदास ने)

शिकार किसने किया? (शिकारी ने)

यहाँ तुलसीदास जी और शिकारी कर्ता हैं।

जिन शब्दों से कार्य करने वाले का पता चलता है, उसे कर्ता कारक कहते हैं।

2. कर्म कारक (विभक्ति – को)

शिकारी ने हिरण को मारा।

राम ने मोहन को पाठ पढ़ाया।

शिकारी ने किसको मारा? (हिरण को)

राम ने किसको पढ़ाया? (मोहन को)

कर्ता के काम का फल जिस पर पड़ता है, उसे कर्म कारक कहते हैं।

3. करण कारक (विभक्ति - से, के द्वारा)

कुम्हार मिट्टी से घड़े बनाता है।

कुम्हार किससे घड़े बनाता है। (मिट्टी से)

कर्ता जिस साधन के द्वारा काम करता है, वह करण कारक कहलाता है।

4. संप्रदान कारक (के लिए)

माँ बच्चों के लिए खिलौने लाई।

माँ किसके लिए खिलौने लाई? (बच्चों के लिए)

यहाँ बच्चों के लिए काम किया गया।

जिसके लिए कार्य किया जाए, वह संप्रदान कारक कहलाता है।

5.अपादान कारक (से, अलग होना)

पेड़ से पत्ते गिरते हैं। (पेड़ से)

यहाँ पत्ते गिरकर अलग हो रहे हैं।

शब्द के जिस रूप से कर्ता के अलग होने का भाव प्रकट होता है, उसे अपादान कारक कहते हैं।

6. संबंध कारक (का, के, की)

राम दशरथ के पुत्र थे।

राम किसके पुत्र थे? (दशरथ के)

इस वाक्य में कर्ता का संबंध अन्य शब्दों से बताया जा रहा है, अतः यह संबंध कारक है ।

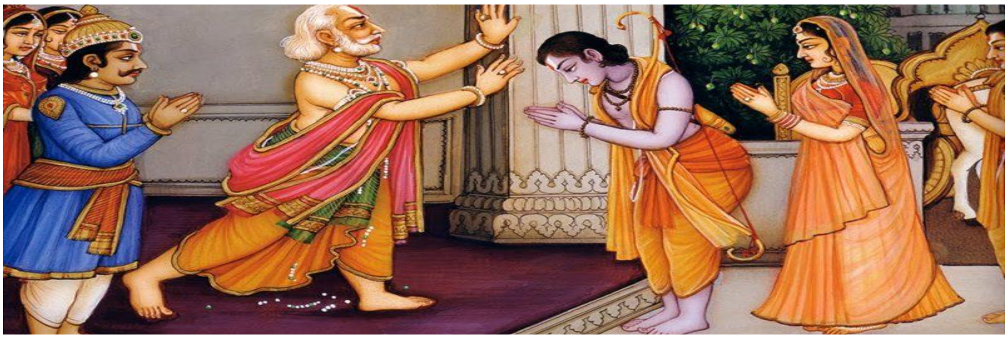

7. अधिकरण कारक (में, पर)

बंदर पेड़ पर बैठा है।

बंदर किस पर बैठा है? (पेड़ पर)

कर्ता के कार्य का प्रभाव जिस पर पड़ता है, उसे अधिकरण कारक कहते हैं।

8. संबोधन कारक (हे ! , अरे !)

हे राम ! रक्षा करो।   (हे राम !)

यहाँ हे राम ! का प्रयोग संबोधन के रूप में किया जा रहा है।

किसी को पुकारने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग किया जाता है, वे संबोधन कारक कहलाते हैं।

<u>अब तक हमने सीखा</u>

*कारक संज्ञा और सर्वनाम को वाक्य की क्रिया तथा अन्य शब्दों से जोड़ने का कार्य करते हैं।

*कारक-चिह्न को 'विभक्ति चिह्न' या 'परसर्ग' भी कहते हैं।

* कारक के आठ भेद होते हैं-

1. कर्ता (ने)	2. कर्म (को)
3. करण (से, के द्वारा)	4. संप्रदान (के लिए)
5. अपादान (से , अलग होना)	6. संबंध (का, के, की, रा, रे, री)
7. अधिकरण (में, पर)	8. संबोधन (हे!, अरे!)

प्रश्न अभ्यास

1.नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए-

(क) कारक किसे कहते हैं?

(ख) कारक के भेद की संख्या एवं नाम बताइए?

2.रिक्त स्थानों में सही कारक-चिह्न भरो -

(को , ने , में , से ,की , पर)

क. राम ----------- रावण को मारा।

ख. दादा जी चारपाई ------------- बैठे हैं।

ग. राजू ------------- दुकान उस तरफ़ है।

घ. राधेश्याम ने अमित -------------- पत्थर से मारा।

ङ. मजदूर जहाज -------------- सामान उतार रहे हैं।

च. कमरे ----------- फ्रिज रखा है।

3.सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए-

(क) चित्रकार चित्रों में रंग भर रहा है -

अ) अपादान   ब) संबोधन   स) अधिकरण

(ख) मोहन ने पत्र लिखा -
अ) करण ब) कर्म स) कर्ता

(ग) बच्चा पलंग से गिर पड़ा -
अ) अपादान ब) संबंध स) कर्म

4.रंगीन शब्दों के कारक बताइए -

(क) छुट्टियों में हम शिमला जाएँगे। ------------------------

(ख) ऋचा ने नाटक में भाग लिया। -----------------------

(ग) बगीचे की दीवार बहुत ऊँची है। -----------------------

(घ) पेड़ पर आम लगे हैं। -----------------------

(ङ) नवीन को पुरस्कार मिला। -----------------------

(च) मैं रोज बस से स्कूल जाती हूँ। -----------------------

(छ) मैंने अध्यापिका के लिए कार्ड बनाया। ----------------------

5.नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखो व उचित कारक चिह्न लगाकर अनुच्छेद को पूरा कीजिए -

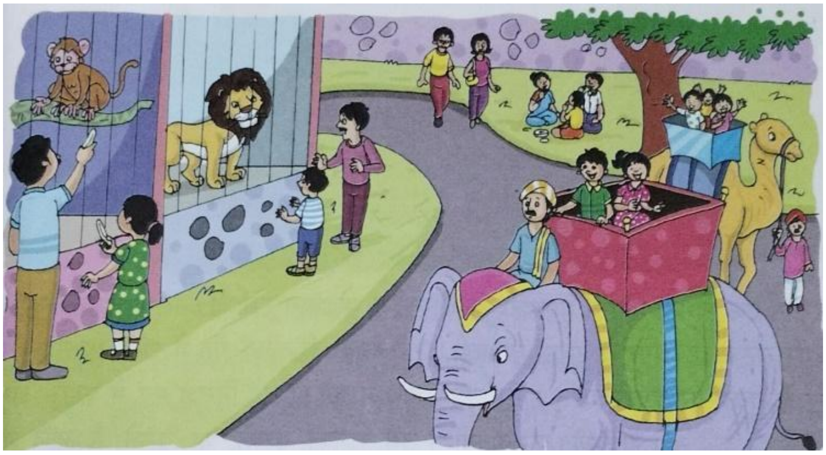

चिड़ियाघर बहुत सुंदर है। बंदर पेड़____ऊपर बैठा है। बच्चे हाथी ____पीठ पर बैठकर सैर कर रहे हैं। लड़की बंदर_______केले लाई है। शेर पिंजरे ____बंद है। बच्चे चिड़ियाघर ___देखकर बहुत खुश हो रहे हैं। कुछ लोग आराम_____बैठकर भोजन कर रहे हैं।

****

9. सर्वनाम

देखो,पढ़ो और समझो-

एक आदमी था। **वह** एक जंगल से गुजर कर एक शहर से दूसरे शहर जा रहा था। तभी **उसके** कानो में हाथियों की हुंकार की आवाज पड़ी। **वह** डर कर तेजी से भागा और पेड़ के पीछे गया। **उसने** पीछे मुड़ कर देखा।

उपर्युक्त वाक्यों में '**आदमी**' शब्द के स्थान पर **'वह', 'उसके', 'उसने'** का भी प्रयोग किया गया है। ऐसे शब्द सर्वनाम होते हैं। इनके प्रयोग से भाषा सुंदर एवं प्रभावशाली हो जाती है।

जो शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं, सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के भेद

सर्वनाम के छः भेद हैं-

(क) पुरुषवाचक सर्वनाम

(ख) निश्चयवाचक सर्वनाम

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(घ) संबंधवाचक सर्वनाम

(ङ) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(च) निजवाचक सर्वनाम

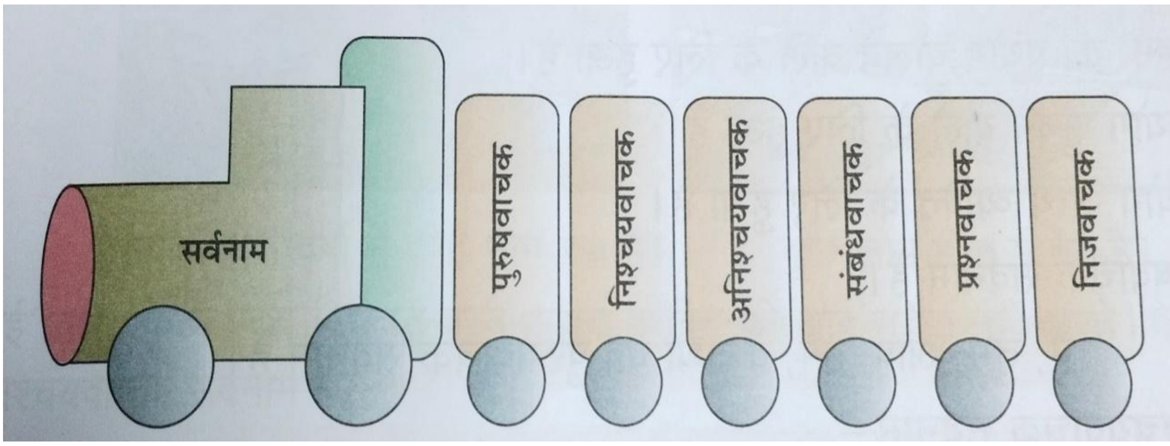

1.पुरुषवाचक सर्वनाम - बोलने वाले, सुनने वाले तथा किसी अन्य व्यक्ति के लिए प्रयोग किए जाने वाले शब्द **'पुरुषवाचक सर्वनाम'** कहलाते हैं। जैसे- मैं, तुम, वह आदि।

तुम क्या कर रहे हो?

मैं मैच देख रहा हूँ।

पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन उपभेद होते हैं-

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम
(ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम
(ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग वक्ता (बोलने वाला) स्वयं के लिए प्रयोग करता है, उन्हें **'उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम'** कहते हैं। जैसे- मैं, हम, मेरा, मुझे, मैंने आदि।

हमने मैच जीत लिया।

मैं एक निबंध लिखती हूँ।

(ख) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम - जो सर्वनाम शब्द सामने वाले (सुनने वाले) के लिए प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें **'मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम** कहते हैं। जैसे- आप, आपका, तुम, तेरा, आपने आदि।

आप अंदर आइए।

तुम क्या लिख रहे हो?

(ग) **अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम** - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग अन्य व्यक्तियों के लिए किया जाता है, उन्हें **'अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम'** कहते हैं। जैसे- वे, उन्हें, उन्होंने, उसे, वह, यह आदि।

उसने मुझे उपहार दिए।

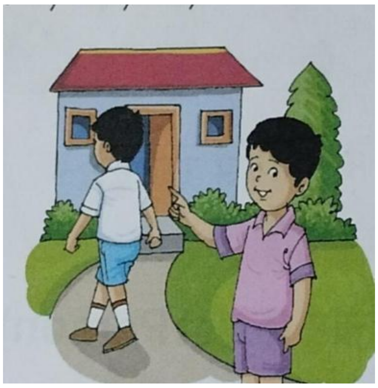

वह घर जा रहा है।

वे खेल रहे हैं।

2.निश्चयवाचक सर्वनाम (यह, ये, वह, वे)

जिस सर्वनाम का प्रयोग किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत करने के लिए किया जाता है, उसे **निश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं। उदाहरण-

यह मेरा बस्ता है।

उसे बुलाओ।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम (कोई, कुछ)

जिस सर्वनाम से किसी निश्चित वस्तु या व्यक्ति का बोध नहीं होता, उसे **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** कहते हैं। उदाहरण-

बाहर **कोई** खड़ा है।

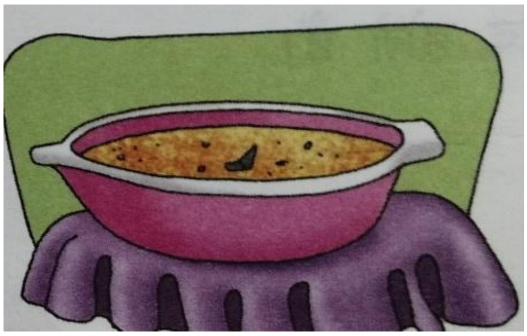

दाल में **कुछ** पड़ गया है।

4. प्रश्नवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है. वे **प्रश्नवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं। जैसे क्या, कौन, किसे, किसने आदि।

उधर **कौन** खड़ा है ?

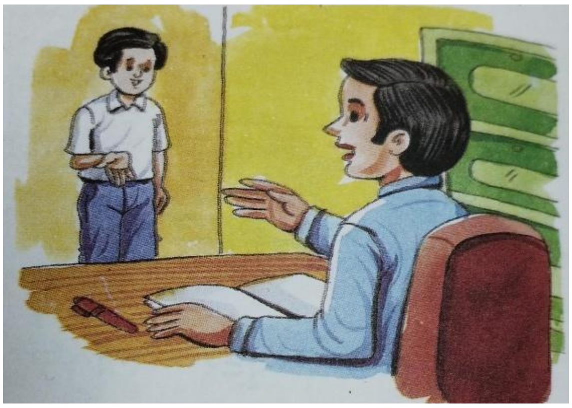

आपको **क्या** चाहिए ?

5. संबंधवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम वाक्य में संबंध बताने का कार्य करते हैं, वे **संबंधवाचक सर्वनाम** कहलाते हैं। जैसे- जो-वह, जितना-उतना, जैसा-वैसा आदि।

जो कर्म करता है **वह** सफल होता है।

जहाँ फूल है वहाँ काँटा भी है ।

6. निजवाचक सर्वनाम

जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग कर्ता (काम करने वाला) अपने लिए करता है, उसे **निजवाचक सर्वनाम** कहते हैं। जैसे स्वयं, अपने-आप, स्वतः, खुद आदि।

मैं अपना काम **स्वयं** करूँगी।

गाय **अपने आप** आ जाएगी ।

अब तक हमने सीखा

*संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्दों को 'सर्वनाम' कहते हैं।

*सर्वनाम पुल्लिंग तथा स्त्रीलिंग में समान रहते हैं।

*सर्वनाम एकवचन और बहुवचन दोनों रूपों में होते हैं।

*पुरुषवाचक सर्वनाम 3 प्रकार के होते हैं उत्तम पुरुष, मध्यम पुरुष, अन्य पुरुष।

*मैं, तुम, वे, हम आदि 'पुरुषवाचक सर्वनाम' हैं। यह, वे, ये, वह आदि 'निश्चयवाचक सर्वनाम' हैं।

प्रश्न अभ्यास

1.नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) सर्वनाम की परिभाषा लिखिए ?

(ख) सर्वनाम के कितने भेद होते हैं ? नाम लिखिए ?

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम के कितने भेद हैं ?

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं ?

(ङ) निश्चयवाचक सर्वनाम किसे कहते हैं ?

2. निम्नलिखित वाक्यों में सर्वनाम शब्द पर गोला लगाओ -

क. वहाँ कोई नहीं है।

ख. गीता अपनी माँ के साथ मंदिर गई है।

ग. उन्होंने सुनील से कुछ नहीं कहा।

घ. रमेश को कहना पड़ता है, वह अपने-आप काम नहीं करता।

ङ. किसको पता था कि अमित आएगा।

च. उन्हें आज मुंबई जाना है।

छ. वह पार्क में क्रिकेट खेल रहा है।

3. उपयुक्त सर्वनाम शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

क.----------------बहुत थक गया हूँ।	(मुझे / मैं / हम)
ख.--------------- तो भाग गए।	(वह/ हम/वे)
ग.--------------- कुछ समझ नहीं आ रहा था।	(मैं / हम / मुझे)
घ.------------- बाहर खड़ा है।	(कौन / कोई / किसे)
ङ.--------------- क्या कर रही हो?	(तुम / मैं / वे)
च. जादू का खेल ------------- देखेगा?	(किसे / कौन / किसे)
छ. ------------ रंगों का डिब्बा उठाकर चल पड़ा।	(वे / तुम / वह)
ज.-------------- करोगे, वैसा भरोगे।	(जैसे / जैसा / कैसा)
झ. मैं -------------- उत्तर लिखूँगा।	(तुम / स्वयं / मुझे)

4. रेखांकित सर्वनाम शब्दों के भेद सामने दिए गए स्थान पर लिखिए -

(क) बाहर कोई दौड़ रहा है।	---------------------------
(ख) तुमने उसकी पुस्तक क्यों ली?	-----------------------------
(ग) मैं अपना काम स्वयं कर लूँगा।	---------------------------
(घ) यह बगीचा सुंदर है।	---------------------------
(ङ) जो करेगा सो भरेगा।	---------------------------

5.सही विकल्प चुनिए-

(क)सर्वनाम के लिंग का पता चलता है-

(i)कर्ता से (ii) क्रिया से

(iii) कर्म से (iv) कारक से

(ख) पुरुषवाचक सर्वनाम के भेद हैं-

(i) तीन (ii) चार

(iii) पाँच (iv) छ:

(ग) मध्यम पुरुष कहलाता है-

(i) वक्ता (ii) अन्य व्यक्ति

(iii) श्रोता (iv) कोई नहीं

(घ) अन्य पुरुष कहलाता है-

(i) जो बात कहता है (ii) जिसकी बात होती है

(iii) जो बात सुनता है (iv) कोई नहीं

(ङ) प्रश्नवाचक सर्वनाम है-

(i) कोई (ii) कौन

(iii) कुछ (iv) आप

(च) अनिश्चयवाचक सर्वनाम है-

(i) यह (ii) वह

(iii) कोई (iv) ये

****

10. विशेषण

देखो,पढ़ो और समझो-

रचना जब शाम को पिकनिक से लौटी तो बहुत **खुश** थी, उसने अपनी माँ से कहा माँ! हमने आज एक **विशाल** बगीचा देखा। वहाँ रास्ते के दोनों ओर घनी झाड़ियाँ थी **ऊँचे-ऊँचे** वृक्षों पर **रंग-बिरंगे** पक्षी चहचहा रहे थे। **मखमली** घास के चारों ओर **लाल** तथा **पीले** गुलाब खिले थे। **बूढ़ा** माली **सूखी** पत्तियाँ चुनकर पौधों में **उपजाऊ** खाद डाल रहा था। **हरा-भरा** बगीचा अत्यंत **आकर्षक** लग रहा था।

उपर्युक्त वर्णन के वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन शब्द क्रमशः 'बगीचे', 'झाड़ियों', 'वृक्षों' 'पक्षियों', 'घास', 'खाद' आदि विशेषता बता रहे हैं। ये 'विशेषण' हैं।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता या गुण-अवगुण बताते हैं, वे ' विशेषण ' कहलाते हैं।

जैसे छोटा, बड़ा, ऊँचा, नीचा, नमकीन, मीठा, लाल, पीला, सुंदर, कोमल आदि। वाक्य में प्रयुक्त संज्ञा अथवा सर्वनाम से 'कैसा', 'कितना' या 'कौन-सा' के रूप में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर हमेशा कोई-न-कोई विशेषण ही होता है।

जैसे - बूढ़ा व्यक्ति, कुछ किताबें, स्वादिष्ट जलेबी, एक किलो आलू।

कैसा व्यक्ति	-	बूढ़ा
कितनी किताबें	-	कुछ
कैसी जलेबी	-	स्वादिष्ट
कितने आलू	-	एक किलो

विशेष्य-

जिन संज्ञा या सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें 'विशेष्य' कहते हैं| जैसे-

यह एक सुंदर लड़की है। ↓ ↓ विशेषण - विशेष्य।

अंगूर रसीले हैं। ↓ ↓ विशेष्य - विशेषण

विशेषण के चार भेद होते हैं-

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण -

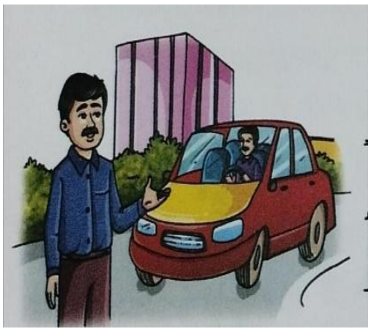

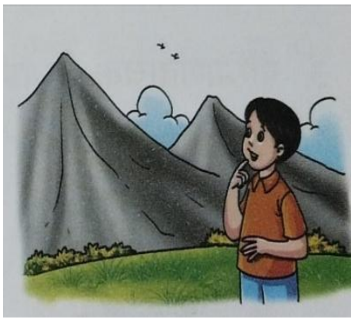

उसके पास लाल कार है। रिया सुंदर लड़की है। यह पहाड़ ऊँचा है।

बच्चो! ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द किसी व्यक्ति या वस्तु के गुण तथा आकार के बारे में बता रहे हैं। अतः

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के रंग, रूप, गुण, दोष, आकार, अवस्था आदि का बोध कराते हैं, उन्हें गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

कुछ अन्य गुणवाचक विशेषण-

रंग-रूप - लाल, गोरा, साँवला, हरा, नीला, आकर्षक आदि।

गुण-दोष - स्वच्छ, सुंदर, मीठा, खट्टा, ईमानदार, दयालु आदि।

अवस्था - छोटा, बीमार, निरोगी आदि।

आकार - चौड़ा, लंबा, गोल, तिकोना, चौकोर आदि।

2.संख्यावाचक विशेषण

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं, उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

इंद्रधनुष में **सात** रंग होते हैं।

समीना **पाँचवीं** कक्षा में पढ़ती है।   पेड़ पर **दो** चिड़ियाँ बैठी हैं।

संख्यावाचक विशेषण के दो भेद है-

निश्चित संख्यावाचक विशेषण

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

निश्चित संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या की जानकारी देते हैं, वे **निश्चित संख्यावाचक विशेषण** कहलाते हैं।

उपवन में **छह** कुर्सियाँ रखी हैं।

सारिका देखो, मेरे पास **दो** लहँगे हैं।

अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की निश्चित संख्या की जानकारी नहीं देते, वे **अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण** कहलाते हैं।

बिस्तर पर **बहुत** से कपड़े पड़े हुए हैं।

कुछ पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

3. परिमाणवाचक विशेषण

सोहन, बाजार से **चार किलो** आलू ले आओ।

भैया, मुझे **पाँच मीटर** काला कपड़ा दे दीजिए।

उपर्युक्त वाक्यों में चार किलो और पाँच मीटर परिमाणवाचक विशेषण हैं। **परिमाण अर्थात माप-तौल।**

जिन शब्दों से किसी वस्तु की मात्रा, माप अथवा तौल का बोध होता है, उन्हें परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

परिमाणवाचक विशेषण के मुख्यतः दो भेद होते हैं-

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण-

निश्चित माप, तौल तथा मात्रा का बोध कराने वाले विशेषण शब्द निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

कुछ अन्य उदाहरण देखिए-
* मुझे **2 किलो** दाल दे दीजिए ।
* मेरे घर में **तीन लीटर** दूध आता है।
* कुरते के लिए **दो मीटर** कपड़ा ले आना।

ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

माँ, मुझे **थोड़ी** सब्ज़ी और दे दीजिए।

कुछ फल घर में रखे हैं,ज्यादा मत लाना।

उपर्युक्त वाक्यों में थोड़ी और कुछ शब्दों से निश्चित मात्रा/संख्या का बोध नहीं हो रहा है। अतः ये अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण हैं। अतः

अनिश्चित माप-तौल तथा मात्रा का बोध कराने वाले विशेषण शब्द अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं।

4. सार्वनामिक विशेषण

यह लड़का बुद्धिमान है।

इस वाटिका में रंग-बिरंगे गुलाब खिले हैं।

इन वाक्यों में रंगीन शब्द सर्वनाम हैं, जो संज्ञा शब्दों से पहले आकर उनकी विशेषता बता रहे हैं।

जो सर्वनाम शब्द संज्ञा शब्दों से पहले आकर उसकी विशेषता का बोध कराते हैं, ऐसे शब्द सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं।

अब तक हमने सीखा

*संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं।

*जिन शब्दों की विशेषता बताई जाती है, उन्हें विशेष्य कहते हैं।

*विशेषण के चार भेद हैं-

(i) गुणवाचक विशेषण (ii) संख्यावाचक विशेषण

(iii) परिमाणवाचक विशेषण (iv) सार्वनामिक विशेषण

प्रश्न अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित परिभाषा लिखिए।

(ख)गुणवाचक विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाइए।

(ग)संख्यावाचक और परिमाणवाचक विशेषण में क्या अंतर है?

2 .विशेषण और विशेष्य का मिलान कीजिए-

पाँच मीटर	लड़का
स्वस्थ	व्यक्ति
सुंदर	कपड़ा
हरा	ऋतु
सुहानी	महल
चालाक	बगीचा

3 .सही विशेषण शब्द से वाक्य पूरे करो-

क. आसमान में ------------- बादल छाने लगे। (काले, ऊँचे, विशाल)

ख. यह इमारत बहुत------------ है। (महान, ऊँची, मेहनती)

ग. अक्षय ने-------------- स्वेटर खरीदा। (कुछ, दो, नीला)

घ. वह---------------- व्यक्ति है। (दयालु, पीला, ऊँचा)

ङ. मुझे ---------------बिस्कुट पसंद हैं। (नमकीन, कच्चे, पक्के)

4.विशेषण शब्द पर गोला लगाओ -

1. मैं	सच्चा	भारत	बंदर
2. एक दर्जन	भागना	ताजमहल	आकाश
3. कुरसी	ताकतवर	पाँच	माता
4. पीला	नहाना	अजय	बच्चा
5. चाचाजी	केला	पुस्तक	लंबा

5. सही विकल्प छाँटिए-

(क) संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द कहलाते हैं-

i) क्रिया ii) सर्वनाम iii) विशेषण

(ख) विशेषण के कितने भेद होते हैं?

i) चार ii) पाँच iii) तीन

(ग) पत्तों का रंग होता है-

i) काला ii) हरा iii) नीला

(घ) 'मेरी टोकरी में कम सामान है।' वाक्य में विशेषण शब्द है-

i) टोकरी ii) कम iii) सामान

(ङ) 'बूढ़ा आदमी सड़क पार कर रहा है।' वाक्य में विशेषण छाँटिए-

i) बूढ़ा ii) आदमी iii) सड़क

****

11. क्रिया

देखो,पढ़ो और समझो-

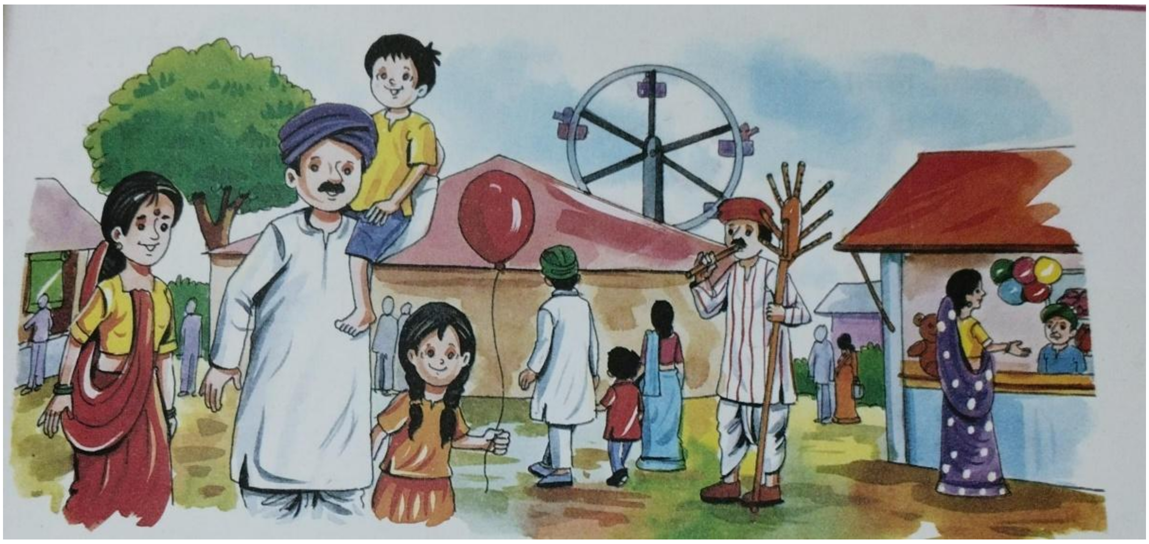

गाँव में मेला **लगा हुआ है।** वहाँ तरह-तरह की चीजें **बिक रही हैं।** बच्चे झूला **झूल रहे हैं।** बाँसुरी वाला बाँसुरी **बेच रहा है।** मेले में सभी बहुत खुश हैं।

आपने ध्यान दिया होगा कि मेले में सभी कुछ-न-कुछ क्रिया कर रहे हैं। वाक्यों में आए रंगीन शब्दों 'लगा हुआ है', 'बिक रही हैं', 'झूल रहे हैं', 'बेच रहा है', आदि शब्द किसी काम के करने या होने की जानकारी दे रहे हैं। ऐसे शब्दों को **क्रिया** कहते हैं।

जिन शब्दों से किसी काम के करने या होने की जानकारी मिलती है, उन्हें क्रिया कहते हैं।

कर्ता - काम करने वाले को **कर्ता** कहते हैं।

धोबी कपड़े धो रहा है।

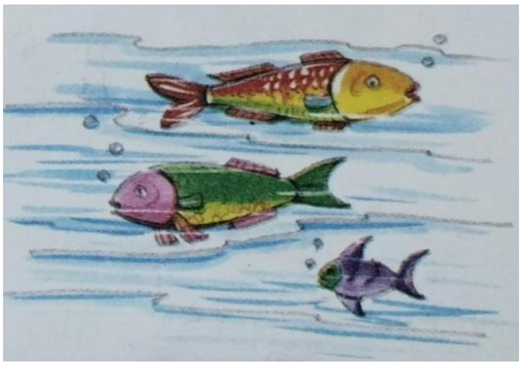

मछलियाँ तैर रही हैं।

उपर्युक्त वाक्यों में **धोबी** और **मछलियाँ** कर्ता हैं, क्योंकि उनके द्वारा काम हो रहा है।

धातु -क्रिया के मूल रूप को **धातु** कहते हैं। जैसे पढ़, लिख, गा, सुन, चल आदि।

क्रिया के भेद

कर्म के आधार पर क्रिया के दो भेद हैं-

(क) अकर्मक क्रिया

(ख) सकर्मक क्रिया

(क) अकर्मक क्रिया

अकर्मक का अर्थ है - अ +कर्मक = कर्म के बिना।

जिन क्रियाओं के साथ कर्म की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं।

अनुज हँस रहा है।

सोनू रो रही है।

उपर्युक्त वाक्यों में केवल कर्ता और क्रिया हैं; कर्म नहीं हैं। अतः इनकी क्रियाएँ (हँसना व रोना) अकर्मक क्रियाएँ हैं।

(ख) सकर्मक क्रिया

सकर्मक का अर्थ है - स +कर्मक = कर्म के साथ।

जिन क्रियाओं के साथ कर्म की आवश्यकता होती है, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं।

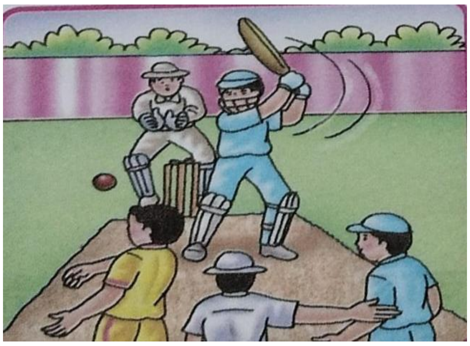

बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।

शिवानी चाय पी रही है।

उक्त वाक्यों में कर्ता व क्रिया के साथ कर्म भी आया है। कर्म के बिना ये वाक्य अधूरे रह जाते हैं तथा प्रश्न उठता है 'क्या'। जैसे-

बच्चे खेल रहे हैं।	क्या ------------ ?	क्रिकेट
शिवानी पी रही है।	क्या ------------?	चाय

इन वाक्यों में क्रिया के साथ कर्म आवश्यक है।

ये **सकर्मक क्रियाएँ** हैं।

ध्यान दें-

वाक्यों में क्रिया का बहुत महत्व होता है। क्रिया के बिना कोई भी वाक्य पूरा नहीं होता।

1. कुछ काम किए जाते हैं और कुछ स्वयं हो जाते हैं। जैसे-

(क) माली पौधों को सींच रहा है। (काम किया जा रहा है।)

(ख) पौधे बड़े हो रहे हैं। (काम स्वयं हो रहा है।)

2. क्रिया का रूप लिंग और वचन के अनुसार बदल जाता है। जैसे-

लिंग के अनुसार बदलती क्रिया-

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
धोबी कपड़े धोता है।	धोबिन कपड़े धोती है।
मोर नाचता है।	मोरनी नाचती है।

वचन के अनुसार बदलती क्रिया-

एकवचन	बहुवचन
लड़का आम तोड़ रहा है।	लड़के आम तोड़ रहे हैं।
पक्षी उड़ गया।	पक्षी उड़ गए।

अब तक हमने सीखा

*क्रिया शब्द किसी कार्य के करने या होने का बोध कराते हैं।

*क्रिया का मूल रूप 'धातु' कहलाता है।

*क्रिया के दो भेद होते हैं 'सकर्मक क्रिया' और 'अकर्मक क्रिया'।

*जिस क्रिया के साथ कर्म होता है उसे 'सकर्मक क्रिया' कहते हैं।

*जिस क्रिया के साथ कर्म नहीं होता है उसे 'अकर्मक क्रिया' कहते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) क्रिया की परिभाषा लिखिए।

(ख) धातु किसे कहते हैं?

(ग) क्रिया के कितने भेद होते हैं?

(घ) सकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

(ङ) अकर्मक क्रिया किसे कहते हैं?

2. नीचे लिखे क्रिया शब्दों के उचित रूप भरकर वाक्य पूरे कीजिए-

(खाना , देना , हँसना , सोना , लेना)

(क) मैंने उसे सौ रुपये----------------।

(ख) वह देर तक------------------ है।

(ग) कविता----------------- है।

(घ) वह नई कार -------------------है।

(ङ) विनय खाना---------------।

3.नीचे लिखे वाक्यों में से कर्ता और क्रिया शब्द छाँटकर सही शीर्षक के नीचे लिखो -

	कर्ता	क्रिया
क. तोता टें-टें करता है।	----------------	----------------
ख. हिरन दौड़ रहा है।	---------------	-----------------
ग. दादा जी आ गए।	---------------	-------------
घ. मोहित खा रहा है।	----------------	-----------------
ङ. सूर्य चमकता है।	------------------	-----------------
च. बादल बरसते हैं।	-----------------	-----------------

4. क्रिया संबंधी अशुद्धियाँ ठीक करके वाक्य पुनः लिखो-

क. प्रियंका खाना खाता है।

ख. कुत्ता भौंकते हैं।

ग. तितलियाँ फूलों पर बैठा है।

घ. धोबी कपड़े धोएगी।

ङ. दर्शक मैच देख रहा है।

च. लड़कियाँ क्रिकेट खेली हैं।

5.सही क्रिया पर सही (✓) का निशान लगाइए-

(क) वह अपने घर-

जाएँगी जाओ जाएगी

(ख) आज हमारी छुट्टी-

है हैं था

(ग) तुमने फिर गलत बात-

कहोगी कहा कही

(घ) तुम क्या-

माँगता है माँगते हो माँगा

(ङ) उसने चश्मा-

पहनी है पहन रही है पहना है

****

12. काल

देखो,पढ़ो और समझो-

कल एक गौरैया मेरे घर आई थी।आज वह घोंसला बना रही है। घोसले में उसके बच्चे रहेंगे।
उपर्युक्त वाक्यों से स्पष्ट है-

कल एक गौरैया मेरे घर आई थी।	(कार्य बीते समय में हो चुका है।)
आज वह घोंसला बना रही है।	(कार्य चल रहा है।)
घोंसले में उसके बच्चे रहेंगे।	(कार्य आने वाले समय में होगा।)

क्रिया के होने अथवा करने के समय को ही काल कहते हैं।

क्रिया का वह रूप जिससे उसके होने अथवा करने के समय का बोध हो काल कहलाता है।

काल के भेद :

काल के तीन भेद होते हैं-

1. भूतकाल
2. वर्तमान काल
3. भविष्यत् काल

1. भूतकाल

बीते हुए समय का बोध कराने वाले क्रिया के रूप को भूतकाल कहते हैं। जैसे-

अनूप स्कूल **गया था।** कनिका दूध **पी रही थी।**

ऊपर के वाक्यों में **'गया था'** और **'पी रही थी'** क्रियाओं से कार्य के बीते समय में होने का बोध हो रहा है। अतः ये क्रियाएँ भूतकाल की है।

2. वर्तमान काल

दादी कहानियाँ **सुना रही है।** रोहन पत्र **लिख रहा है।**

इन वाक्यों में क्रिया के वर्तमान में होने का पता चल रहा है।

'क्रिया के जिस रूप से उसके वर्तमान समय में होने का पता चले, उसे वर्तमान काल कहते हैं।

2. भविष्यत् काल

क्रिया के जिस रूप से उसके आने वाले समय में होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। उदाहरण-

कल हमारा **मैच होगा ।** मेरा बेटा **डॉक्टर बनेगा ।**

अब तक हमने सीखा

*काम होने के समय की सूचना देने वाले शब्दों को काल कहा जाता है।
*काल के तीन भेद होते हैं- वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत् काल ।
* वर्तमान काल - चल रहा समय
* भूतकाल - बीता हुआ समय
*भविष्यत् काल - आने वाला समय

प्रश्न अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) काल किसे कहते हैं?
(ख) काल के कितने भेद होते हैं? नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित वाक्यों में काल पहचानकर काल के भेद लिखो -

क. गीता पढ़ रही होगी। --------------------------------
ख. सुधीर कहानी पढ़ रहा था। -------------------------------
ग. गुरमीत ने गाना गाया। --------------------------------
घ. माँ चाय बना रही है। --------------------------------
ङ. गरिमा कैरम खेलेगी। --------------------------------
च. अब्दुल्ला खाना खाएगा। --------------------------------

3. नीचे दिए वाक्यों को निर्देश के अनुसार बदलिए-

(क) सीमा सरकस देखने जा रही है। (भविष्यत् काल)

(ख) सारिका ने चित्र बनाया। (वर्तमान काल)

(ग) तुम कहाँ जा रहे थे? (वर्तमान काल)

(घ) अंजना घर पहुँच गई। (भविष्यत् काल)

(ङ) बगीचे में फूल खिले हैं। (भूतकाल)
----

4. उचित मिलान कीजिए-

(क) बिजली	(i) जाएँगी।
(ख) कोयल	(ii) पढ़ रहा होगा।
(ग) पक्षी आसमान में	(iii) पीने गया।
(घ) मैं रोजाना रेडियो	(iv) चमक रही है।
(ङ) हिरन झील पर पानी	(v) कुहक रही थी।
(च) विकास	(vi) उड़ रहे हैं।
(छ) दादी मंदिर	(vii) सुनता हूँ।

5. सही विकल्प चुनिए-

(क) काम या क्रिया का समय कहलाता है-

(i) वर्तमान काल (ii) काल
(iii) भूतकाल (iv) भविष्यत काल

(ख) काल के भेद होते हैं-

(i) एक (ii) दो
(iii) तीन (iv) चार

(ग) जो समय चल रहा है, वह है-

(i) भविष्यत काल (ii) भूतकाल
(iii) वर्तमान काल (iv) काल

(घ) जो समय आएगा, वह होगा-

(i) भविष्यत काल (ii) वर्तमान काल
(iii) भूतकाल (iv) सामान्य काल

(ङ) बीता हुआ समय कहलाता है-

(i) वर्तमान काल (ii) भूतकाल
(iii) भविष्यत काल (iv) विशेष काल

(च) काल की पहचान होती है-

(i) कर्ता से (ii) कर्म से
(iii) क्रिया के रूप से (iv) विशेषण से

****

13. अविकारी शब्द

समझने के लिए-

आज **दिन भर** बारिश आई। **बाहर** बारिश में मत भीगो।

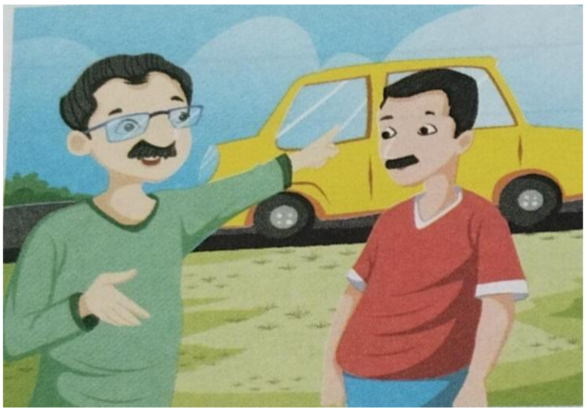

गाड़ी **तेज** नहीं चलानी चाहिए। रमन **बहुत** बोलता है।

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द हमेशा एक जैसे रहते हैं। इन्हें **'अविकारी शब्द'** कहते हैं। लिंग तथा काल के बदलने पर भी इनके रूप में परिवर्तन नहीं आता है।

वाक्य के जिन शब्दों में लिंग, वचन, कारक आदि के कारण कोई परिवर्तन नहीं होता, वे अविकारी शब्द कहलाते हैं।

अविकारी शब्द चार प्रकार के होते हैं-

1. क्रियाविशेषण
2. संबंधबोधक
3. समुच्चयबोधक
4. विस्मयादिबोधक

(क)क्रिया विशेषण

पिंकी **मधुर** गा रही है।

आमिर **सावधान** खड़ा है।

गुरुप्रीत **धीरे-धीरे** चलता है।

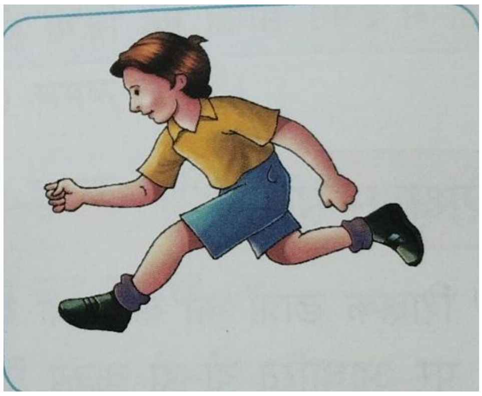

सुमित **तेज** दौड़ता है ।

दिए गए चित्रों के नीचे लिखे वाक्यों में क्रमशः **'गा रही है'**, **'खड़ा है'**, **'चलता है'** तथा **'दौड़ता है'**,वे क्रियाएँ हैं जो क्रमशः पिंकी, आमिर, गुरुप्रीत तथा सुमित द्वारा की जा रही हैं। इन क्रियाओं के साथ क्रमशः **मधुर, सावधान, धीरे-धीरे** तथा **तेज** विशेषण शब्द प्रयोग किए गए हैं। जो इन क्रियाओं की विशेषता बता रहे हैं, ऐसे शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं ।

जो शब्द किसी क्रिया की विशेषता बताते हैं ,उन्हें 'क्रिया विशेषण' कहते हैं।

क्रिया विशेषण के भेद -

क्रिया-विशेषण चार प्रकार के होते हैं-

1. **स्थानवाचक**
2. **कालवाचक**
3. **रीतिवाचक**
4. **परिमाणवाचक**

1. स्थानवाचक क्रिया विशेषण –

जो शब्द किसी कार्य को किए जाने के स्थान का बोध कराते हैं, उन्हें **'स्थानवाचक क्रिया विशेषण'** कहते हैं; जैसे - **यहाँ, वहाँ, पास,दूर, अंदर, बाहर, इधर-उधर** आदि।

भीड़ के **पीछे** चलना ठीक नहीं।

वह सड़क पर **इधर-उधर** देख रहा था।

स्थानवाचक क्रिया-विशेषण को जानने के लिए वाक्य की क्रिया के साथ **कहाँ, किधर** जैसे प्रश्नवाचक शब्द लगाकर प्रश्न किया जाता है।

2.कालवाचक क्रिया विशेषण-

जिस क्रिया विशेषण शब्द से क्रिया के घटित होने के समय का पता चलता है, उसे **'कालवाचक क्रिया विशेषण'** कहते हैं; जैसे- **प्रातः,सायं, अभी, जब, रोज, हमेशा** आदि।

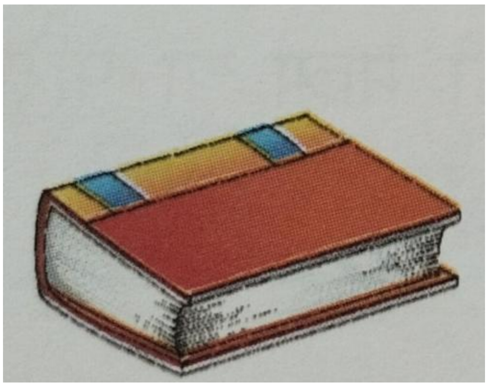

वे **प्रतिदिन** किताब पढ़ते है।

कमजोर लोगों की **सदा** मदद करनी चाहिए।

कालवाचक क्रिया-विशेषण को जानने के लिए वाक्य की क्रिया के साथ **कब** प्रश्नवाचक शब्द लगाकर प्रश्न किया जाता है।

3.रीतिवाचक क्रिया-विशेषण-

जिन क्रिया विशेषण शब्दों से क्रिया के संपन्न होने की विधि या रीति का पता चले उन्हें **'रीतिवाचक क्रिया विशेषण'** कहते हैं; जैसे- **अचानक, जल्दी, बेशक, संभवतः, धीरे-से, स्वयं, अवश्य** आदि।

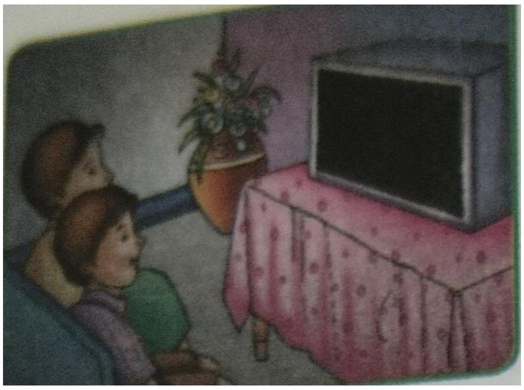

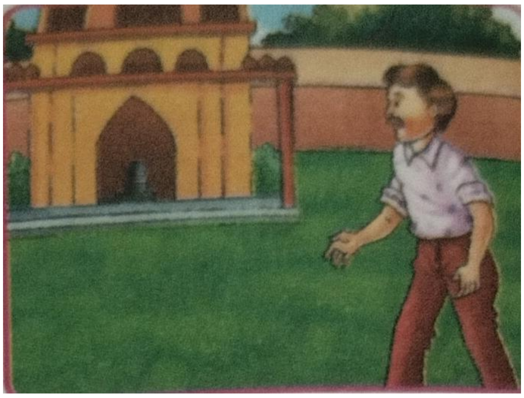

अचानक बिजली चली गई।

वह **दौड़कर** मंदिर पहुँचा।

रीतिवाचक क्रिया-विशेषण को जानने के लिए वाक्य की क्रिया के साथ **कैसे** प्रश्नवाचक शब्द लगाकर प्रश्न किया जाता है।

4. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण-

जिन क्रिया विशेषण शब्दों से कार्य की मात्रा या परिमाण का पता चलता है, उन्हें **'परिमाणवाचक क्रिया विशेषण'** कहते हैं; जैसे-**बहुत, अधिक, कम, कुछ, थोड़ा, ज्यादा, इतना, उतना** आदि।

अधिक बोलना ठीक नहीं।

बहुत हो चुका, **कुछ** धैर्य रखो।

परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण को जानने के लिए वाक्य की क्रिया के साथ कितना प्रश्नवाचक शब्द लगाकर प्रश्न किया जाता है।

(ख)संबंधबोधक

तालाब **के अंदर** मेंढक हैं।

फूलों **के ऊपर** तितलियाँ मँडरा रही हैं।

ऊपर दिए गए वाक्यों में **अंदर** शब्द तालाब और मेंढक के बीच का संबंध बता रहा है। **ऊपर** शब्द फूलों और तितलियों के बीच का संबंध बता रहा है।

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के बाद आकर उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जोड़ते हैं, वे संबंधबोधक कहलाते हैं।

कुछ संबंधबोधक शब्दों को जानो।
आगे, पीछे, दूर, पास, विपरीत, पश्चात, भीतर, कारण, समान, भर, तक, ओर।

(ग)समुच्चयबोधक

सौम्या **और** निमेष घूमने जा रहे हैं।   तुम्हें क्रिकेट अच्छा लगता है या फुटबॉल **?**

बच्चो! ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द **और** और **या** शब्द दो शब्दों अथवा दो वाक्यों को जोड़ रहे हैं। अतः

जो शब्द दो शब्दों या वाक्यों को जोड़ते हैं, वे समुच्चयबोधक शब्द कहलाते हैं।

कुछ अन्य समुच्चयबोधक शब्द-
लेकिन, परंतु, किंतु, क्योंकि, अन्यथा, बल्कि, कि , आदि।

विशेष-समुच्चयबोधक शब्दों की सहायता से दो छोटे वाक्यों या उपवाक्यों को जोड़कर नया वाक्य बनाया जाता है।

(घ) विस्मयादिबोधक
सुख-दुख के भाव, घृणा, शोक, आश्चर्य आदि भावों को प्रकट करने वाले शब्द **विस्मयादिबोधक** कहलाते हैं। जैसे-

अरे! तुम कहाँ चले गए थे?

वाह! कितनी सुंदर ड्रेस है।

कुछ विस्मयादिबोधक शब्द –

क्रोध सूचक	-	चुप!
शोक सूचक	-	हाय रे!
हर्षसूचक	-	ओह! , वाह !
आश्चर्यसूचक	-	आह! , अरे बाप रे!
घृणासूचक	-	छि! छि!
संबोधन	-	ओ! , अरे!
स्वीकृति सूचक	-	हाँ! , अच्छा!

विशेष - विस्मयादिबोधक शब्दों से आश्चर्य, घृणा, हर्ष, शोक आदि के भाव प्रकट होते हैं, ये केवल मन के भाव होते हैं।

अब तक हमने सीखा

1. विकार का अर्थ है परिवर्तन या बदलाव।
2. जिन शब्दों पर लिंग, वचन तथा कारक का कोई प्रभाव नहीं पड़ता उन्हें अविकारी शब्द कहते हैं।
3. अविकारी शब्दों के चार भेद हैं-

क. क्रिया विशेषण
ख. संबंधबोधक
ग. समुच्चयबोधक
घ. विस्मयादिबोधक

प्रश्न अभ्यास

1. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. अविकारी शब्द किसे कहते हैं?

ख. क्रियाविशेषण किसे कहते हैं?

ग. स्थानवाचक क्रिया विशेषण किसे कहते हैं ?

घ. संबंधबोधक शब्दों के दो उदाहरण दीजिए।

ङ. समुच्चयबोधक की परिभाषा लिखिए।

2. क्रिया विशेषण शब्द द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(ऊपर, बहुत, कभी नहीं, अचानक, सामने)

क. सोनल --------------------अच्छा लिखती है।

ख. चिड़िया डाल के------------------- बैठी है।

ग. झूठ -----------------------बोलना चाहिए।

घ. ------------------बारिश आ गई।

ङ. मेरे ---------------------वाले घर में एक तोता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक शब्दों को रेखांकित कीजिए-

(क) अचानक शेर को देखकर डर के मारे उसकी चीख निकल गई।

(ख) सीमा हमेशा अंजलि के आस-पास ही रहती है।

(ग) राघव की दुकान के आगे ही जूतों की दुकान है।

(घ) घूमने जाने की आज्ञा मिलते ही खुशी के मारे प्रियंका उछल पड़ी।

(ङ) नरेश के सामने अनिल खड़ा नहीं हो सकता।

4. नीचे दिए वाक्यों में विस्मयादिबोधक चिह्न को उचित स्थान पर लगाइए-

(क) अरे तुम अभी यहीं हो।

(ख) हे राम तुमने बिल्ली को मार दिया।

(ग) काश मैं देश का प्रधानमंत्री होता।

(घ) शाबाश तुमने अपने देश का नाम रोशन किया।

(ङ) सावधान आगे खतरा है।

----

5. अ, व, स की सहायता से उचित वाक्य बनाकर लिखो-

अ	व	स
रमेश	कि	मेला देखने।
काव्या ने खूब मेहनत की	या	उसकी तबियत खराब थी।
वह मेला देखने नहीं गया	परंतु	सौम्या भाई बहन हैं।
माँ ने कहा	क्योंकि	अव्वल नहीं आ सकी।
मैं जादू का खेल देखने जाऊँ	और	दादा जी को पानी दो।

क.---

ख.--

ग.---

घ.--

ङ.--

****

14. पर्यायवाची शब्द

पढ़िए और समझिए -

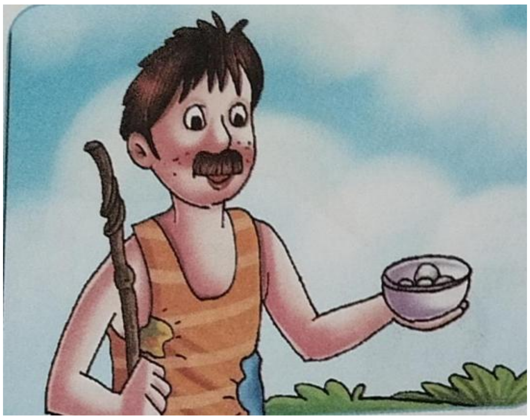

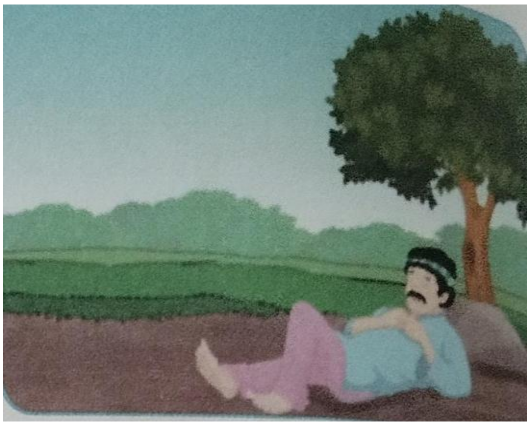

गरीब व्यक्ति **भीख** माँग रहा है।
या
निर्धन व्यक्ति **भिक्षा** माँग रहा है।

पेड़ के नीचे एक **व्यक्ति** लेटा है।
या
वृक्ष के नीचे एक **मनुष्य** लेटा है।

उपर्युक्त वाक्यों में **गरीब** के लिए **निर्धन** तथा **पेड़** के लिए **वृक्ष** शब्द का प्रयोग किया गया है; इसी प्रकार **भीख** के लिए **भिक्षा** और **व्यक्ति** के लिए **मनुष्य** शब्द का प्रयोग किया गया है। फिर भी इनका अर्थ एक समान ही है। ऐसे शब्द **'समानार्थी'** या **'पर्यायवाची शब्द'** कहलाते हैं।

परिभाषा- ऐसे भिन्न-भिन्न शब्द जिनके अर्थ एक जैसे होते हैं, **'समानार्थी'** या **'पर्यायवाची शब्द'** कहलाते हैं।

पर्यायवाची शब्द

1. किनारा - कूल, तट, तीर
2. चाँदी - रजत, रूपा, रूपक
3. अतिथि - मेहमान, अभ्यागत, पाहूना
4. अमृत - सुधा, सोम, मध
5. अंधकार - अँधेरा, तम, तिमिर
6. चंद्रमा - राकेश, शशि, चाँद
7. अर्थ - दौलत, वित्त, पैसा
8. घर - आलय, सदन, निकेतन
9. आनंद - हर्ष, सुख, आमोद, खुशी, प्रसन्नता
10. पवन- वायु, समीर, अनिल

11. अग्नि - आग, पावक, अनल
12. पत्नी - भार्या, अर्धांगिनी , वामा
13. पुत्र- बेटा, सुत, तनय, आत्मज
14. पुत्री - बेटी, सुता, तनया, आत्मजा
15. आदर - सम्मान, मान, प्रतिष्ठा

16. आश्रम- कुटिया, विहार, मठ
17. इच्छा - अभिलाषा, चाह, कामना
18. इंद्र- सुरेश, सुरेंद्र, देवेंद्र
19. बाग - बगीचा, बाग, उपवन
20. ईश्वर - प्रभु, ईश, जगदीश

21. उजाला- प्रकाश, रोशनी, चाँदनी
22. उपाय - युक्ति, साधन, तरकीब
23. पृथ्वी - धरा, वसुधा, भूमि
24. ऊधम - उत्पात, उपद्रव, धूम
25. दिन- दिवस, वार, दिवा

26. कमल - राजीव, पंकज, नीरज
27. तालाब - सर, सरोवर, जलाशय
28. पक्षी- खग, विहग, नभचर
29. शत्रु - रिपु, दुश्मन, वैरी
30. सिंह- केसरी, शेर, वनराज

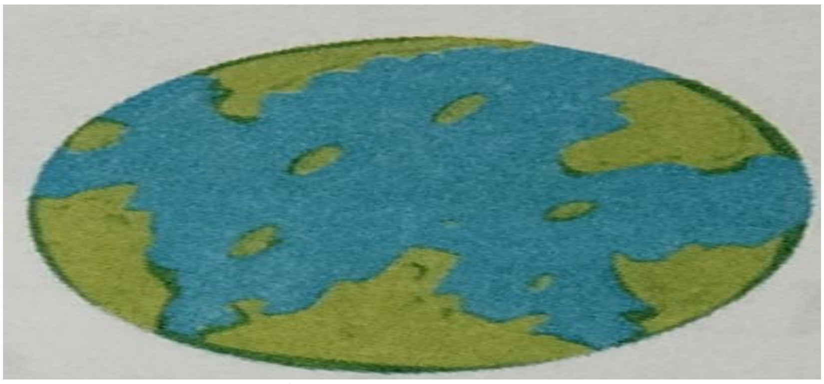

31. संसार - जग, जगत, विश्व
32. हस्त- हाथ, कर, पाणि
33. कोयल- कोकिला, पिक, काकपाली
34. नदी - सरिता, तटिनी, तरंगिणी
35. जल - पानी, नीर, सलिल

36. कपड़ा - चीर, वसन, पट
37. प्रातः - सुबह, भोर, सवेरा
38. त्योहार - पर्व, उत्सव, जश्न
39. झंडा - ध्वज, पताका, केतु
40. झुंड - टोली, मंडली, समूह

अब तक हमने सीखा
समान अर्थ वाले शब्दों को ' पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क. पर्यायवाची शब्द किसे कहते हैं?

ख. पर्यायवाची शब्द को और क्या कहते हैं?

2. जो शब्द पर्यायवाची नहीं है, उसे रेखांकित करो-

क. हिरन	-	शेर	मृग	सारंग
ख. कलश	-	मटका	घड़ा	गमला
ग. किनारा	-	कूल	तर	स्वच्छ
घ. बिजली	-	विद्युत	बादल	दामिनी
ङ. पथ	-	पंछी	राह	रास्ता

3. नीचे लिखे शब्दों को उनके पर्यायवाची शब्दों के साथ मिलाइए -

शब्द	**पर्यायवाची शब्द**
(क) नदी	(i) बहुत
(ख) प्रेम	(ii) वसन
(ग) कपड़ा	(iii) नीर
(घ) अधिक	(iv) कष्ट
(ङ) जल	(v) सरिता
(च) दुख	(vi) प्यार
(छ) वन	(vii) विचित्र
(ज) अनोखा	(viii) जंगल

4. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखकर खाली स्थान भरिए-

(क) आकाश में ----------------- छाए हैं। (मेघ)

(ख) ------------------- सिर के ऊपर आ गया है। (सूर्य)

(ग) तुम बहुत ------------------ बात करते हो। (विचित्र)

(घ) मुझे तुम्हारी कहानी सुनकर बहुत ---------------------- हुआ। (व्यथा)

(ङ) -------------------- में नाव तैर रही है। (सरिता)

5. दिए गए चित्रों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखो-

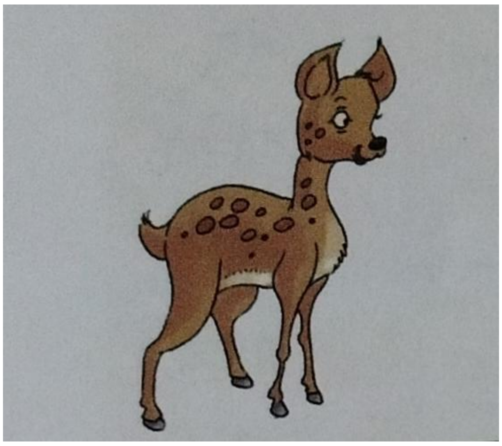

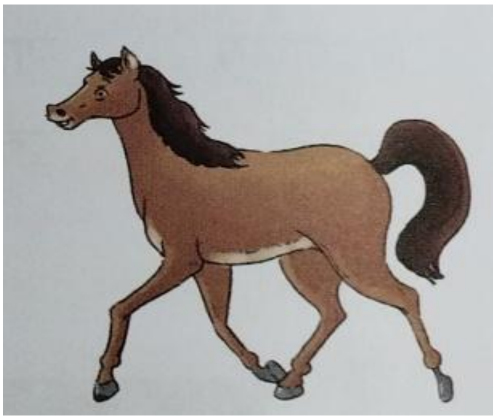

--------------------------------- ---------------------------------

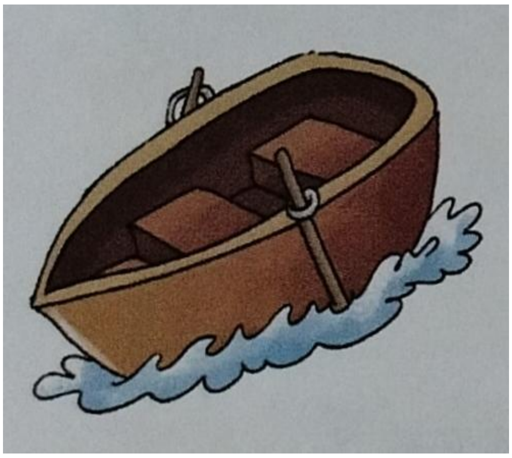

------------------------------- -----------------------------------

****

15. विलोम शब्द

समझने के लिए -

माँ, मैं **दिन-रात** पढ़ता रहता हूँ, फिर भी परीक्षा में अव्वल क्यों नहीं आ पाता?

बेटा, अव्वल आने के लिए दिन-रात पढ़ने की जरूरत नहीं है। जब भी पढ़ो, ध्यान से पढ़ो। **पढ़ने** के साथ ही **लिखने** का भी अभ्यास करते रहो।

मैं समझ गया माँ।

ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्दों की ओर ध्यान दीजिए **दिन** और **रात**, **पढ़ना** और **लिखना** एक-दूसरे का उलटा अर्थ बता रहे हैं। इस तरह एक-दूसरे का उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को **विलोम शब्द** कहते हैं।

किसी शब्द का विपरीत या उलटा अर्थ बताने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' या ' विपरीतार्थक शब्द ' कहते हैं।

नीचे दिए विलोम शब्दों को पढ़िए।

आदि × अंत	असली × नकली
आशा × निराशा	अनिवार्य × ऐच्छिक
उचित × अनुचित	उन्नति × अवनति
उपस्थित × अनुपस्थित	एक × अनेक
गुण × अवगुण	तीव्र × मंद

स्वदेशी × परदेशी	कृतज्ञ × कृतघ्न
निश्चिंत × चिंतित	पक्ष × विपक्ष
प्राचीन × नवीन	भारी × हल्का
नकद × उधार	अँधेरा × उजाला
अपना × पराया	आलस्य × परिश्रम
इच्छा × अनिच्छा	उत्तर × प्रश्न
उत्तीर्ण × अनुत्तीर्ण	ऊँचा × नीचा
काला × गोरा	ताजा × बासी
देशी × विदेशी	धर्म × अधर्म
निश्चित × अनिश्चित	कच्चा × पक्का
प्रशंसा × निंदा	प्रातः × सायं
महँगा × सस्ता	क्रय × विक्रय
मौखिक × लिखित	युद्ध × शांति
रक्षक × भक्षक	राजा × रंक
आयात × निर्यात	कटु × मधुर
विजय × पराजय	जीत × हार
शत्रु × मित्र	सरल × कठिन
सुगंध × दुर्गंध	आय × व्यय
स्वतंत्र × परतंत्र	आजादी × गुलामी
स्वाधीन × पराधीन	गहरा × उथला
सुपुत्र × कुपुत्र	धनी × निर्धन
पालतू × जंगली	उत्थान × पतन

जानें कुछ और भी

तत्सम शब्द का विलोम तत्सम शब्द में तथा तद्भव शब्द का विलोम तद्भव शब्द में ही होना चाहिए। जैसे- दिवस × रात्रि (तत्सम शब्द) दिन × रात (तद्भव शब्द)।

अब तक हमने जाना

*एक-दूसरे के विपरीत अर्थ देने वाले शब्दों को 'विलोम शब्द' कहते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) 'विलोम' शब्द का अर्थ बताइए।

(ख) 'विलोम' शब्द का अन्य नाम क्या है?

2.नीचे दिए गए शब्दों के विलोम लिखिए-

क. आशा ----------------------------

ख. उचित ---------------------------

ग. अंधकार --------------------------

घ. शाकाहारी --------------------------

ङ. स्वामी --------------------------

च. प्रशंसा ---------------------------

छ. अनुकूल ----------------------------

ज. मौखिक ---------------------------

3. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द पर गोला लगाइए-

क. पाप	-	सच	पुण्य
ख. अल्पायु	-	दीर्घायु	कमआयु
ग.आलस्य	-	निंद्रा	स्फूर्ति
घ.दुराचारी	-	सदाचारी	दुष्ट
ङ. खुशी	-	प्रसन्नता	गम
च. जटिल	-	सरल	कठिन
छ. अल्प	-	अधिक	कम

4. रंगीन शब्दों के विलोम रूप लिखकर रिक्त स्थान भरो-

क. **दिन** में उजाला और ------------------ में अँधेरा होता है।

ख. मैंने सभी प्रश्नों के **सही** उत्तर दिए, एक भी ------------------नहीं था।

ग. व्यापार में कभी **लाभ** होता है, कभी -------------------।

घ. कुत्ता **पालतू** जानवर है और शेर ---------------- ।

ङ. **दुर्गम** रास्तों की अपेक्षा ------------------रास्तों पर चला करो।

5. रेखा द्वारा विलोम शब्दों का मिलान कीजिए –

प्राचीन	अंत
निश्चिंत	अस्वस्थ
अनुपस्थित	नवीन
अनिच्छा	चिंतित
स्वस्थ	उपस्थित
आदि	इच्छा
प्रशंसा	सस्ता
मौखिक	रक्षक
महँगा	निंदा
भक्षक	लिखित

****

16. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

जिन शब्दों का उच्चारण लगभग एक समान होता है, परंतु अर्थ भिन्न होता है, वे **श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द** या **समरूपी भिन्नार्थक** शब्द कहलाते हैं।

मोहन की **दशा** अच्छी नहीं है।

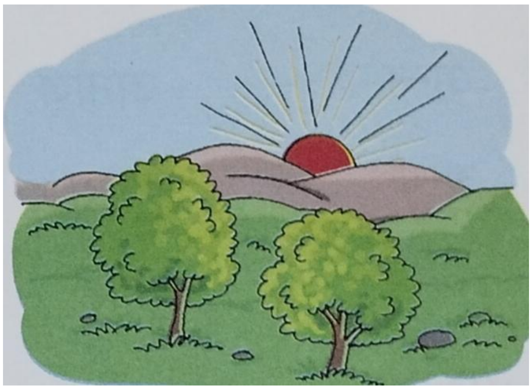

सूर्य पूर्व **दिशा** से निकलता है।

यह मेरा **गृह** (घर) है।

सौरमंडल में आठ **ग्रह** हैं।

'उपरोक्त वाक्यों में ' **दशा** ' और **'दिशा'** तथा **'गृह'** और **'ग्रह'** समरूपी भिन्नार्थक शब्द हैं।

	शब्द – अर्थ	शब्द - अर्थ
1.	अन्न – अनाज	अन्य - दूसरा
2	बाग – बगीचा	बाघ - एक पशु
3	समान – बराबर	सामान - सामान या पदार्थ
4.	हँस – हँसना	हंस - एक पक्षी
5.	मेला - त्योहार पर लगा बाज़ार	मैला - गंदा

	शब्द – अर्थ	शब्द – अर्थ
6.	ओर – तरफ़	और - तथा
7.	दिन – दिवस	दीन - गरीब
8.	परिमाण - मात्रा	परिणाम - नतीजा, फल
9.	चिर – सदैव	चीर - कपड़ा
10.	प्रमाण – सबूत	प्रणाम - नमस्कार
11.	कपाट – किवाड़	कपट - धोखा
12.	ग्रह – नक्षत्र	गृह - घर
13.	कर्म - काम	क्रम - सिलसिला
14.	कुल - खानदान	कूल - किनारा
15.	पवन - वायु	पावन - पवित्र
16.	पता - घर का पता	पत्ता - पेड़ का पत्ता
17.	मात्र - केवल	मातृ - माँ
18.	नीर – पानी	नीड़ - घोंसला

अब तक हमने जाना

*कुछ शब्द सुनने में एक समान लगते हैं, किंतु उनके अर्थ अलग-अलग होते हैं। ऐसे शब्दों को 'समरूपी भिन्नार्थक शब्द' कहते हैं।

*कुछ शब्दों में नुक्ता लगने या न लगने पर भी अर्थ बदल जाता है; जैसे-राज-शासन, राज़-रहस्य आदि।

*श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्दों को ' समरूपी भिन्नार्थक शब्द' भी कहते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

(क) 'श्रुति समभिन्नर्थक शब्द' की परिभाषा लिखिए।

(ख) 'श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द' का अन्य नाम क्या है?

2. दिए गए शब्दों का सही अर्थ से मिलान करो -

दिशा	सबूत
प्रमाण	हालत
शाम	नमस्ते
दशा	तरफ़
कपाट	काला
श्याम	संध्या
कपट	धोखा
प्रणाम	दरवाज़ा

3. नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ को स्पष्ट करने वाला एक-एक वाक्य बनाइए-

(क) ग्रह --

गृह --

(ख) कुल --

कूल --

(ग) मूल --

मूल्य --

(घ) दिशा --

दशा --

(ङ) में --

मैं --

4. कोष्ठक में लिखे शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो -

क. --------------------- में बादल छाए हुए हैं। (असमान / आसमान)

ख. तालाब में दो -------------------- तैर रहे हैं। (हँस / हंस)

ग. -------------------- लोग झोंपड़ियों में रहते हैं। (निधन / निर्धन)

घ. उस---------------------- मत जाओ। (ओर / और)

ङ. तुम्हारी ------------------- मुझे अच्छी लगी। (बात / वात)

च. सभी प्रश्नों का उत्तर --------------------- से लिखो। (कर्म/क्रम)

5.नीचे दिए गए चित्रों के लिए श्रुतिसम भिन्नार्थक में से सही शब्द छाँटकर लिखिए-

(जलद / जलज)

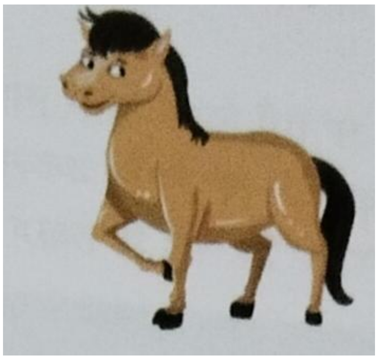

(तुरंग / तरंग)

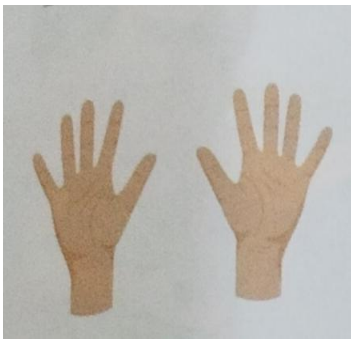

(पानी / पाणि)

(ग्रह / गृह)

(वाघ / बाग)

(पता / पत्ता)

****

17. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

समझने के लिए -

उल्लू रात में विचरण करता है।
या
उल्लू **निशाचर** है।

मजदूर में बल नहीं है।
या
मजदूर **निर्बल** है।

ऊपर दिए गए उदाहरणों में आपने देखा कि 'रात में विचरण' करता के स्थान पर हमने ' **निशाचर'** का प्रयोग किया है और 'बल नहीं है' के स्थान पर हमने ' **निर्बल** ' का प्रयोग किया है। ये शब्द अनेक शब्दों के लिए प्रयुक्त किए गए हैं। इससे वाक्य तो छोटा होता ही है। भाषा भी प्रभावशाली बन जाती है।

कुछ प्रमुख अनेक शब्दों के लिए एक शब्द -

क्रम	अनेक शब्द	एक शब्द
1.	जो कभी ना मरे	अमर
2.	जो कभी बूढ़ा न हो	अजर
3.	जिसकी आयु कम हो	अल्पायु
4.	जिसके माता-पिता न हों	अनाथ
5.	छोटा भाई	अनुज
6.	बड़ा भाई	अग्रज
7.	जिसका कभी अंत न हो	अनंत

8.	जिसे करना आवश्यक हो	अनिवार्य
9.	जिसका कोई आदि ना हो	अनादि
10.	जिसे क्षमा न किया जा सके	अक्षम्य
11.	जो टाला न जा सके	अटल
12	ईश्वर में विश्वास रखने वाला	आस्तिक
13.	आदर देने योग्य	आदरणीय
14.	किए हुए उपकार को मानने वाला	कृतज्ञ
15.	किए हुए उपकार को न मानने वाला	कृतघ्न
16.	कड़वा बोलने वाला	कटुभाषी
17.	काम से जी चुराने वाला	कामचोर
18.	जो कहा गया हो	कथित
19.	मिट्टी के बर्तन बनाने वाला	कुम्हार

20.	गाने वाला	गायक
21.	गुप्त बातों का पता लगाने वाला	गुप्तचर
22.	गाँव में रहने वाला	ग्रामीण
23.	जानने की इच्छा	जिज्ञासा
24.	जल में रहने वाला	जलचर
25.	जिस पहाड़ से आग निकलती हो	ज्वालामुखी

26.	जमीन पर रहने वाला	थलचर
27.	प्रतिदिन होने वाला	दैनिक
28.	शरीर संबंधी	दैहिक
29.	जहाँ पहुँचना कठिन हो	दुर्गम
30.	देखने वाला	दर्शक
31.	दस वर्ष का समय	दशक

32.	नभ में विचरण करने वाला	नभचर
33.	जिसमे बल न हो	निर्बल
34.	जिसे किसी का भय न हो	निर्भय
35.	रात्रि में विचरण करने वाला	निशाचर
36.	चित्र बनाने वाला	चित्रकार

37. पंद्रह दिन में होने वाला	पाक्षिक
38. व्यापार करने वाला	व्यापारी
39.जो आँखों के समक्ष हो	प्रत्यक्ष
40. पुराने ज़माने का	प्राचीन

41. फूल रखने का पात्र	फूलदान
42. जिसमें अधिक बल हो	बलवान
43. जो सुन न सके	बधिर
44. महीने में एक बार होने वाला	मासिक
45. मछली पकड़ने वाला	मछुआरा

अब तक हमने सीखा

*अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग भाषा को प्रभावशाली बना देता है।

*इससे भाषा में संक्षिप्तता आती है।

प्रश्न अभ्यास

1. नीचे लिखे अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए –

(क) जिसका कभी अंत न हो ---------------------------

(ख) काम से जी चुराने वाला --------------------------

(ग) ज़मीन पर रहने वाला --------------------------

(घ) फूल रखने का पात्र --------------------------

(ङ) कम खर्च करने वाला ------------------------

(च) अधिक बोलने वाला -------------------------

(छ) याद रखने योग्य ---------------------------

2.वाक्यांशों के लिए एक शब्द वर्ग पहेली से ढूँढ़कर लिखो-

अ	रे	खां	कि	त	दू
न	अ	ल्पा	यु	सा	र
प	भि	त	ग	प्ता	द
ढ़	ने	ज	र्व	हि	र्शी
सं	गी	त	ज्ञ	क	त
वा	चा	ल	अ	र	र

क. जो पढ़ा-लिखा न हो ----------------------------------

ख. जिसके नीचे रेखा खिची हो ------------------------------

ग. जो बहुत दूर की सोचता हो ------------------------------

घ. जो संगीत का जानकार हो ------------------------------

ङ. जो प्रति सप्ताह होता हो ------------------------------

च. जिसकी आयु कम हो -------------------------------

छ. बहुत बोलने वाला ---------------------------------

3. नीचे दिए गए वाक्यांशों के लिए एक शब्द पर सही का निशान (✓) लगाइए-

(क) जो राष्ट्र का हो-

i) राष्ट्य ii) राष्ट्रीय iii) राष्ट्रिय

(ख) गाँव में रहने वाला-

i) शहर ii) ग्रामीण iii) शहरी

(ग) सत्य बोलने वाला-

i) सत्य ii) सत्यवादी iii) असत्य

(घ) जो आँखों के सामने न हो-

i) प्रत्यक्ष ii) अप्रत्यक्ष iii) देखा हुआ

(ङ) साथ पढ़ने वाला-

i) विद्यार्थी ii) सहपाठी iii) छात्र

4.नीचे दिए गए एक शब्द के बदले अनेक शब्द लिखिए-

(क) कामचोर --

(ख) नास्तिक ---

(ग) आज्ञाकारी --

(घ) पुस्तकालय ---

5. नीचे दिए गए वाक्यांशों का सही शब्द से मिलान कीजिए-

(क) सुनने वाला	दयालु
(ख) जो छोटा भाई हो	विद्यार्थी
(ग) जिसके दिल में दया हो	किसान
(घ) खेती करने वाला	श्रोता
(ङ) विद्यालय में पढ़ने वाला	अनुज

****

18. अनेकार्थी शब्द

समझने के लिए -

अध्यापक **और** बच्चे पिकनिक पर गए।

ये बगुले नहीं, कोई **और** ही पक्षी हैं।

शिकारी का **तीर** निशाने से चूक गया।

नदी के **तीर** पर कछुआ बैठा हुआ है।

बच्चों !ऊपर दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्द एक से अधिक अर्थ दे रहे हैं ; एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्द अनेकार्थी शब्द कहलाते हैं। अतः

जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

आओ, कुछ अनेकार्थी शब्दों को जानें-

निशान	चिह्न, झंडा
दंड	सज़ा, डंडा
मधु	शहद, अमृत
पानी	जल, इज़्ज़त

पूर्व	एक दिशा, पहले का
ताल	तालाब, लय
द्विज	पक्षी, ब्राह्मण
वर	वरदान, दूल्हा
काल	समय, मृत्यु
पात्र	नाटक का पात्र, बरतन

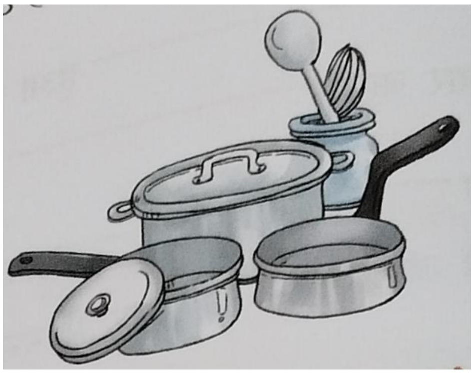

भेद	प्रकार, रहस्य
स्नेह	प्रेम, तेल
पद	पैर, ओहदा
शून्य	खाली, गणित का एक अंक
घोड़ा	अश्व, शतरंज का एक मोहरा
अर्थ	मतलब, धन

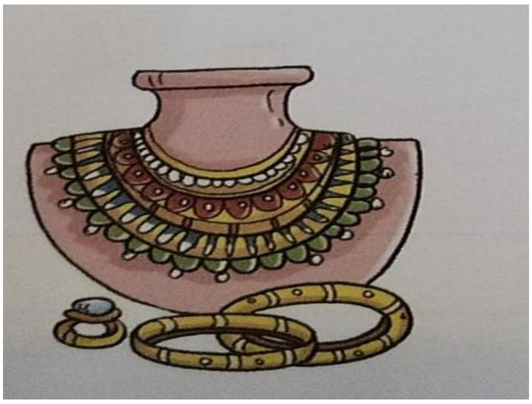

पट	परदा, दरवाज़ा, कपड़ा

कर	हाथ, किरण, सूँड़
सोना	एक धातु, सो जाना
हार	माला, पराजय
कुल	जोड़, वंश
स्वर	आवाज़, वर्ण

अब तक हमने जाना
*जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ होते हैं, उन्हें 'अनेकार्थी शब्द' कहते हैं।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) अनेकार्थी शब्द किसे कहते हैं?

(ख) ' शून्य ' के अनेकार्थी शब्द लिखिए।

2. नीचे लिखे शब्दों के सही अर्थ वाले विकल्प में सही का निशान लगाइए-

(क) आम

i) सामान्य ii) योग iii) अक्षर

(ख) अर्थ

i) धन ii) तथा iii) दिशा

(ग) सारंग

i) हिरन ii) मोर iii) दोनों

(घ) पूर्व

i) एक दिशा ii) उत्तर देना iii) पुत्र

(ङ)भेद

i) हिस्सा ii) आकाश iii) अंतर

3.इन शब्दों के दो अलग-अलग अर्थ लिखो-

क. काल --

ख. अर्थ --

ग. सोना --

घ. दंड --

ङ. कर --

4.इन शब्दों से अलग-अलग अर्थ देने वाले दो वाक्य बनाओ-

क. स्नेह --

ख. कुल --

ग. स्वर --

घ. पात्र --

ङ. वर --

5.नीचे दिए अनेकार्थी शब्द एवं उनके अर्थ में से भिन्न शब्द पर गोला लगाइए-

(क)	अंक	-	संख्या	भागना	गोद
(ख)	कर	-	हाथ	टैक्स	हाथी
(ग)	अंतर	-	भेद	हृदय	अक्षर
(घ)	उत्तर	-	जवाब	एक दिशा	प्रश्न
(ङ)	गुण	-	रस्सी	गुणा करना	कौशल
(च)	दल	-	पत्ता	लादना	सेना

****

19.विराम चिन्ह

समझने के लिए -

माँ ने साक्षी से कहा- **रुको मत भागो**। साक्षी भागती रही।

माँ नाराज होकर कहने लगी कि कब से तुम्हें रुकने के लिए कह रही हूँ और तुम भागती ही जा रही हो।

साक्षी ने कहा- माँ आपने ही तो कहा **रुको मत, भागो**।

माँ ओ हो! मेरे कहने का अर्थ था कि **रुको, मत भागो**।

साक्षी- अच्छा! तो आप मुझे रुकने के लिए कह रही थी। हा! हा! हा!

ऊपर के वाक्यों में रंगीन किए गए शब्दों की ओर ध्यान दीजिए। जब माँ ने बिना विराम चिह्न का प्रयोग किए अपनी बात कही तो साक्षी को उनकी बात समझ में नहीं आई। उसने गलत अर्थ ले लिया।
जब माँ ने अपनी बात में 'विराम' यानी (,) का प्रयोग किया तो साक्षी को उनकी बात सही तरह से समझ में आई।
इस प्रकार अपनी बात को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए भाषा में विराम चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

'विराम' शब्द का अर्थ है 'रुकना'। भाषा के द्वारा अपने भावों को व्यक्त करते समय भाव की अभिव्यक्ति के बाद कुछ देर रुकने को ही 'विराम' कहते हैं। इसके लिए प्रयुक्त चिहनों को **विराम चिन्ह** कहा जाता है।

कुछ प्रमुख विराम चिन्ह इस प्रकार हैं-

1. पूर्णविराम (।)

पूर्णविराम वाक्य की समाप्ति पर लगाया जाता है। उदाहरण-

*मनोज और अनुज पढ़ रहे हैं।

*यह मेरी पुस्तक है।

2. अल्पविराम (,)

बोलते या पढ़ते समय जब थोड़ा रुकते हैं तो **अल्पविराम** का प्रयोग करते हैं। एक ही प्रकार के दो से अधिक शब्दों के बीच भी अल्पविराम का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण-

* रोहन, अविचल, मानस और श्राव्या ने नाटक में भाग लिया।

*उसे लाल, पीला और हरा रंग पसंद है।

3. प्रश्नसूचक (?)

प्रश्न पूछने वाले वाक्यों में **प्रश्नसूचक चिह्न** का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण-

*यह पुस्तक किसकी है?

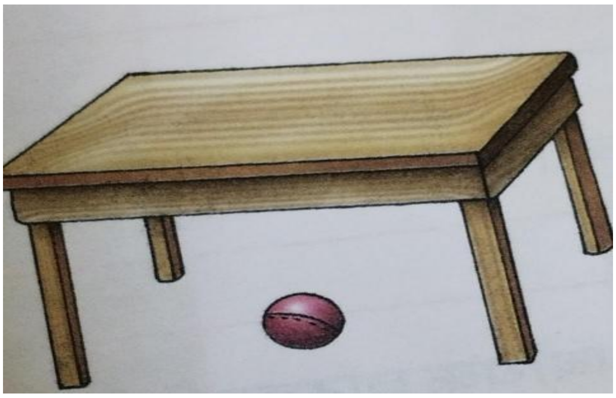

*मेज के नीचे क्या है ?

4. योजक चिह्न (-)

दो शब्दों को जोड़ने के लिए **योजक चिह्न** प्रयोग किया जाता है। उदाहरण-

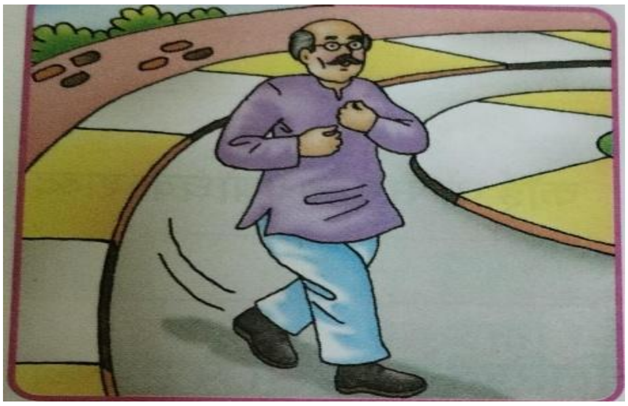

*सड़क सदा दाएँ-बाएँ देखकर पार करो।
*अपने आस-पास की जगह को साफ़-सुथरा रखो।

5. लाघव चिन्ह(०)

जब किसी शब्द को संक्षिप्त करके लिखा जाता है तो उसे दर्शाने के लिए **लाघव चिन्ह** का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण-

*मुं० प्रेमचंद हिंदी के महान साहित्यकार थे।
*पं० नेहरू बच्चों को बहुत प्यार करते थे।

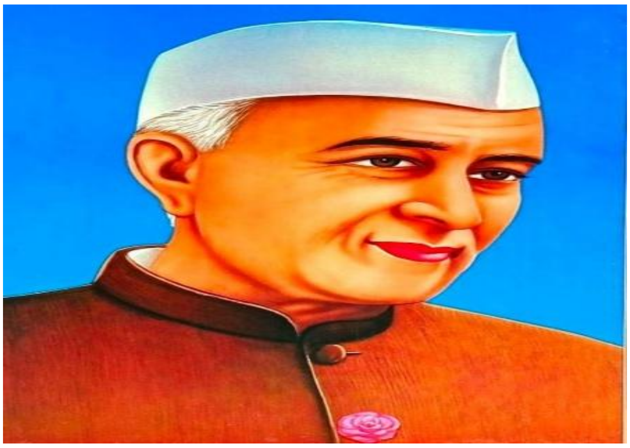

6. उद्धरण चिन्ह ("   ")

किसी बात को ज्यों का त्यों लिखने के लिए **उद्धरण चिह्न** का प्रयोग करते हैं। उदाहरण-

* "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"
*"अंग्रेजो भारत छोड़ो।"

7. विस्मयसूचक चिह्न (!)

खुशी, दुख, भय, आश्चर्य आदि भावों को प्रकट करने के लिए विस्मयादिसूचक शब्दों के बाद **विस्मयसूचक चिह्न** का प्रयोग किया जाता है। उदाहरण-

*अरे! तुम कब आए?

*वाह! कितना सुंदर चित्र है।

8. हंसपद (⅄)

लिखते समय जब कोई शब्द छूट जाए तो **हंसपद चिह्न** लगाकर उसे लिखते हैं। उदाहरण-

            पिकनिक
*कल हम लोग⅄ पर जा रहे हैं।

              की
* दिल्ली भारत ⅄राजधानी है।

अब तक हमने सीखा

*भाषा में व्यवस्था और स्पष्टता लाने के लिए लिखते समय विराम-चिह्नों का प्रयोग किया जाता है।

*कुछ प्रमुख विराम चिह्न इस प्रकार हैं-

- पूर्ण विराम (।)
- अल्प विराम (,)
- प्रश्नवाचक चिह्न (?)
- योजक चिह्न (-)
- लाघव चिन्ह (०)
- उद्धरण चिह्न ("")
- विस्मयसूचक चिह्न (!)
- हंसपद (⅄)

प्रश्न अभ्यास

1. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

क. विराम चिन्ह किसे कहते हैं?

ख. पूर्ण विराम का प्रयोग कब किया जाता है?

ग. प्रश्नवाचक चिह्न का प्रयोग कब किया जाता है?

2. नीचे दिए वाक्यों में उचित विराम चिह्न लगाइए। विराम चिन्ह लगाने के लिए रंगीन पेंसिल का प्रयोग कीजिए-

(क) वाह कितना सुंदर फूल है

(ख) अहमदाबाद में आप कहाँ रहते हैं

(ग) आम लीची खरबूजा और तरबूज गरमियों के फल हैं

(घ) रीना और अनन्या एक ही कक्षा में पढ़ती हैं

(ङ) डॉ मेहता हमारे पड़ोसी हैं

3. इन विराम चिह्नों के नाम लिखो-

क. (?) ------------------------------------

ख. (,) ------------------------------------

ग. (।) -------------------------------------

घ. ("") -------------------------------------

ङ. (-) -------------------------------------

च. (!) --------------------------------------

4. सही विकल्प चुनिए-

(क) इनमें से लाघव चिह्न कौन-सा है-

? - o

(ख) इनमें से प्रश्नसूचक चिह्न कौन-सा है-

? 人 !

(ग) इनमें से कौन-सा चिह्न अल्पविराम है-

! , ?

(घ) इनमें से कौन-सा चिह्न पूर्णविराम है-

“ “ ! ।

5. नीचे लिखे अनुच्छेद में गलत विराम चिहनों का प्रयोग हो गया है। उचित विराम चिहनों का प्रयोग करके अनुच्छेद दोबारा लिखिए-

विजय नगर राज्य में राजा कृष्णदेव राय राज्य करते थे, उनका मुख्यमंत्री तेनाली राम था? एक दिन राज दरबार में एक जादूगर आया! राजा द्वारा पूछे जाने पर उसने बताया 'महाराज'? मैं परियों को बुला सकता हूँ? राजा ने आश्चर्यचकित होकर कहा क्या। सचमुच तुम ऐसा कर सकते हो। वह बोला हाँ। महाराज अमावस्या की रात को पुराने तालाब पर परियाँ आएँगी? आप स्वयं देख लीजिएगा-

****

20. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

देखिए, पढ़िए और समझिए-

मिठाई देखकर श्वेता के
मुँह में पानी आ गया।
या
मिठाई देखकर श्वेता का
जी ललचा गया।

मम्मी! जल्दी से खाना दो,
मुझे **बहुत भूख लगी** है।
या
मम्मी! जल्दी से खाना दो,
मेरे **पेट में चूहे कूद रहे हैं**।

बच्चो, प्रत्येक चित्र के नीचे दो-दो वाक्य दिए गए हैं।

ऊपर वाले वाक्यों में विशेष अर्थ देने वाले रंगीन वाक्यांशों का जबकि नीचे वाले वाक्यों में साधारण अर्थ देने वाले रंगीन शब्दों का प्रयोग किया गया है।

इस प्रकार, हम एक बात को दो तरीके से कह सकते हैं- साधारण अर्थ में और विशेष अर्थ में। विशेष अर्थ में प्रयोग किए जाने वाले वाक्यांशों को ही मुहावरा कहते हैं।

शब्दों का ऐसा समूह या वाक्यांश, जो साधारण अर्थ न देकर कोई विशेष अर्थ देता है, वह मुहावरा कहलाता है।
अतः भाषा को प्रभावशाली बनाने के लिए मुहावरों का प्रयोग किया जाता है।

प्रमुख मुहावरे, उनका अर्थ और वाक्य प्रयोग :

1. अंधे की लकड़ी - एकमात्र सहारा

प्रयोग - श्रवण अपने माँ बाप के लिए अंधे की लकड़ी है।

2. अंग-अंग ढीला होना - बहुत अधिक थक जाना

प्रयोग - आज दिन भर मुझे इतना काम करना पड़ा कि मेरा अंग-अंग ढीला हो गया।

3. अपना उल्लू सीधा करना - अपना काम निकालना

प्रयोग- चुनाव में नेता लोग झूठे वादे करके अपना उल्लू सीधा कर लेते हैं।

4. अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना - अपनी प्रशंसा स्वयं करना

प्रयोग - मयंक सैदव अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बना करता है।

5.अंकुश रखना - दबाव में रखना

प्रयोग - माँ बाप को अपने बच्चों पर अंकुश रखना चाहिए।

6.आँखे दिखाना - क्रोधित होना

प्रयोग - अध्यापक के आँख दिखाने से कक्षा के सभी बच्चे शांत हो गए।

7.आँखें खुलना - होश में आना

प्रयोग - नौकर की सच्चाई जानकर सबकी आँखें खुल गई।

8.आँख लगना - नींद आना

प्रयोग - यदि चालक की आँख न लगती तो दुर्घटना न होती।

9.आग उगलना - क्रोध में कटु वचन कहना

प्रयोग - क्रिकेट की गेंद से जब खिड़की का शीशा टूट गया तो मकान मालिक सभी पर आग उगलने लगा।

10.आग बबूला होना - क्रोधित होना

प्रयोग - वैभव के परीक्षा में फेल हो जाने से उसके पिता आग बबूला हो उठे।

11.आसमान से बातें करना - बहुत ऊँचा होना

प्रयोग- शहरों की इमारतें आसमान से बातें करती हैं।

12.आसमान सिर पर उठाना - बहुत अधिक शोर करना

प्रयोग - अध्यापक के कक्षा से निकलते ही बच्चे आसमान सिर पर उठा लेते हैं।

13. ईद का चाँद होना - बहुत दिनों बाद दिखाई देना

प्रयोग - परीक्षा के बाद मोहित ईद का चाँद हो गया है।

14. उल्लू बनाना - मूर्ख बनाना

प्रयोग - देश में कई फर्जी कंपनियाँ लोगों को उल्लू बनाकर गायब हो जाती हैं।

15. उल्टी गंगा बहाना - नियम के विरुद्ध काम करना

प्रयोग - आजकल के नेता उल्टी गंगा बहाते रहते हैं।

16. कमर कसना - तैयार होना

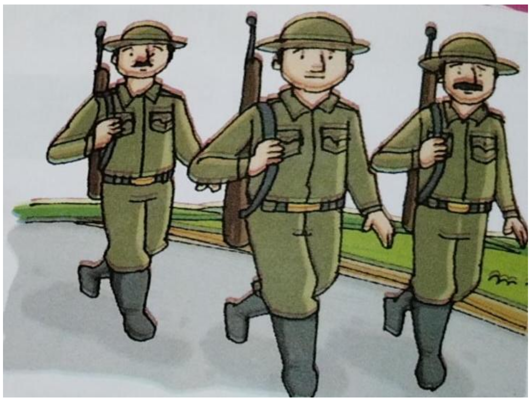

प्रयोग - युद्ध से पहले सैनिक कमर कस लेते हैं।

17. कान पर जूँ न रेंगना - कोई ध्यान न देना

प्रयोग - मैं बच्चों से पढ़ने के लिए कहता हूँ पर उनके कान पर जूँ नहीं रेंगती है।

18.कानोंकान खबर न होना - किसी को पता न चलना

प्रयोग - मैंने शहर जाकर फिल्म देखी और घर में किसी को कानोंकान खबर नहीं हुई।

19. कलई खुलना - भेद खुल जाना

प्रयोग - जब अधिकारी रिश्वत लेते पकड़े गए तो उनकी सारी कलई खुल गयी।

20. गाल बजाना - व्यर्थ की बातें करना

प्रयोग - कुछ न कुछ करके दिखाओ, गाल बजाने से कोई लाभ नहीं होगा।

21. गुड़ गोबर होना - बना काम बिगड़ जाना

प्रयोग - तेज़ वर्षा और आँधी आ जाने से कार्यक्रम देखने का मज़ा गुड़ गोबर हो गया।

22. फूला न समाना - बहुत खुश होना

प्रयोग - स्कूल में प्रथम आने पर संतोष फूला न समाया।

23.बाएँ हाथ का खेल - बहुत ही आसान काम

प्रयोग - कवि को कविता सुनाना उसके बाएँ हाथ का खेल है।

24. भीगी बिल्ली बनना - डर जाना

प्रयोग - पुलिस ने जब चोर को पकड़ा तो वह भीगी बिल्ली बन गया।

25. रात दिन एक करना - कठिन परिश्रम करना

प्रयोग - मैंने परीक्षा के समय अपना रात दिन एक कर दिया था।

लोकोक्तियाँ

लोकोक्ति शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है। लोक (लोग) +उक्ति (प्रचलित बात कहावत) अतः हम कह सकते हैं-

लोकोक्ति उस प्रसिद्ध कथन या कहावत को कहते हैं, जो अपने विशेष अर्थ से जीवन के अनुभव को प्रकट करती है।

लोगों में प्रचलित अनुभव द्वारा प्राप्त उक्ति को लोकोक्ति कहते हैं।

प्रमुख लोकोक्तियाँ, उनके अर्थ एवं प्रयोग :

1. अधजल गगरी छलकत जाय - ओछा मनुष्य दिखावा करता है।

प्रयोग - महेश को अंग्रेज़ी ठीक से नहीं आती फिर भी वह हमेशा अंग्रेजी बोलने की कोशिश करता है। सच ही है, 'अधजल गगरी छलकत जाय।'

2. अंधों में काना राजा- मूर्खों में कम पढ़ा लिखा।

प्रयोग - हमारे गाँव में अकेला राकेश इण्टर पास है। अतः वह अंधों में काना राजा है।

3. आम के आम गुठलियों के दाम - दोनों प्रकार से लाभ।

प्रयोग - किताब लिखने से धन भी मिलता है और नाम भी होता है। अतः आम के आम गुठलियों के दाम हो जाते हैं।

4.आँख के अंधे नाम नैनसुख - नाम के विपरीत गुण होना।

प्रयोग - सुशील का चरित्र बहुत ही खराब है, इसे कहते हैं 'आँख के अंधे नाम नैनसुख।'

5. आ बैल मुझे मार-मुसीबत को स्वयं बुलाना।

प्रयोग - झगड़े में बीच-बचाव के लिए जब मोहित गया तो किसी ने उसको भी एक डंडा मार दिया, उसका माथा फूट गया। इसे कहते हैं,' आ बैल मुझे मार।'

6. ऊँट के मुँह में जीरा - अधिक चाहने वाले को थोड़ा मिलना।

प्रयोग-बाढ़ पीड़ित लोगों को पाँच सौ रुपये की सहायता ऊँट के मुँह में जीरे के समान है।

7. ऊँची दुकान फीका पकवान - केवल ऊपरी दिखावा।

प्रयोग- जब मैंने होटल में जाकर वहाँ का खाना खाया तो पता चला कि यहाँ तो बस ऊँची दुकान और फीका पकवान है।

8. एक पंथ दो काज - एक साधन से दो लाभ।

प्रयोग - हम लखनऊ जाकर विवाह का निमंत्रण भी कर लेंगे और चिड़ियाघर भी देख लेंगे। इस प्रकार एक पंथ दो काज हो जायेंगे।

9. एक अनार सौ बीमार - वस्तु एक और चाहने वाले अनेक ।

प्रयोग - मेरे पास एक ही किताब है और उसे लेने वाले दस लोग हैं। यह तो वही हुआ, 'एक अनार सौ बीमार।'

10. काला अक्षर भैंस बराबर - अनपढ़ व्यक्ति।

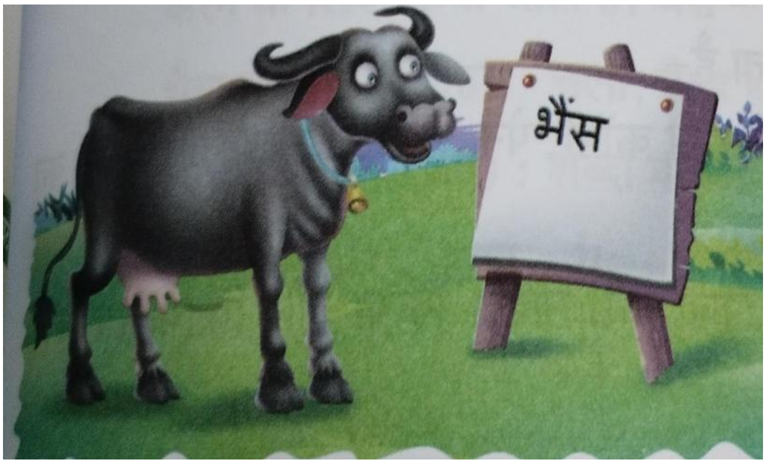

प्रयोग - मेरे दादा जी बिल्कुल पढ़े लिखे नहीं थे, उनके लिए काला अक्षर भैंस बराबर था।

11. कंगाली में आटा गीला - मुसीबत पर मुसीबत आना।

प्रयोग - अभिनव की नौकरी छूट गयी और बाद में उसका पैर भी टूट गया। इस प्रकार उसका कंगाली में आटा गीला हो गया।

12. खोदा पहाड़ निकली चुहिया - अधिक मेहनत से कम लाभ।

प्रयोग - राघव ने साल भर बड़ी मेहनत से पढ़ाई की फिर भी तृतीय श्रेणी में पास हुआ। यह तो वही बात हुई कि, 'खोदा पहाड़ और निकली चुहिया।'

13.चोर की दाढ़ी में तिनका - अपराधी व्यक्ति स्वयं अपने लक्षणों से पहचाना जाता है।

प्रयोग - जब राकेश से कलम के खोने के बाद तलाशी देने को कहा गया तो वह घबरा गया, तो पता चल गया कि, 'चोर को दाढ़ी में तिनका हैं।

14. जिसकी लाठी उसकी भैंस - शक्ति के द्वारा अवैध काम करना।

प्रयोग - आजकल जिसके पास ताकत होती है सभी उसका सम्मान करते हैं। सच ही है,' जिसकी लाठी उसकी भैंस।'

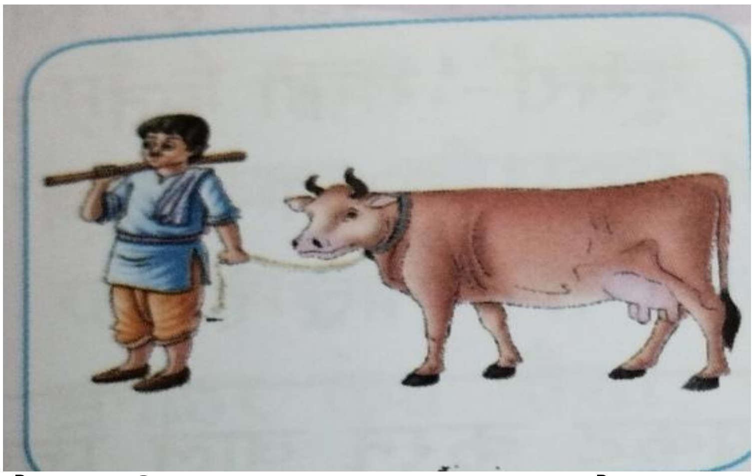

15. जंगल में मंगल होना - वीरान जगह पर चहल-पहल होना।

प्रयोग - गाँव के किनारे महाविद्यालय खुला तो जंगल में मंगल हो गया।

16. जहाँ चाह वहाँ राह - लगन से काम करने पर सफलता मिलती है।

प्रयोग - एडीसन को हजारों प्रयोगों के बाद बल्ब के आविष्कार में सफलता मिली। अतः सच ही है, जहाँ चाह वहाँ राह।'

17. ढोल के भीतर पोल - ऊपरी ठाट-बाट।

प्रयोग - जब मैं अपनी ससुराल पहुँचा तो मुझे वहाँ सब कुछ ढोल के भीतर पोल ही लगा।

18. दूध का दूध पानी का पानी - सही निर्णय देना।

प्रयोग - न्यायाधीश के निर्णय से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया।

19. धोबी का कुत्ता घर का न घाट का - बिल्कुल बेकार होना।

प्रयोग - पढ़ लिखकर व्यक्ति को नौकरी भी नहीं मिलती और वह घरेलू काम भी नहीं कर पाता। उसकी स्थिति 'धोबी का कुत्ता न घर का न घाट का' की जैसी हो जाती है।

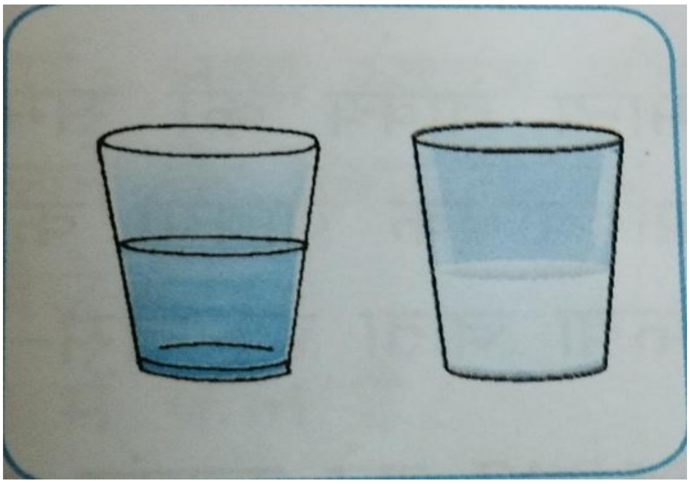

20. नाच न जाने आँगन टेढ़ा - अनभिज्ञ होने पर बहाने करना।

प्रयोग - जब महेश से अट्ठारह का पहाड़ा लिखने को कहा तो उसने बहाना बनाते हुए कहा कि उसके पास कलम नहीं है। यह तो वही बात हुई, 'नाच न जाने आँगन टेढ़ा।'

21. पाँचो उंगली घी में - हर तरफ से लाभ होना।

प्रयोग - चुनाव के समय मतदाताओं की पाँचों उंगलियाँ घी में होती है। सभी प्रत्याशी उनका आदर करते हैं।

22. बिल्ली के गले में घंटी बाँधना - खतरे का काम करना।

प्रयोग - आजकल भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाना बिल्ली के गले में घंटी बाँधने के समान है।

23. भैंस के आगे बीन बजाना- मूर्खों को उपदेश देना।

प्रयोग - कामचोर को काम का महत्त्व समझाना भैंस के आगे बीन बजाने जैसा है।

24. साँच को आँच नहीं - सच्चा व्यक्ति भयभीत नहीं होता।

प्रयोग - राम के घर से चोरी का कोई माल नहीं मिला था। उसने खुशी से घर की तलाशी दे दी। सच ही कहा गया है, 'साँच को आँच नहीं।'

25. होनहार बिरवान के होत चीकने पात - बचपन से ही गुणों का पता चलने लगता है।

प्रयोग - भगत सिंह के विचारों में बचपन से ही क्रांति की झलक थी। सच ही कहा गया है कि 'होनहार विरवान के होत चीकने पात।'

अब तक हमने जाना

*'मुहावरा' वाक्यांश होता है जो वाक्य में अपना विशेष अर्थ देता है।

*वाक्य में प्रयोग करते समय मुहावरे अपना रूप बदल लेते हैं।

*'लोकोक्ति' अपने आप में पूरा वाक्य होती है।

*लोकोक्तियाँ 'लोक कथन' के अन्तर्गत आती हैं। ये अनुभव का खजाना समेटे रहती हैं। इनका भावार्थ और निहितार्थ अत्यधिक गम्भीर होता है।

प्रश्न अभ्यास

1. निम्नलिखित मुहावरों का सही अर्थ चुनकर सही का निशान (✓)लगाइए-

(क) रात-दिन एक करना

i) परेशान करना ii) बहुत मेहनत करना iii) बहुत खुश होना

(ख) मुँह में पानी आना

i) मन ललचाना ii) परेशान करना iii) मना करना

(ग) घोड़े बेचकर सोना

i) बहुत थक जाना ii) साफ़ मना करना iii) निश्चिंत होकर सोना

(घ) हवा से बातें करना

i) कुछ समझ न आना ii) मदद करना iii) बहुत तेज दौड़ना

(ङ) नौ दो ग्यारह होना

i) भाग जाना   ii) दौड़ लगाना   iii) चलना

2. निम्नलिखित लोकोक्तियों का उनके अर्थ से मिलान कीजिए-

(क) दूध का दूध, पानी का पानी।	एकता में शक्ति होती है।
(ख) चोर की दाढ़ी में तिनका।	उचित न्याय होना।
(ग) अंधों में काना राजा।	दोषी व्यक्ति अपने दोष के कारण ही डर जाता है।
(घ) एक और एक ग्यारह।	शक्तिशाली की जीत होती है।
(ङ) जिसकी लाठी उसकी भैंस।	मूर्खों में थोड़ा समझदार भी सम्मान पाता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों में उचित मुहावरे चुनकर लिखिए-

(आँखों के तारे , कान पकड़ना , नानी याद आना , पीठ दिखाना , घी के दीए जलाना , नाक में दम करना , आँखों में धूल झोंकना)

(क) भारतीय वीरों ने शत्रुओं को ------------------- पर मजबूर कर दिया।

(ख) बच्चों ने नई अध्यापिका की -------------------- कर दिया।

(ग) सब बच्चे अपने माँ-बाप की -------------------- होते हैं।

(घ) बेटे के पाँच वर्ष बाद लौटने पर घर वालों ने -------------------।

(ङ) एक बार हजार रुपये का दंड देकर मैंने ------------------- दोबारा गाड़ी तेज नहीं चलाऊँगी।

4.निम्नलिखित अधूरे वाक्यों को लोकोक्ति की मदद से पूरा करो –

(दोनों हाथों में लड्डू , जैसी करनी वैसी भरनी ,एक अनार सौ बीमार , काला अक्षर भैंस बराबर , जिसकी लाठी उसकी भैंस)

(क) सुशील कुमार जी के दोनों बेटे अफ़सर हैं, उनके तो दोनों --------------------------------है।

(ख) क्लर्क के तीन पद खाली हैं और एक हजार आवेदन आए हैं। यह तो वही बात हुई कि एक------------------------------।

(ग) चुनाव में माफिया और बाहुबली को कोई नहीं जिताना चाहता फिर भी वे जीत जाते हैं क्योंकि जिसकी--------------------------होती है।

(घ)अनिल पढ़ना-लिखना बिलकुल नहीं जानता है, उसके लिए तो काला ------------------------------है।

(ङ) जूली ने सारा वक्त खेलकूद में बिता दिया , इसलिए परीक्षा में अच्छे अंक नहीं आए ।इसे कहते हैं जैसी ------------------------।

5. निम्नांकित चित्रों के आधार पर मुहावरे लिखिए-

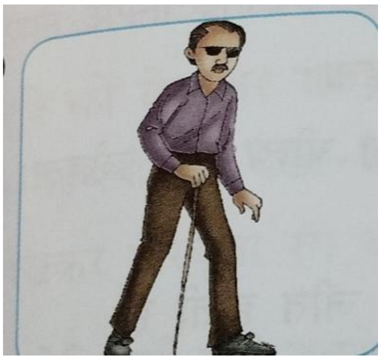

--------------------------- -------------------------------- -----------------------------

****

21. संवाद लेखन

समझने के लिए -

साथी मनुष्य एक-दूसरे के साथ किसी-न-किसी विषय पर बातचीत अवश्य करते हैं। बातचीत का यही रूप **'संवाद'** कहलाता है।

दो या दो से अधिक लोगों के मध्य होने वाली बातचीत को 'संवाद' कहते हैं।

सफल एवं चतुर व्यक्ति दूसरों को अपनी बातों से बहुत अधिक प्रभावित करता है। आपसी संवाद से ही व्यक्ति के अनुभव, अध्ययन, ज्ञान एवं भावनाओं का पता चलता है।

संवाद लिखते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए-

*संवाद का आरंभ और अंत आकर्षक होना चाहिए।
*संवाद स्वाभाविक, सजीव तथा रोचक होना चाहिए।
*संवाद संक्षिप्त और स्पष्ट होना चाहिए।
*संवाद की भाषा सरल होनी चाहिए।
*संवाद में उत्तर-प्रत्युत्तर एक साथ आने चाहिए।
*विराम चिह्नों का उचित प्रयोग किया जाना चाहिए।
*अभ्यास के लिए संवाद लेखन में किसी विषय अथवा परिस्थिति को दिया जाता है।

1. बच्चे और डॉक्टर के बीच बातचीत

बच्चा - डॉ. अंकल! मेरे दाँत में कल से दर्द हो रहा है।

डॉक्टर - इधर बैठो और अपना मुँह खोलो।

बच्चा - मुझे डर लग रहा है।

डॉक्टर - डरने की कोई बात नहीं है। (दाँत देखकर) अरे! तुम्हारे दाँत में तो कीड़ा लगा हुआ है।

बच्चा - तो क्या दाँत निकलवाना पड़ेगा?

डॉक्टर - नहीं, मैं तुम्हें दवा दे देता हूँ, उससे तुम्हें आराम मिल जाएगा। लेकिन तुम्हें अपने दाँतों की सफ़ाई पर ध्यान देना होगा।

बच्चा -ठीक है, मैं दाँतों को साफ कैसे रखूं ?

डॉक्टर - तुम प्रतिदिन सुबह और रात को सोने से पहले अच्छी तरह से दाँत साफ़ किया करो।

बच्चा - ठीक है, डॉक्टर साहब! मैं ऐसा ही किया करूंगा।

2. माँ और बेटे के बीच परीक्षा के विषय में संवाद

माँ - अंकुर, आज तुम्हारी हिंदी की परीक्षा कैसी हुई?

अंकुर - मेरी परीक्षा बहुत अच्छी हुई। मुझे सभी प्रश्नों के उत्तर आते थे। मैंने समय से पहले ही सभी प्रश्नों के उत्तर लिख लिए थे।

माँ - बेटा, मुझे तुमसे यही उम्मीद थी। अगली परीक्षा किस विषय की है?

अंकुर - अगली परीक्षा अंग्रेज़ी की है।

माँ - क्या तुमने उसकी तैयारी कर ली है? कोई कठिनाई हो तो मुझसे पूछ लेना।

अंकुर - माँ, मैंने सारे पाठ याद कर लिए हैं, सिर्फ़ दोहराना है।

माँ - बहुत अच्छा! तुम्हारी परीक्षा समाप्त होने के बाद हम सब घूमने जाएँगे।

अंकुर - तब तो बड़ा मज़ा आएगा।

3. दो मित्रों के बीच संवाद

आयुष - हैलो शिवम् ! कैसे हो?

शिवम् - हैलो आयुष! मैं बिल्कुल ठीक हूँ।

आयुष - कल तुम स्कूल क्यों नही आये थे?

शिवम् - कल मैं अपनी माँ के साथ बाज़ार गया था।

आयुष - फिर तुमने बाज़ार में क्या-क्या खरीदा ?

शिवम् - मैंने अपने लिए एक स्कूल बैग, जूते एवं एक पेंसिल बॉक्स खरीदा।

आयुष - और तुम्हारी माँ ने अपने लिए क्या-क्या खरीदा ?

शिवम् - माँ ने अपने लिए एक साड़ी और कुछ फल खरीदे।

आयुष - तुम दोनों बाजार कैसे गए थे?

शिवम् - हम दोनों रिक्शे से बाज़ार गए थे।

आयुष - मैं भी कल अपने पापा के साथ शाम को बाज़ार जाऊँगा।

शिवम् - बहुत अच्छा।

4. फल विक्रेता तथा ग्राहक के बीच संवाद

दुकानदार - आइए, बाबू जी क्या लेंगे?

ग्राहक - आपके पास खरबूजे होंगे क्या?

दुकानदार – नहीं साहब, तरबूज और नारियल हैं। लेंगे क्या?

ग्राहक - एक नारियल देना। कितने का है?

दुकानदार - जी, पच्चीस रुपए का।

ग्राहक - मैं तुम्हें कई वर्षों से सड़क के किनारे तरबूज बेचते देखता आ रहा हूँ। तुम्हें कितने साल हो गए तरबूज़ बेचते ?

दुकानदार - जी साहब, पाँच साल हो गए दुकानदारी करते।

ग्राहक - पर तुम केवल तरबूज और नारियल ही क्यों बेचते हो?

दुकानदार - साहब, सड़क पर लोग आते - जाते हैं, प्यास लगती है तो गाड़ी रोकते हैं। नारियल पानी पीते हैं तो मुझे अच्छा लगता है।

ग्राहक - नारियल पानी अच्छा तो है पर महँगा होता है।

दुकानदार - साहब इसके फायदे देखें तो महँगा नहीं। इसका पानी शरीर को ठंडक देता है।

ग्राहक -'कोल्ड ड्रिंक्स ' से कहीं अधिक अच्छा है।

दुकानदार - हाँ भई, ये तो तुमने बिलकुल सही कहा।

निम्नलिखित विषय पर संवाद लिखिए-

1.कम्प्यूटर खरीदते समय दुकानदार व ग्राहक के बीच संवाद लिखिए।

2.विद्यालय में आयोजित हुई भाषण प्रतियोगिता के विषय में दो छात्रों के बीच संवाद लिखिए।

3.रेल में यात्रा करते हुए रेलवे स्टेशनों की स्वच्छता के विषय में दो यात्रियों के बीच संवाद लिखिए।

4. बस में सफर कर रही दो महिलाओं के बीच संवाद लिखिए।

****

22. अपठित गद्यांश

अपठित का अर्थ है-जो पहले न पढ़ा गया हो। अपठित गद्यांश किसी लेख, निबंध या पाठ का वह अंश होता है, जो पहले कभी नहीं पढ़ा गया हो।

इसे ध्यान से पढ़ने के बाद उस पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए जाते हैं। इसके अभ्यास से बच्चों की चिंतन एवं भाषा संबंधी क्षमता का विकास होता है।

गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर देते समय कुछ निम्न बातें ध्यान रखनी चाहिए-

1. गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और महत्त्वपूर्ण अंश को रेखांकित करें।
2. प्रश्नों के उत्तर छोटे व स्पष्ट हों।
3. किसी प्रश्न का उत्तर न मिलने पर गद्यांश को पुनः पढ़ना चाहिए।
4. शीर्षक छोटा व विषय से संबंधित होना चाहिए।

आइए, गद्यांश पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें-

1. उत्तराखंड में पहाड़ों के बीच में एक ऐसी जगह है, जहाँ फूल-ही-फूल दिखाई देते हैं। वह जगह 'फूलों की घाटी' कहलाती है। कहीं झाड़ियों में लगे लाल फूल नजर आते हैं, तो कहीं पत्थरों के बीच सफेद फूल झाँकते हुए मिल जाते हैं। वहाँ पीले-पीले फूलों के लंबे-चौड़े कालीन जैसे मैदान हैं। कहीं-कहीं अचानक घास के बीच छोटे-छोटे तारों जैसे नीले फूल दिखाई देते हैं। यह सब सपने जैसा लगता है। उस घाटी में इतने सारे फूल पूरे साल में कुछ हफ़्तों के लिए ही खिलते हैं।

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर में सही विकल्प पर (✓) का निशान लगाइए-

(क) 'फूलों की घाटी' कहाँ स्थित है?
i) उत्तराखंड ii) उत्तर प्रदेश iii) हिमाचल प्रदेश

(ख) 'फूलों की घाटी' में किन-किन रंगों के फूल दिखाई देते हैं?
i) नारंगी फूल ii) हरे फूल iii) तरह-तरह के

(ग) पीले फूलों के लंबे-चौड़े मैदान कैसे लगते हैं?
i) मैदान जैसे ii) कालीन जैसे iii) गुलदस्ता जैसे

(घ) 'पहाड़' का पर्यायवाची शब्द है-
i) पर्वत ii) शिला iii) दोनों

2. मानव जीवन में समय का बहुत महत्त्व है, लेकिन जो व्यक्ति समय की महत्ता नहीं समझता है, वह जीवन भर पछताता ही रहता है. क्योंकि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता है। समय की उपयोगिता को समझना और उस पर अमल करना बहुत

आवश्यक है। जो व्यक्ति समय के महत्त्व को समझते हैं और अपना सारा जीवन अच्छे और कल्याणकारी कामों में लगाते हैं, उनका जीवन सफल हो जाता है, वे अपने लिए सुख, समृद्धि और खुशहाली का मार्ग निकाल ही लेते हैं। जितने भी महापुरुष या बुद्धिजीवी इस धरती पर हुए हैं, उन्होंने समय का सही प्रकार से उपयोग किया है। जो समय का दुरुपयोग करते हैं, वे सदा परेशानियों से ग्रस्त रहते हैं, ऐसे लोगों के जीवन में सुख-चैन होता ही नहीं। वे अपना मानसिक संतुलन खो बैठते हैं और जीवन भर पछताते रहते हैं, उनके हाथ कुछ नहीं आता है उनका जीवन घुटन और पीड़ा में ही समाप्त हो जाता है। वे जब तक जीवित रहते हैं, समाज और देश के लिए बोझ ही बने रहते हैं।

सही विकल्प के सामने सही का चिन्ह (✓) लगाइए-

(क) मानव जीवन में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है -

समय रुपया आराम कोई नहीं

(ख)जो समय के महत्त्व को समझते हैं उनका जीवन होता है-

सफल समृद्ध खुशहाल उपर्युक्त सभी

(ग) महापुरुष और बुद्धिजीवी करते हैं-

समय का दुरुपयोग विनाशकारी कार्य

समय का सदुपयोग इनमें से कोई नहीं

(घ) जीवन में सफल होने के लिए संतुलन बैठाना पड़ता है-

आराम और काम के बीच लोगों के बीच

कार्य और समय के बीच इनमें से कोई नहीं

3. एक ब्राह्मण था। बड़ा गरीब और सीधा-सादा। एक बार उसके राज्य में अकाल पड़ा। बेचारे को कई दिनों तक भोजन नहीं मिला। तब ब्राह्मण ने सोचा "भूख से मरने से तो अच्छा है- प्राण दे देना"। ऐसा विचार कर वह मरने के लिए जंगल में चला गया। मरने से पहले वह सच्चे दिल से भगवान से प्रार्थना कर ही रहा था कि उसे एक शेर दिखाई दिया। ब्राह्मण ने सोचा "मैं तो मरने ही आया था। यह शेर मुझे खा ले तो अच्छा है।" शेर ने पास आकर पूछा, "तू डरता क्यों नहीं?" ब्राह्मण ने सारी बात बताकर कहा, "अब तुम मुझे जल्दी से मारकर खा लो।" सच बात यह थी कि वन का देवता ही शेर बनकर आया था। अतः उसे ब्राह्मण पर दया आ गई। उसने ब्राह्मण को पाँच सौ सोने के सिक्के दिए। ब्राह्मण खुशी-खुशी घर लौट आया।

निम्न प्रश्नों के सही उत्तर पर(✓) का निशान लगाओ-

1. ब्राह्मण कैसा था?

(i) झूठा और चालाक (ii) गरीब और सीधा-सादा

(iii) गुस्सेवाला (iv) दुष्ट

2. राज्य में क्या पड़ा था?
(i) बाढ़ (ii) युद्ध
(iii) अकाल (iv) कुछ नहीं

3. 'भूख से मरने से तो अच्छा है....' उचित कथन भर कर वाक्य पूरा करो --
(i) प्राण दे देना (ii) दान दे देना
(iii) घर छोड़ देना (iv) संन्यास ले लेना

4. शेर वास्तव में कौन था?
(i) वन का देवता (ii) धन का देवता
(iii) दानव (iv) ब्राह्मण का पिता

5. 'जंगल' शब्द के दो पर्यायवाची हैं -
(i) वन, उपवन (ii) विपिन, कानन
(iii) कंटक, कानन (iv) इनमें से कोई नहीं

4. डायनासोर का नाम सुनते ही दिमाग में बड़े से जानवर का चित्र घूमने लगा है। डायनासोर शब्द ग्रीक भाषा से आया है, जिसका अर्थ भयंकर छिपकली है। ब्रिटिश विज्ञानी रिचर्ड ओवेन ने 1842 में यह नाम दिया था। डायनासोर एक प्रकार के विशाल जानवर थे, जो करोड़ों साल पहले पृथ्वी पर रहा करते थे। कुछ डायनासोर मांसभक्षी थे और कुछ शाकभक्षी थे। कुछ डायनासोर दो पैरों पर जबकि कुछ चार पैरों पर चलते थे। डायनासोर की पूँछ लंबी होती थी, जो तेज़ चलते या भागते समय संतुलन बनाने में सहायक होती थी। वैज्ञानिकों के अनुसार डायनासोर का अंत करोड़ों वर्ष पूर्व एक उल्का (मीटिओर) के पृथ्वी से टकराने पर वातावरण में आए बदलावों के कारण हुआ। इस उल्का के कारण पृथ्वी पर भयंकर तबाही हुई, जिसमें पानी में रहनेवाली कुछ प्रजातियाँ ही बच पाई थीं।

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

क. 'डायनासोर' शब्द किस भाषा से लिया गया है और इसका क्या अर्थ है?

ख. डायनासोर नाम किस वैज्ञानिक ने दिया ?

ग. डायनासोर कितने पैरों से चलते थे?

घ. डायनासोर की पूँछ कैसी होती थी और वह किस काम आती थी ?

ङ. डायनासोर का अंत कब और कैसे हुआ?

5. मगध के शासक सम्राट अशोक अहिंसावादी व शांतिप्रिय सम्राट थे। उनकी उदारता और दया के कारण इतिहासकार उनका गुणगान करते नहीं थकते। जाति, धर्म और देश की संकीर्णता को समाप्त कर उसने जीव-मात्र के हित को अपना लक्ष्य बनाया और इस लक्ष्य सिद्धि के लिए अपने साम्राज्य के सभी साधनों का उपयोग किया। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को अपनाया, उनके महान् आदर्श आज भी भारत में जीवित हैं और यहाँ के निवासियों को आत्मकल्याण व विश्व बंधुत्व का संदेश दे रहे हैं।

निम्न प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) सम्राट अशोक कहाँ के शासक थे?

(ख) उनके किन गुणों के कारण इतिहासकार उनका गुणगान करते नहीं थकते?

(ग) सम्राट अशोक ने किस धर्म को अपनाया?

(घ) गद्यांश में से कोई तीन विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए।

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

****

23.कहानी लेखन

बच्चे हों या बड़े, कहानी पढ़ना और सुनना सभी को अच्छा लगता है। कहानी सुनने और सुनाने का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। कहानी सच्ची घटना पर आधारित हो या काल्पनिक, वह हमें कोई-न-कोई संदेश अवश्य देती है।

कहानी लिखते समय हमें निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-

*कहानी की भाषा सरल होनी चाहिए।

*कहानी में कोई-न-कोई शिक्षा अवश्य होनी चाहिए।

*कहानी हमेशा भूतकाल में लिखी जानी चाहिए।

*कहानी के पात्रों की भाषा उनके अनुरूप होनी चाहिए।

स्वार्थी लोगों से दूरी

अमित और सुमित नाम के दो मित्र थे। एक दिन वे दोनों एक घने जंगल से होकर जा रहे थे। अचानक उन्हें भालू के गुर्राने की आवाज सुनाई दी। दोनों उस आवाज को सुनकर डर गए। आवाज सुनते ही अमित तो पेड़ पर चढ़ गया जबकि सुमित वहीं खड़ा रह गया। सुमित ने देखा कि भालू उसकी तरफ आ रहा है। वह साँस रोककर जमीन पर लेट गया। भालू उसके पास आया और उसे सूँघने लगा। भालू उसे मरा हुआ समझकर वहीं

छोड़कर चला गया। भालू के जाने के बाद अमित पेड़ से नीचे उतरा और सुमित से पूछने लगा कि भालू ने तुम्हारे कान में क्या कहा? सुमित ने कहा कि भालू ने मुझे स्वार्थी मित्रों

से दूर रहने के लिए कहा है। यह सुनकर अमित बहुत लज्जित हुआ और अपने किए पर क्षमा माँगने लगा।

शिक्षा-हमें स्वार्थी लोगों से हमेशा दूर रहना चाहिए।

मेघना की सूझ-बूझ

मेघना नई दिल्ली में रहती थी। वह बुद्धिमान बालिका थी। एक बार वह अपने माता-पिता के साथ नैनीताल घूमने जा रही थी। नैनीताल जाने के लिए मेघना और उसके माता-पिता समय से पहले ही रेलवे स्टेशन पहुँच गए थे। गाड़ी आने में अभी काफी समय था। मेघना समय बिताने के लिए इधर-उधर देखने लगी। उसकी नज़र एक बुक स्टॉल पर पड़ी। उसके मन में कहानी की किताब खरीदने का विचार आया। वह स्टॉल पर कहानी की पुस्तके देखने लगी। तभी उसका पैर पास में रखे सूटकेस से जा टकराया।

उसने दुकानदार से सूटकेस के बारे में पूछा। दुकानदार को उस सूटकेस के बारे में कुछ पता नहीं था। कुछ और लोगों से पूछने पर पता चला कि वह सूटकेस आसपास खड़े किसी भी व्यक्ति का नहीं था। तब मेघना को कुछ संदेह हुआ।

उसने पिताजी के साथ जाकर पुलिस बूथ में सूचना दी। शीघ्र ही पुलिस ने आकर सूटकेस की जाँच की। उसमें विस्फोटक सामग्री थी। उसे निष्क्रिय कर दिया गया। मेघना की सूझ-बूझ से एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। सभी ने उसकी बुद्धिमानी की प्रशंसा की। पुलिस ने उसकी सूझ-बूझ के लिए उसे इनाम देने की घोषणा की।

शिक्षा - सूझ-बूझ और सतर्कता से दुर्घटना को टाला जा सकता है।

ब्राह्मण और तीन ठग

एक दिन एक ब्राह्मण सुबह-सुबह सुनसान रास्ते से जा रहा था। उसके साथ एक बकरी भी थी। तीन ठगों की नजर ब्राह्मण और उसकी बकरी पर पड़ी। एक ठग ने कहा, "मैं चाहता हूँ कि इस मोटी - ताज़ी बकरी को किसी तरह हथिया लिया जाए।

दूसरे ठग ने कहा, "चलो, हम बकरी छीनकर भाग चलें। यह मोटू ब्राह्मण हमारा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा।" तीसरे ठग ने कहा, "नहीं, बकरी छीनकर भागने की कोई जरूरत नहीं है। मैंने एक अच्च्छी तरकीब सोच ली है।" फिर उसने वह तरकीब अपने साथियों को बताई। दोनों ठगों ने अपने साथी की योजना सुनी, तो वे खुशी से उछल पड़े। उन्होंने उसी तरकीब से बकरी लेने का निश्चय किया।

योजना के अनुसार एक ठग ने ब्राह्मण से जाकर कहा, "पंडित जी, प्रणाम! आपका यह कुत्ता तो बहुत अच्छा है। । क्या यह शिकारी कुत्ता है?" ब्राह्मण यह सुनकर बहुत गुस्सा हो गया। उसने कहा , “अरे!बेवकूफ चल दूर हट। कितने शर्म की बात है कि तू बकरी को कुत्ता कह रहा है।" "तो क्या आपके इस कुत्ते को मैं बकरी कहूँ, तब आप मुझे बुद्धिमान मानेंगे!" हा SS। हा SS।

थोड़ी देर बाद दूसरा ठग ब्राह्मण के पास आया। उसने ब्राह्मण से कहा, "प्रणाम पंडित जी! ताज्जुब है! आपके पास सवारी के लिए इतना मजबूत टट्टू है, फिर भी आप इसके साथ-साथ पैदल जा रहे हैं।"

ब्राह्मण ने कहा, "हे भगवान! अरे, क्या तुम्हें यह बकरी टट्टू दिखाई दे रही है?" ठग ने कहा, "मैं तो समझ रहा था कि आप कोई विद्वान ब्राह्मण होंगे, परंतु आप तो इतना भी नहीं जानते कि ये टट्टू है, बकरी नहीं।" इतना कहकर वह ठग भी चलता बना।

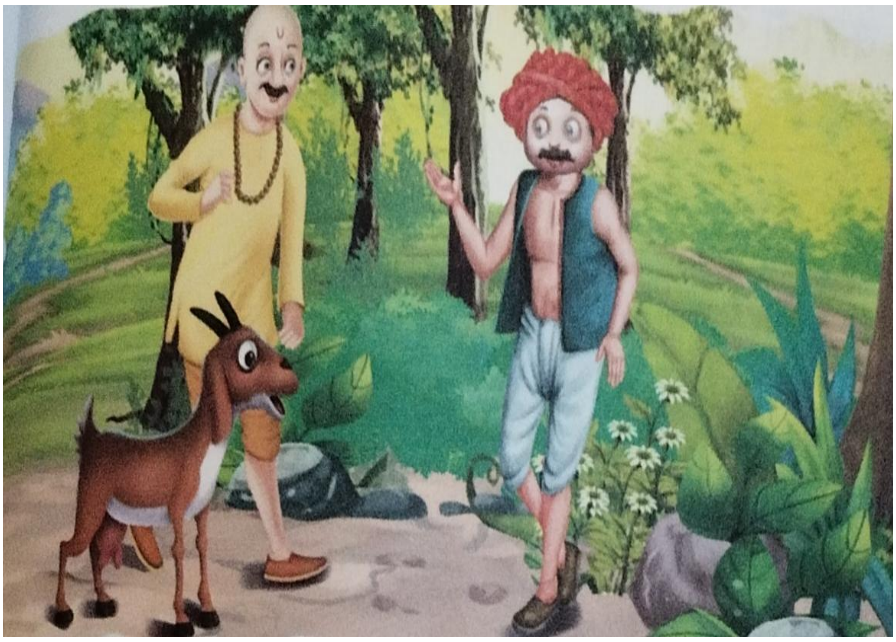

कुछ समय बाद तीसरा ठग ब्राह्मण के पास आया। उसने कहा, "पुरोहित जी, प्रणाम! अरे आप इस गधे को कहाँ ले जा रहे हैं?" यह सुनकर ब्राह्मण चकरा गया। उसने कहा, "क्या यह गधा है?" "बिल्कुल! गधा ही तो है यह।" ठग ने दावे के साथ कहा।

यह सुनकर ब्राह्मण घबरा गया। उसे लगा कि उसकी बकरी वास्तव में कोई पिशाचिनी है। वह समय-समय पर अपना रूप बदलती रहती है। इसलिए ब्राह्मण बकरी को वहीं छोड़कर भाग खड़ा हुआ। यह देख तीनों ठग बहुत खुश हुए। वे खुशी-खुशी बकरी को लेकर चलते बने।

शिक्षा : "अपना आत्मविश्वास स्थिर रखना चाहिए। लोगों की बातें सुनकर अपना विचार नहीं बदलना चाहिए।"

परिश्रम का फल

एक किसान था। उसके चार बेटे थे। किसान दिन-रात मेहनत करता पर उसके बेटे काम में हाथ न बँटाते। बार-बार समझाने पर भी वे मेहनत न करते।

एक बार किसान बीमार हो गया। इलाज करवाने पर भी स्वास्थ्य बिगड़ता ही गया। उसे अपने बेटों के भविष्य की चिंता सताने लगी। फसल बोने का समय आ गया था। वह सोचने

लगा यदि ये काम नहीं करेंगे तो खाएँगे क्या? उसने चारों बेटों को बुलाया और कहा "बेटा, मैंने खेत में खज़ाना छिपा रखा है। मैं अब रहूँ या न रहूँ, यही सोचकर मैंने तुम्हें यह बात बता दी।" बात सुनते ही उसके बेटों से रहा न गया। वे अपने-अपने फावड़े उठाकर रात को ही खेत की ओर चल दिए। सारा खेत खोद डाला। अंत में निराश होकर वापिस घर लौट आए। किसान ने खेत में बीज डलवा दिए। बारिश हुई। खेत में अंकुर फूट आए। कुछ ही दिनों में खेत लहलहाने लगा। किसान ने अपने बेटों को बुलाया और कहा बेटा, खेत ने खज़ाना बाहर निकाल दिया है। चाहो तो जाकर देख लो। यही सच्चा खज़ाना है। इसे हम परिश्रम से पा सकते हैं। तुमने इस खज़ाने को न सँभाला तो सबसे हाथ धो बैठोगे। बेटे समझ गए कि परिश्रम ही सफलता का एकमात्र रास्ता है और अब वे खेत की देखभाल में जुट गए।

शिक्षा - परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।

लालच का परिणाम

मायादास नामक एक राजा था। उसे सोने से बेहद प्यार था। वह दिन-रात धन के देवता कुबेर की पूजा करता। एक रात कुबेर उसे स्वप्न में दिखाई दिए। वे बोले, "बोलो मायादास, तुम्हें क्या चाहिए?" मायादास बोला, "देव, मेरी इच्छा है कि मेरे पास और सोना हो।" कुबेर मुस्कुराए और बोले, "ठीक है, कल से तुम जिस भी वस्तु को छुओगे वह सोने की हो जाएगी।" ऐसा कहकर कुबेर अदृश्य हो गए।

तभी मायादास की नींद टूट गई। वह मन ही मन प्रसन्न था कि अब वह किसी भी वस्तु को छूकर सोने की बना देगा। सुबह होते ही राजा अपने महल की हर वस्तु छूने लगा। वह जिसे छूता वह वस्तु सोने की हो जाती। पलंग, कुरसी, मेज़, तस्वीरें, सजावट का सामान, यहाँ तक कि परदे और दीवारें भी सोने की हो गईं। राजा की खुशी का ठिकाना न रहा। अब वह अपने बगीचे में गया। उसने पेड़-पौधे, फूल-पत्ते आदि छुए सब सोने के हो गए। राजा खुशी-खुशी महल के भीतर आया। तभी नौकर नाश्ता लेकर आए। बड़ी-बड़ी थालियों में तरह-तरह के व्यंजन थे।

राजा जिस भी वस्तु को खाने के लिए उठाता वह सोने की हो जाती। अब वह कुछ परेशान हुआ। इसी बीच उसकी बेटी रत्ना खेलती हुई वहाँ आई। राजा ने उसे गोद में

उठाकर प्यार किया। राजा का उसे उठाना था कि वह भी सोने की हो गई। अब तो राजा के होश उड़ गए। भूख-प्यास से बेहाल राजा ज़ोर-ज़ोर से पुकारने लगा, "देव! मुझे क्षमा कर दो। आप अपना वरदान वापिस ले लो।"

कुछ पल बाद उसे कुबेर दिखाई दिए। वे बोले, "क्यों, अब सोने से जी भर गया तुम्हारा!" राजा उनके पैरों में गिरकर गिड़गिड़ाने लगा। तब देवता बोले, "कल सूर्योदय होते ही सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा।"

अगले दिन जैसे ही सूरज की पहली किरण निकली सब कुछ पहले जैसा हो गया। रत्ना दौड़कर पिता से लिपट गई। पेड़-पौधे झूमने लगे। अब राजा की खुशी का ठिकाना न था।

शिक्षा- लालच का परिणाम दुखदाई होता है।

अभ्यास कार्य

1.दिए गए चित्रों के आधार पर कहानी लिखिए -

1. बंदर और मगरमच्छ

2. ईमानदार लकड़हारा

2. चित्र देखिए और सही शब्द चुनकर कहानी पूरी कीजिए।

चूहे , बैल , शरारत , दर्द ,इधर-उधर , नज़र

सींगों ,घमंड ,रौब ,नाक ,क्रोध , टूटी

एक बैल को अपनी ताकत पर बहुत -------------------था। एक नटखट-----------------ने उसे सबक सिखाने की सोची । एक दिन उसने ----------------को सोते हुए देखा । उसे एक ----------------------सूझी। उसने बैल की ----------------------- पर काट लिया। बैल ----------------से तड़पने लगा। उसने ------------------ देखा पर कोई दिखाई नहीं दिया। तभी उसकी ------------------ बाहर झाँकते चूहे पर पड़ी। उसे बहुत -----------------आया । वह अपने -----------------से दीवार तोड़ने लगा। पर दीवार नहीं -----------------। परेशान होकर वह वहाँ से चला गया। चूहा बहुत खुश हुआ।

शिक्षा : बुद्धि से शक्तिशाली को भी जीता जा सकता है।

****

24. पत्र लेखन

पत्र संचार व्यवस्था का एक सशक्त माध्यम है। जब हम अपना हाल-चाल या प्रार्थना आदि लिखकर किसी दूसरे के पास पहुँचाते हैं, तो इसे **पत्र** कहते हैं। पत्र के माध्यम से संदेशों एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान होता है। पत्र-लेखन भी एक कला है।

पत्र के प्रकार:

पत्र मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं-
1. औपचारिक पत्र
2. अनौपचारिक पत्र

1. औपचारिक पत्र :

सरकारी या गैर सरकारी कार्यालयों, अधिकारियों एवं पुस्तक विक्रेता आदि को लिखे जाने वाले पत्रों को औपचारिक पत्र कहते हैं।
इनके अंतर्गत प्रार्थना-पत्र, आवेदन-पत्र एवं शिकायती पत्र आदि आते हैं।

2. अनौपचारिक पत्र :

सगे संबंधियों, रिश्तेदारों , मित्रों एवं परिचितों को लिखे जाने वाले पत्रों को अनौपचारिक पत्र कहते हैं।

पत्र लिखते समय ध्यान देने योग्य प्रमुख बातें-

*पत्र की भाषा सरल एवं सुस्पष्ट होनी चाहिए।

*जिसे पत्र लिखा जाए उसके लिए उचित संबोधन का प्रयोग किया जाना चाहिए ।

*पत्र संक्षिप्त होना चाहिए।

*पत्र में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग होना चाहिए।

*औपचारिक पत्रों में विषय अवश्य लिखा जाना चाहिए।

*पत्र में भेजने वाले का नाम एवं भेजने की तिथि सही जगह पर अवश्य लिखी होनी चाहिए।

औपचारिक पत्र

1. तीन दिन के अवकाश के लिए प्रधानाचार्या को प्रार्थना-पत्र लिखो।

सेवा में,
प्रधानाचार्या कन्या बाल विद्यालय,
नई दिल्ली-110012

विषय : तीन दिन के अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र।

आदरणीय महोदया,

सविनय निवेदन यह है कि मुझे चचेरे भाई के विवाह के लिए अपने परिवार के साथ जयपुर जाना है। अतः मुझे 4 मई, ...से 6 मई, ...तक तीन दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपकी आज्ञाकारी छात्रा

मीरा, कक्षा 5-ए

तिथि : 3 मई,........

2.मच्छरों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र।

सेवा में,
स्वास्थ्य अधिकारी जी,
दिल्ली नगर निगम,
नई दिल्ली – 110012

विषय : मच्छरों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए।

महोदय,

मैं साकेत का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में बरसात के कारण जगह-जगह पर पानी भर गया है जिससे मच्छरों की समस्या भी बढ़ गई है। इसकी वजह से मलेरिया, चिकनगुनिया तथा डेंगू जैसी खतरनाक बीमारियाँ बढ़ रही हैं।
अतः आपसे प्रार्थना है कि यहाँ की सफ़ाई पर ध्यान दें तथा मच्छरों की दवाई का छिड़काव करवाएँ, ताकि मच्छरों की समस्या से जल्दी-से-जल्दी छुटकारा मिल सके।

सधन्यवाद

भवदीय

आदर्श पांडेय

अनौपचारिक पत्र

1. मित्र को छुट्टियों में घर बुलाने के लिए निमंत्रण पत्र लिखो।

125, ग्रीन पार्क,
नई दिल्ली-110016
22 मई,........

प्रिय अरुण,

नमस्ते।

आजकल हमारी गरमियों की छुट्टियाँ चल रही हैं। आशा है तुम्हारी भी छुट्टियाँ हो गई होंगी। तुम इन छुट्टियों में दिल्ली आने का कार्यक्रम बनाओ। अगले माह यहाँ का मौसम भी अच्छा हो जाएगा। तुम यहाँ आओगे तो मैं तुम्हें कुतुबमीनार, लालकिला, अक्षरधाम, विज्ञान संग्रहालय आदि की सैर करवाऊँगा। आशा है तुम अवश्य आओगे। घर में बड़ों को नमस्ते तथा छोटों को प्यार।

तुम्हारा मित्र
अंबर

2. मोबाइल गेम से होने वाली हानियों के बारे में बताने के लिए छोटे भाई को पत्र।

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली-110016
15 जुलाई, 20.....

प्रिय अनुज,

खुश रहो।

हम सभी यहाँ पर ठीक हैं। आशा करते हैं कि तुम भी वहाँ ठीक होगे। मैंने सुना है कि आजकल तुम मोबाइल पर बहुत गेम खेलने लगे हो, जिससे बहुत समय बर्बाद हो रहा है। मोबाइल के जितने लाभ हैं, उतनी हानियाँ भी हैं। जितना समय तुम मोबाइल पर गेम खेलने में बर्बाद करते हो, उतने समय में तुम पढ़कर अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हो।

मुझे आशा है कि भविष्य में तुम मोबाइल का प्रयोग समझदारी से करोगे और अपनी पढ़ाई पर ध्यान दोगे। बाकी बातें मिलने पर करेंगे।

तुम्हें ढेर सारा प्यार

तुम्हारा बड़ा भाई

अजीत

समझिए और लिखिए -

1. पुस्तकालय में कहानियों की किताबें मँगवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।
2. गृह कार्य अधूरा रह जाने पर विषय अध्यापिका से क्षमा माँगते हुए पत्र लिखिए ।
3. पाठशाला की पत्रिका में आपकी लिखी हुई कविता प्रकाशित हुई है । अपने भाव बताते हुए मित्र को पत्र लिखिए ।
4. कक्षा में प्रथम आने पर मित्र को बधाई-पत्र लिखिए ।

****

25. अनुच्छेद लेखन

पढ़िए और समझिए -

किसी विषय के भाव अथवा विचार पर कुछ पंक्तियों में अपने विचार व्यक्त करना **अनुच्छेद-लेखन** कहलाता है। अनुच्छेद के अंर्तगत केवल एक विषय पर ही भाव व्यक्त किए जाते हैं।

अनुच्छेद लिखते समय ध्यान देने योग्य बातें-

- अनुच्छेद सदैव एक ही परिच्छेद में लिखना चाहिए।
- अनुच्छेद लिखते समय शब्द सीमा का ध्यान अवश्य रखना चाहिए।
- अनुच्छेद लिखते समय संकेत बिंदुओं का प्रयोग अवश्य करना चाहिए।
- पहले विषय के संबंध में अच्छी तरह विचार करना आवश्यक है।
- भावों की अभिव्यक्ति क्रमवार होनी आवश्यक है।
- भाषा शुद्ध एवं स्पष्ट तथा सरल होनी आवश्यक है।

1. मेरा प्रिय मित्र

संसार में सच्चे मित्र बहुत थोड़े होते हैं। परंतु मेरा यह सौभाग्य है कि मुझे रवि जैसा भरोसेमंद मित्र मिल गया है। वह मेरा सहपाठी भी है। वह कक्षा का सबसे मिलनसार और बुद्धिमान छात्र है। वह कक्षा में हमेशा प्रथम आता है। लगनशील और नम्र होने के कारण अध्यापकगण उसकी तारीफ़ करते रहते हैं। वह विद्यालय की सभी प्रकार की गतिविधियों में सदैव आगे रहता है। पढ़ाई हो या खेल, उसकी तत्परता देखकर कई विद्यार्थी दाँतों तले उँगलियाँ दबा लेते हैं। उसे देखकर मुझे भी जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। वह पढ़ाई-लिखाई में मेरी सहायता करता है। वह मुझे समय का सदुपयोग करने की सलाह देता है। इतना ही नहीं, ज़रूरत पड़ने पर वह मेरी आर्थिक सहायता करने से भी नहीं चूकता। घमंड का तो उसमें नामोनिशान तक नहीं है। मेरा प्रिय मित्र सचमुच सद्गुणों की खान है।

2. जीवन में खेल-कूद का महत्त्व

मानव जीवन बहुत कीमती है। इसमें शिक्षा का जितना महत्त्व है, उतना ही खेल-कूद का भी है। वास्तव में शिक्षा और खेल-कूद एक दूसरे के पूरक हैं। खेलों की शिक्षा के बिना पुस्तकीय ज्ञान अधूरा है। खेल-कूद से जीवन में अनुशासन के भाव पनपते हैं। यह व्यायाम का एक अच्छा तरीका है। इससे शारीरिक विकास अच्छे तरीके से होता है। पढ़ाई की ऊब मिटती है, पढ़ाई के प्रति मन में एक नया उत्साह उत्पन्न होता है। अतः खेल बालक-बालिकाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खिलाड़ी कम बीमार पड़ते हैं क्योंकि उनका शरीर पुष्ट

हो जाता है। उन्हें सिर दर्द, नींद न आना, अधिक थकावट आदि समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता। खेलने से शरीर के भीतर की गंदगी पसीने के द्वारा बाहर निकल आती है। इस प्रकार खेल-कूद के अनगिनत लाभ हैं। यदि जीवन में केवल तरह-तरह के काम हों और खेल न हो, तो यह अधूरा है। यही कारण है कि अच्छे विद्यालयों में पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खेल-कूद को भी पर्याप्त महत्त्व दिया जाता है।

3. ज्ञान का भंडार-पुस्तकालय

'पुस्तकालय' का अर्थ है 'पुस्तकों का घर'। पुस्तकालय में पुस्तकों के अलावा समाचार-पत्र, पत्र-पत्रिकाएँ, नक्शे, चार्ट आदि भी होते हैं। जो लोग पुस्तकें पढ़ने में रुचि रखते हैं, वे यहाँ आकर अपनी मनपसंद पुस्तकों व पत्र-पत्रिकाओं का आनंद उठाते हैं। हमारे विद्यालय में भी एक बड़ा पुस्तकालय है। उसमें हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी साहित्य की पुस्तकों के अतिरिक्त विज्ञान, गणित, इतिहास आदि से संबंधित पुस्तकें भी हैं। पुस्तकालय में मेज़ तथा कुरसियाँ भी हैं, जहाँ बैठकर हम पुस्तकें व पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ते हैं। हम सभी को वहाँ बैठकर पुस्तकें पढ़ने में बहुत आनंद आता है। हम पुस्तकालय का भरपूर लाभ उठाते हैं।

4. हमारा प्यारा देश : भारत

भारत एक महान देश है। प्राचीन समय में इसे "सोने की चिड़िया" कहा जाता था। सब लोग बहुत खुशहाल थे। बाद में विदेशी आक्रमणों के कारण देश पर अनेक संकट आए। आखिरकार 15 अगस्त 1947 ई. को हमारा देश स्वतंत्र हो गया। हमारा देश पुनः प्रगति की राह पर चल रहा है। दुनिया में भारत को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यहाँ के लोग बहुत परिश्रमी हैं। यहाँ की धरती पर राम, कृष्ण, कबीर, नानक, गाँधी जैसे अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया है। इन लोगों ने दुनिया को सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने तथा आपस में मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा दी है। हमारे देश की प्राकृतिक सुंदरता भी निराली है। हिमालय भारत के उत्तर में स्थित है जो कि हमारा पहरेदार है। यहाँ गंगा, ब्रह्मपुत्र, सिंधु, कृष्णा, कावेरी, यमुना आदि नदियाँ बहती हैं। यहाँ वन, झील और सरोवर हैं। यहाँ के वनों में सिंह, बाघ, हाथी, भालू, हिरन, बारहसिंघा आदि जंतु निवास करते हैं। यहाँ 28 राज्य और 9 केंद्रशासित प्रदेश हैं। हमारे देश में अनेक प्रकार की भाषाएँ बोली जाती हैं। यह विविधता में एकता का देश है। हमें अपने महान देश पर गर्व है।

5. प्रकृति और हम

प्रकृति और मानव का पुराना संबंध है। प्रकृति ही मनुष्य की आवश्यकताएँ पूरी करती आ रही है। मनुष्य सदा से ही पेड़-पौधों पर आश्रित रहा है। पेड़-पौधे प्रकृति की एक अनुपम

सौगात है। पेड़-पौधों ने सदा मानव को संरक्षण दिया है। पेड़-पौधे हमें फल-फूल , शुद्ध हवा, लकड़ी तथा ईंधन देते हैं। पर आज मनुष्य लालच में आकर लगातार पेड़-पौधों को काटकर वनों को नष्ट करता जा रहा है। इससे वह स्वयं अपने पाँवों पर कुल्हाड़ी मार रहा है। उन्हें बिना सोचे-समझे काटता जा रहा है, जिसके कारण पर्यावरण में बदलाव आ रहा है और प्रदूषण निरंतर बढ़ता जा रहा है। प्रदूषण घटे, बाढ़ न आए, अकाल न पड़े इसके लिए हमें पेड़ लगाने होंगे। पेड़ों पर हम तथा पक्षी जगत निर्भर है। पेड़ों के कटने से अनेक पशु-पक्षियों की जातियाँ भी समाप्त हो रही हैं। मनुष्य यदि इस प्रकार पेड़-पौधे काटकर प्रकृति को हानि पहुँचाता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब यह हरी-भरी प्रकृति और वन बंजर हो जाएँगे। अतः हमें समय रहते ही सचेत होना पड़ेगा।

नीचे लिखे विषयों पर अनुच्छेद लिखिए-

1. मेरा प्रिय त्योहार
2. समय का महत्व
3. विद्यार्थी और अनुशासन
4. प्रदूषण की समस्या
5. गाँव की सैर